

रोजगार और निर्माण

प्रति सप्ताह के प्रकाशित, मंगलवार 04.03.2024 से 10.03.2024 तक वर्ष 41 अंक 10 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

ओलावृष्टि सर्वेक्षण और किसानों को राहत देने की प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल, विगत दिनों प्रदेश के जिलों में हुई ओलावृष्टि के दृष्टिगत सर्वेक्षण सहित प्रभावित किसानों को राहत के लिए आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिये। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव राजस्व और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 जनवरी से प्रारंभ राजस्व महाअभियान को 29 फरवरी तक संचालित करने के निर्देश दिए गए थे। अभियान में अब तक 1.65 लाख प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है।

वाइसन रिसोर्ट मड़ई बना पहला फाइव ग्रीन लीफ रेटिंग रिसोर्ट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाइसन रिसोर्ट, मड़ई को देश का पहला फाइव ग्रीन लीफ रेटिंग रिसोर्ट बनने पर प्रबंधक तथा जिला प्रशासन को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की सुंदरता और स्वच्छता को बढ़ाएं। केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता और पर्यटन मंत्रालय के तत्वाधान में देश में आतिथ्य सुविधा जैसे रिसोर्ट, होमस्टे, धर्मशाला जैसी सुविधाओं के लिए "स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम" अंतर्गत नर्मदापुरम जिले के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल मड़ई में स्थित वाइसन रिसोर्ट को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश के लिए कर संकेतों संशोधन

भोपाल, राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश के लिए आयुसीमा अनुसार संशोधन की सुविधा पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। आवेदक 5 मार्च, 2024 तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का सत्यापन करा संकेतों।

मुख्यमंत्री ने मिशन गगनयान में चयनित सैनिकों को दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन श्री प्रशांत बालकृष्णन नायर, श्री अंशु प्रताप, श्री अजित कृष्णन और विंग कमांडर श्री शुभांशु शुक्ला को मिशन गगनयान के तहत अंतरिक्ष में जाने के लिए चयनित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विज्ञान और अंतरिक्ष सहित प्रत्येक क्षेत्र में विश्व के लिए प्रेरणा बन रहा है।

भीतर के पृष्ठों पर

- पिछला समाह - देश-विदेश की सामाजिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- चर्चा में - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- सामयिकी - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंचार विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

1st रोजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव-2024

उज्जैन में दो दिवसीय कॉन्क्लेव में भारत सहित 10 देशों के 650 से अधिक उद्योगपति हुए शामिल

दुनिया हमारी तरफ उम्मीद की नजरों से देख रही है - डॉ. यादव



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में शुरू हुई पहली रोजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव-2024 में आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए

उज्जैन। उज्जैन के रोजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बाद प्रदेश में जबलपुर, रीवा और खालियर में भी रोजनल कॉन्क्लेव आयोजित की जाएंगी। कॉन्क्लेव के दौरान ही औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और भूमि पूजन भी किए जाएंगे। यह बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में शुरू हुई पहली इंडस्ट्री कॉन्क्लेव-2024 के शुभारंभ अवसर पर कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की जीडीपी ग्रोथ अनेक देशों को आश्चर्यचकित कर रही

है। दुनिया हमारी तरफ उम्मीद की नजरों से देख रही है। उन्होंने कॉन्क्लेव में पधारे निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि उद्योग जगत से सभी को अनेक आशाएं हैं। भारत के करीब 140 करोड़ नागरिक भी राष्ट्र के विकास में अहम योगदान दे रहे हैं।

अर्थव्यवस्था के 5वें क्रम पर भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का नेतृत्व अभिर्भूत के योग्य है। वे नई तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित करते हैं। एक समय भारतीय अर्थव्यवस्था 11वें क्रम पर थी, जो अब 5वें क्रम पर है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के रोजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अनेक औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधि पधारे हैं। उज्जैन कॉन्क्लेव से करीब 1 लाख करोड़ के व्यवसाय और उद्योग का इतिहास बन रहा है। करीब 250 औद्योगिक परियोजनाओं में भूमि का आवंटन किया गया है। करीब 20 हजार से अधिक लोगों को नई इकाइयों से प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

283 इकाइयों को भूमि आवंटन-पत्र सौंपे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम के दौरान 283 इकाइयों को 508 हेक्टेयर भूमि के लिए आवंटन-पत्र प्रदान किये। इन इकाइयों द्वारा कुल 12 हजार 170 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर 20 हजार से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक इकाइयों के पदाधिकारियों को प्रतीक स्वरूप भूमि आवंटन-पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पीएम कुसुम योजना में भी उद्योगपतियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। यह योजना नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण योजना है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रोजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों, निवेशकों के बीच एमओयू साइन हुए

विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन व रेल सुविधाओं की सौगात

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 77 हजार करोड़ रुपये के निर्माण कार्य जारी हैं। प्रदेश में रेलवे सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और हमें नई तकनीक और व्यवस्थाओं के साथ विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन एवं रेल सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीहोर जिले में आयोजित जन आभार यात्रा के दौरान कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आधुनिक और तेज रेलवे के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत 41 हजार करोड़ रुपये की लागत से देश के 554 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प और 1500 रोड ओवर ब्रिज, अंडरपास के शिलान्यास, उद्घाटन समर्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 कार्यशाला



भोपाल, शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा विविध संदर्भ पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ राज्यपाल श्री मुंगुभाई पटेल

देश में तेंदुओं की सर्वाधिक संख्या 3907 मध्यप्रदेश में

भोपाल, देश में तेंदुओं की सर्वाधिक संख्या 3907 मध्यप्रदेश में है। वर्ष 2018 में 3421 थी। इसके बाद महाराष्ट्र में 1985, कर्नाटक में 1,879 और तमिलनाडु में 1,070 हैं। टाइगर रिजर्व या सबसे अधिक तेंदुए की आबादी वाले स्थल में आंध्रप्रदेश के श्रीशैलम में नागार्जुन सागर और इसके बाद मध्यप्रदेश में पन्ना और सतपुड़ा हैं। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव द्वारा भारत में तेंदुओं की स्थिति पर जारी रिपोर्ट के अनुसार देश में तेंदुओं की आबादी 13,874 (रेंज: 12,616 - 15,132) व्यक्ति होने का अनुमान है। यह 2018 में 12852 (12,172-



13,535) व्यक्तियों के समान क्षेत्र की तुलना में स्थिर आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। यह अनुमान तेंदुए के निवास स्थान की 70 प्रतिशत आबादी को दर्शाता है। इसमें हिमालय और देश के अधःशुष्क हिस्सों का नमूना नहीं लिया गया है, क्योंकि यह बाघों का निवास स्थान नहीं है। उल्लेखनीय है कि पांचवें चक्र में तेंदुओं की आबादी का अनुमान राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा, राज्य वन विभागों के सहयोग से किया जा रहा है। चतुर्वर्षीय "बाघों की निगरानी, शिकारियों, शिकार और उनसे आवास की निगरानी" अभ्यास के एक भाग के रूप में यह प्रयास किया गया था। इससे बाघ संरक्षण को गति मिलती है।

भारतीय ज्ञान परम्परा में शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा

एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस अवसर पर शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल के 860.82 लाख के विस्तारिकरण नवीनीकरण और बैरियर-फ्री कार्य तथा शासकीय महाविद्यालय सिराली हर्दा के 617.82 लाख की लागत से बने नवीन भवन का लोकार्पण किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने संपूर्ण विश्व का मार्गदर्शन किया है। भारत से प्राप्त ज्ञान से ही अरब, यूरोप, मध्य एशिया, पूर्वी और दक्षिण एशियाई देशों में गणित, ज्योतिष, खगोल, चिकित्सा, अध्यात्म संबंधी ज्ञान का प्रसार हुआ है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित पाठ्यक्रम में भारतीय समाज के जीवन मूल्यों, सांस्कृतिक गौरव, मातृभूमि के लिए मर मिटने वाले नायक-नायिकाओं के बलिदान, संघर्ष और संविधान की समावेशी-समतामूलक व्यवस्थाओं की मंशा को भी समेटित किया जाना चाहिए।

ज्ञान को किसी सीमा में बांधने पर विश्वास नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति और परम्परा, ज्ञान को किसी सीमा में बांधने पर विश्वास नहीं करती, ऋग्वेद के अनुसार ज्ञान जहां से भी आए उसे स्वीकार करना चाहिए। पश्चिम में पेटेंट की व्यवस्था है, जो ज्ञान से हित अर्जन पर आधारित है, जबकि भारत में ऋषि परंपरा को किसी राज्य की सीमा में नहीं रोकता गया। हमारा विश्वास है कि ऋषि समूचे जगत के लिए हैं, जो सारा जीवन समाज की बेहतरी के लिए शोध में निकाले वही ऋषि परंपरा है।



24 फरवरी

बिहार के राज्यपाल ने प्राचीन शहर अयुध्या का किया दौरा

● बिहार के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अल्लेकर ने थाईलैंड के प्राचीन शहर अयुध्या



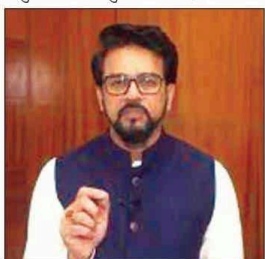
का दौरा किया। इसका नाम भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या के नाम पर रखा गया है। 1350 में स्थापित अयुध्या ऐतिहासिक शहर है। यह जौसुखोई के बाद सियामी साम्राज्य की दूसरी राजधानी था। यह 14वीं से 18वीं शताब्दी तक फ्ला-फूला। इस दौरान यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे महानगरीय शहरी क्षेत्रों में से एक बन गया। यह वैश्विक कूटनीति और वाणिज्य का केंद्र था। अयुध्या अब पुरातात्विक महत्व का केन्द्र है, जिसकी विशेषता ऊंचे प्रांग (अवशेष टावर) और विशाल अनुपात के बौद्ध मठों के अवशेष हैं। यह शहर के अतीत के आकार और इसकी वास्तुकला भव्यता का अंदाजा देते हैं।

● रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तरप्रदेश और तमिलनाडु में सरकार रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित कर रही है। इस पहल के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आधुनिक सैन्य साजो-सामान न केवल भारत में निर्मित हो, बल्कि उन्हें मित्र देशों को भी निर्यात किया जाए। सात-आठ साल पहले रक्षा निर्यात 1,000 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंच पाता था, जबकि यह 16,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 2028-29 तक वार्षिक रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशा है।

25 फरवरी

चंडीगढ़ में खुलेगा सीबीएफसी का क्षेत्रीय सुविधा कार्यालय

● केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने चंडीगढ़ में केंद्रीय



फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का क्षेत्रीय सुविधा कार्यालय खोलने की घोषणा करते हुए कहा कि इस कदम से पंजाबी फिल्म उद्योग को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। भारत को एक कंटेंट हब

के रूप में देखा जा रहा है। भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों की श्रृंखला व फिल्म निर्माण के बाद की प्रक्रिया दोनों ही के लिए पसंदीदा देश बनता जा रहा है। समानांतर रूप से हमारे अपने कंटेंट को दुनिया भर में काफी सराहा जा रहा है। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हर साल दुनिया में बने वाली 2500 फिल्मों में से आधे से अधिक भारत में बनती हैं। फीचर फिल्मों से लेकर वृत्तचित्र और लघु फिल्मों से लेकर धारावाहिकों तक, भारतीय सिनेमा आज जीवन के हर रंग को अपने कैनवास पर चित्रित कर रहा है। यह स्थानीय कहानियों को वैश्विक स्तर पर पहुंचा रहा है।

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 110वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा तैयार कार्यक्रम है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए और इस दौरान राजनीतिक मर्यादा का पालन करते हुए मन की बात कार्यक्रम अगले तीन महीनों तक प्रसारित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि तीन महीने के अंतराल के बावजूद लोगों को समाज और देश की उपलब्धियों के बारे में हैशटैग मन की बात के साथ सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट भेजते रहना चाहिए।

26 फरवरी

नियमों का सख्ती से पालन करें फिनटेक कंपनियां

● केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने फिनटेक कंपनियों और



स्टार्टअप के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने आधिकारिक नियमों का सख्ती से पालन करने और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा को सर्वोपरि महत्व देने पर जोर दिया। बैठक में सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि नियामक मानदंडों के अनुपालन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। फिनटेक क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखा जाता है। सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टी गवर्नर सहित नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अधिकारी भी मौजूद थे।

● राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में एक दिवसीय 'पर्पल फेस्ट' का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'पर्पल फेस्ट' के तहत दिव्यांगजनों द्वारा आयोजित की गई विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखा। आगंतुकों के लिए इस दौरान 'अपनी दिव्यांगता को जानें', 'पर्पल कैफे', 'पर्पल कैलिडोस्कोप', 'पर्पल लाइव एक्सपेरियंस ज़ोन', 'पर्पल स्पোর্ट्स' जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। 'पर्पल फेस्ट' में 14000 से भी ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित 'पर्पल फेस्ट' का उद्देश्य

दिव्यांगता और लोगों के जीवन पर इनके प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही समाज के भीतर दिव्यांगजनों के बारे में समझ, स्वीकृति और समावेशन को बढ़ावा देना है।

27 फरवरी

छह साल से छोटे बच्चों को नहीं मिलेगा कक्षा 1 में प्रवेश

● सरकार ने कहा है कि 2024-25 के सत्र से पहली कक्षा में प्रवेश के लिए बच्चों की



उम्र छह वर्ष से अधिक होनी चाहिए। शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने को कहा है। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 के प्रावधानों के अनुरूप की गयी है। शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग को इस बारे में पत्र लिखा है और सत्र 2024-25 से ग्रेड-1 में प्रवेश के लिए यह नियम लागू करने को कहा है।

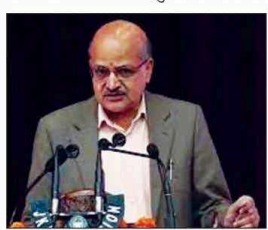
● सरकार ने कहा है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय न्याय संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 एक जुलाई से लागू हो जाएंगे। गृह मंत्रालय ने इस बारे में राजपत्र अधिसूचना जारी की है। ये तीनों विधेयक पिछले वर्ष दिसंबर में संसद में पारित किए गए थे। ये कानून भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान लेंगे।

● असम सरकार ने असम मुस्लिम विवाह और तलाक़ पंजीकरण अधिनियम 1935 को निरस्त करने का फैसला किया है। इस अधिनियम के आधार पर अब तक 94 मुस्लिम रजिस्ट्रार राज्य में मुस्लिम विवाहों और तलाक़ का पंजीकरण कर रहे थे। असम सरकार इन रजिस्ट्रारों को उनके पुनर्वास के लिए एकमुश्त दो लाख रुपये का मुआवजा देगी।

28 फरवरी

देश में कम हुई गरीबी

● नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने कहा



है कि नवीनतम उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि देश में गरीबी कम होकर पांच प्रतिशत पर आ गई है। सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोग समृद्ध हो रहे हैं। घरों के उपभोग संबंधी आंकड़ों से देश में गरीबी की स्थिति और गरीबी दूर करने के उपायों की सफलता का पता चलता है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के

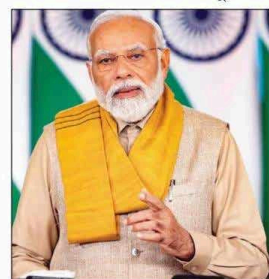
तहत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय ने वर्ष 2022-23 के लिए घरेलू उपभोग व्यय संबंधी आंकड़े जारी किए। इसके अनुसार प्रति व्यक्ति मासिक व्यय 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुने से भी अधिक हो गया है।

● वैश्विक निवेश सलाहकार फर्म जेफरीज ने भारतीय अर्थव्यवस्था और निवेश के लिए आशावादी दृष्टिकोण का अनुमान व्यक्त किया है। कंपनी ने कहा है कि पिछले दस वर्षों में भारत में मूलभूत संरचनात्मक सुधार हुए हैं। कंपनी के अनुसार अगले चार वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। इससे भारत वर्ष 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं भारत का सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रहेगा। कंपनी के अनुसार वर्ष 2030 तक भारतीय शेयर बाजार 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

29 फरवरी

पीएम-सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम-सूर्य घर :



मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री ने 13 फरवरी, 2024 को इस योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के माध्यम से छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने और एक करोड़ घरों के लिए हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए 75,021 करोड़ रुपये के परिव्यय की व्यवस्था की गई है।

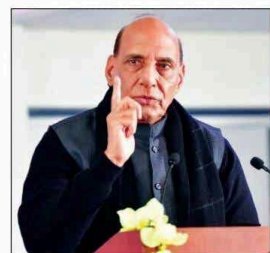
● प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) ने एक नया पड़ाव पार कर लिया है। प्रधानमंत्री द्वारा महाराष्ट्र के यवतलाम में

पीएम किसान योजना की 16वीं किस्त जारी करने के साथ ही अब तक इस योजना से 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवारों को लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का लाभ प्रदान किया जा चुका है। इसमें से 1.75 लाख करोड़ रुपये पात्र किसानों को केवल कोविड अवधि के दौरान हस्तांतरित किए गए, जब उन्हें प्रत्यक्ष नकद लाभ की सबसे अधिक आवश्यकता थी।

01 मार्च

रक्षा मंत्रालय ने पांच अनुबंधों को दी मंजूरी

● रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के एक भाग के रूप में और मेक-इन-इंडिया पहल को



बढ़ावा देने के लिए, रक्षा मंत्रालय ने 1 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में 39,125.39 करोड़ रुपये के पांच प्रमुख पूंजी अधिग्रहण अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमाने की उपस्थिति में अनुबंधों का आदान-प्रदान किया गया। पांच अनुबंधों में एक अनुबंध मिग-29 विमानों के लिए एयरो-इंजन की खरीद के लिए मेक-इन-इंडिया एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ किया गया।

● केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विकास की गति को बढ़ाते हुए मंत्रियों और सांसदों, विधायकों तथा अधिकारियों की उपस्थिति में मिर्जापुर में 1750 करोड़ रुपये की 2 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। श्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 135ए पर गंगा नदी पर 6 लेन पुल सहित 15 किलोमीटर लंबा 4 लेन का मिर्जापुर बाईपास बनाया जाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

भारत टेक्स-2024 में प्रदेश के हैंडलूम और हस्तशिल्प उत्पादों का भी प्रदर्शन

भोपाल, दिल्ली में सम्पन्न हुए भारत टेक्स-2024 में वस्त्र और परिधान उद्योग से जुड़े हितधारकों, उद्योगपतियों और निवेशकों के लिए भारत मंडप में मध्यप्रदेश राज्य का सत्र आयोजित किया गया। सत्र में मुख्य वक्ता श्री विशाल सिंह, कार्यकारी निदेशक, मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम ने प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य की जानकारी दी।

श्री विशाल सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में देश के वस्त्र और परिधान उद्योग का केंद्र बिंदु बनने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने प्रदेश की अध्येसरकता और संसाधनों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 1.25 लाख एकड़ का लैंड बैंक, 24x7 बिजली उपलब्धता, 5 व्यावसायिक हवाई अड्डे और 3 लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है। देश के सभी प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर

प्रदेश से गुजरते हैं। वर्ष 2022 की व्यापार सुगमता रैंकिंग में प्रदेश को अचीवर श्रेणी प्राप्त हुई है। प्रदेश का कपास उत्पादन देश में 6वां स्थान है और देश का 47 प्रतिशत औद्योगिक कॉटन का यहां उत्पादन होता है। प्रदेश मलबरी सिल्क उत्पादन में भी अग्रणी है। जबलपुर, उज्जैन, इंदौर, पोथमपुर और ग्वालियर में परिधान क्लस्टर और धार में पीएम-मित्र पार्क स्थित हैं।

सौ देशों के 3500 प्रदर्शक शामिल विश्व की सबसे बड़ी कपड़ा प्रदर्शनी- भारत टेक्स 2024 का आयोजन 26 से 29 फरवरी 2024 तक दिल्ली के दो प्रदर्शनी केंद्रों-भारत मंडप और यशोभूमि में किया गया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। आयोजन में 100 देशों के 3500 प्रदर्शक, 3000 व्यापारिक प्रतिष्ठान तथा 40,000 आगंतुक शामिल हुए।

सम्पादकीय

मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू हुई साइबर तहसील ने राजस्व प्रक्रिया को बनाया सरल और सुलभ

मध्यप्रदेश सरकार ने जन कल्याण एवं जनहित के लिए किये गये नवाचारों और उल्लेखनीय कार्यों से देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निरंतर प्रयासरत हैं। प्रदेश में खुशहाली और लोगों के जीवन को सुलभ बनाने के लिए वे पूरी तरह संकल्पित हैं और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने विगत दिनों राजस्व प्रशासन सुधार के क्षेत्र में नई पहल की है। प्रदेश में साइबर तहसील की व्यवस्था लागू कर लोगों को होने वाली परेशानियों को दूर करने का कार्य किया है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में की गई इस पहल के बाद अब अभूतपूर्व परिवर्तन सामने आने लगे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप अब प्रदेश में राजस्व प्रकरणों का निराकरण अत्यंत कम समय में हो जाएगा। भू-अभिलेखों में अमल के बाद भू-अभिलेखों एवं आदेश की सत्यापित प्रतिलिपि संबंधित पक्षकार को मिल सकेगा। अब अनावश्यक रूप से लंबित रहने वाले प्रकरणों का तत्कनीकी सहायता से कम समय में गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो सकेगा। साइबर तहसीलों में लगभग 15 से 17 दिनों का समय लग रहा है जो मैनुअल प्रक्रिया में लगने वाले 60 दिनों की तुलना में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रदेश में हर साल नामांतरण के लगभग 14 लाख प्रकरण पंजीबद्ध होते हैं। इसमें से विक्रय विलेखों के निष्पादन के बाद नामांतरण के लिए दर्ज होने वाले प्रकरणों की संख्या लगभग 8 लाख रहती है। इसमें संपूर्ण खसरा के क्रय-विक्रय से संबंधित लगभग 2 लाख अविवादित नामांतरण प्रकरण पंजीबद्ध किये जाते हैं। इस प्रकार के प्रकरणों में 15 दिन की समय सीमा में बिना आवेदन दिए, पेपरलेस, फेसलेस और ऑनलाइन नामांतरण और भू-अभिलेख अद्यतन करने के लिए साइबर तहसील स्थापित की गयी है। इस प्रकार संपूर्ण खसरा के क्रय-विक्रय से संबंधित 2 लाख नामांतरण प्रकरणों का निराकरण साइबर तहसीलों से किया जा सकता है। इस प्रकार के प्रकरणों में त्वरित नामांतरण के अलावा भू-अभिलेख अपडेट होगा। क्षेत्रीय तहसील स्तर पर अविवादित प्रकरणों के निराकरण का भार कम होगा। साइबर तहसील की व्यवस्था के लिए राजस्व विभाग द्वारा मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 में संशोधन कर धारा 13-क में साइबर तहसील के प्रावधान किए गए हैं। साइबर तहसील परियोजना की शुरुआत 01 जून 2022 से जिला सीहोर और दतिया में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई। यह परियोजना राज्य के 12 जिलों - दतिया, सीहोर, इंदौर, सागर, डिण्डौरी, हरदा, ग्वालियर, आगरा, मालवा, श्योपुर, बैतुल, विदिशा एवं उमरिया में की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश अनुसार अब साइबर तहसील की व्यवस्था सभी जिलों में लागू हो रही है। साइबर तहसील में पंजीयन से नामांतरण तक की प्रक्रिया लागू कर दी गई है। साइबर तहसील को 4 अलग-अलग प्लेटफार्मों जैसे संपदा पोर्टल, भूलेख पोर्टल, राजस्व प्रकरण प्रबंधन व्यवस्था के पोर्टल से जोड़ दिया गया है। साइबर तहसील में ऐसे प्रकरण निराकरण योग्य हैं जो संपूर्ण खसरा, जिसे विभाजित नहीं किया गया एवं ऐसी जमीन जो किसी प्रकार से गिरवी या बंधक नहीं रखी गई हो। पोर्टल पर पंजीयन करने के बाद और रजिस्ट्री के बाद रेवेन्यू पोर्टल पर स्वतः केस दर्ज हो जाएगा। इसके बाद साइबर तहसीलदार द्वारा जांच की जाएगी। सूचना के बाद इस्तेहारा एवं पटवारी रिपोर्ट के लिए मेमो जारी किया जाएगा। इसके बाद आदेश पारित कर भू-अभिलेख को अपडेट किया जाएगा। दस दिन बाद दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर ई-मेल एवं वाट्सअप से आदेश दिए जायेंगे। साइबर तहसील की खासियत है कि रजिस्ट्री के बाद बिना आवेदन किये नामांतरण का प्रखंड दर्ज हो जाता है। संपूर्ण प्रक्रिया एंड टू एंड ऑनलाइन फेसलेस एवं पेपरलेस है। यह प्रक्रिया, पारदर्शी है और इसमें मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश भी नहीं है।

पहली बार निजी एयरोस्पेस कंपनी को चंद्रमा पर लैंडिंग में मिली सफलता

अमेरिका के वैज्ञानिकों के समूह को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। दरअसल अमेरिकी कंपनी इंटरएक्टिव मशीन्स ने चंद्रमा पर अपना मिशन लैंड कर दुनिया में कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। इस उपलब्धि के साथ यह कंपनी विश्व में पहली ऐसी निजी कंपनी बन गई है जिसे चंद्रमा पर भेजे गये मिशन में सफलता प्राप्त हुई है। इंटरएक्टिव मशीन्स के आईएम-1 मिशन को यह उपलब्धि मिली है। खास बात यह है कि अपोलो युग के बाद पहली बार अमेरिका के किसी मिशन ने चंद्रमा पर लैंडिंग की है। जानकारी के अनुसार आईएम-1 मिशन के तहत जो लैंडर चंद्रमा पर भेजा गया उसे ओडीसिफ नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि चंद्रमा पर अब तक जितने भी मिशन लैंड हुए हैं, वो सभी सरकारी एजेंसियों के मिशन थे। कई वर्षों पहले जब मानव चांद पर पहुंचा था, तो उस मिशन को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सफल बनाया था। रूस और चीन की सरकारी एजेंसियां भी चांद पर अपने मिशन पहुंचा चुकी हैं। पिछले वर्ष भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विश्व में पहली बार सफल लैंडिंग की थी, जो भारत की सरकारी एजेंसी इसरो का मिशन था। जानकारी के अनुसार किसी निजी कंपनी द्वारा चंद्रमा पर जाने का पहला प्रयास वर्ष 2019 में किया गया था। यह प्रयास इजराइल की एक कंपनी ने किया था जो अपने इस मिशन में असफल रही। विगत वर्ष जापान की प्राइवेट कंपनी ने भी अपना मिशन चांद पर भेजा था, लेकिन लैंडिंग के दौरान वह क्रैश हो गया था। आईएम-1 मिशन रिकॉर्ड 8 दिनों में चांद पर पहुंच गया। 15 फरवरी को इसने स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की मदद से उड़ान भरी थी। मिशन उसी रूट से चांद पर गया जिस रूट से करीब 50 साल पहले अपोलो मिशन को भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इस मिशन के लिए कंपनी के साथ अनुबंध किया था।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

सांस्कृतिक स्वाभिमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता से समृद्धता की पहल

मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की नगरी उज्जयिनी अब आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक इतिहास रचने जा रही है। यहां होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और प्रदेश औद्योगिक, तकनीकी तथा आर्थिक विकास की दिशा में नई करवट लेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दिन-प्रतिदिन विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारत अब न केवल अपनी आवश्यकता की पूर्ति अपने संसाधनों और उत्पादों से कर रहा है, बल्कि रक्षा और वैज्ञानिक तकनीक के उत्पादनों में भी निर्यातक देश बन गया है। यह सब संभव हुआ है प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन और परिकल्पना के प्रति समाज के विश्वास और सहयोग के कारण। समाज के सभी वर्गों ने श्री मोदी जी की विकास की गारंटी पर विश्वास किया है। इसका स्वरूप अब पूरी दुनिया के सामने है।

अब मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास का एक नया अध्याय प्रारंभ होने जा रहा है। उज्जैन में पहली बार मध्यप्रदेश पब्लिक रेडी स्टेट थीम पर आधारित 'रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव-2024' आरंभ हो रही है। इसमें भारत के प्रमुख उद्योगपतियों सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फिजी, जर्मनी, गैबॉन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और जाम्बिया देशों के 30 से अधिक प्रतिनिधि तथा 650 से अधिक प्रमुख उद्योगपति सम्मिलित होंगे। दो दिनों तक चलने वाली इस कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश के स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला रखने के लिए बायर् एंड सेलर मीट, बिजनेस टू बिजनेस सम्मेलन तथा पांच थीम आधारित सत्र होंगे।

यह सुखद संयोग है कि बाबा महाकाल की नगरी में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के साथ विक्रमोत्सव का भी शुभारंभ हो रहा है। सम्राट विक्रमादित्य भारतवर्ष के सांस्कृतिक विकास, शौर्य और वैभव के प्रतीक हैं। वे अद्वितीय पराक्रम, न्याय और सुशासन व्यवस्था के ऐसे महान सम्राट रहे जिनका समूचे संसार में श्रद्धा से स्मरण किया जाता है। उज्जैन में 40 दिनों तक चलने वाला विक्रमोत्सव सम्राट विक्रमादित्य की भव्यता, दिव्यता और विराटता के साथ आयोजित किया जायेगा।

यह आयोजन विक्रमादित्य के पुण्य स्मरण और उनके युग में भारत के उत्कर्ष, नवजागरण तथा ज्ञान परंपरा पर केंद्रित है। महान सम्राट विक्रमादित्य ने इसी उज्जयिनी से शकों पर विजय प्राप्त कर 57 ईसा पूर्व विक्रम सम्वत् की शुरुआत की थी। यह सम्वत् कालगणना और कालनिर्धारण का सर्वमान्य और वैश्विक प्रमाण माना जाता है। आजादी के अमृतकाल में भारतीय कालगणना की पद्धति को उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के रूप में पुनर्स्थापित किया जा रहा है। भारतीय खगोल सिद्धांत पर आधारित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी में मुहूर्त, घटी, पल, कास्ता, प्रहर, दिन-रात, पक्ष, अयन, सम्वत्सर, दिव्यवर्ष, मन्वन्तर, युग, कल्प, ब्रह्मा, मुख्य आधार हैं। इसे हमारे दृष्टा ऋषियों ने प्रतिपादित किया



है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी में विक्रम पंचांग भी शामिल है। इसमें भारत के सभी ज्योतिर्लिंग, नवग्रह, नक्षत्र, सूर्योदय, सूर्यास्त भी समाहित रहेंगे।

उज्जयिनी के गौरवशाली अतीत से हम सभी परिचित हैं। भारत की सप्तपुरियों में से एक उज्जयिनी महर्षि सांदिपनि के आश्रम, भगवान श्रीकृष्ण-बलराम की शिक्षा स्थली, सम्राट विक्रमादित्य के गौरव, भर्तृहरि के ज्ञान के लिये तो प्रसिद्ध है ही, साथ ही ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी विश्व का मार्गदर्शन करती रही है। कर्क

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दिन-प्रतिदिन विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारत अब न केवल अपनी आवश्यकता की पूर्ति अपने संसाधनों और उत्पादों से कर रहा है, बल्कि रक्षा और वैज्ञानिक तकनीक के उत्पादनों में भी निर्यातक देश बन गया है। यह सब संभव हुआ है प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन और परिकल्पना के प्रति समाज के विश्वास और सहयोग के कारण। समाज के सभी वर्गों ने श्री मोदी जी की विकास की गारंटी पर विश्वास किया है। इसका स्वरूप अब पूरी दुनिया के सामने है।

रेखा के समीप बसी इस नगरी में विश्व प्रसिद्ध वेधशाला भी है। विश्व विख्यात उज्जयिनी में पहली बार विक्रम व्यापार मेला आयोजित हो रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। हमारे विजयनरी प्रधानमंत्री जी का मानना है, कि 'किसी भी देश की विकास यात्रा में एक ऐसा समय आता है जब सभी परिस्थितियां उसके पक्ष में होती हैं। यह वह समय होता है जब वह देश अपने आपको आने वाली कई सदियों के लिए मजबूत बना लेता है। मैं भारत के लिए आज वही समय देख रहा हूँ। यह समयावधि अभूतपूर्व है।' प्रधानमंत्री जी की यह दृष्टि भारत के भविष्य निर्माण का एक ऐसा सकारात्मक मार्ग और मार्गदर्शन है जिस पर चलकर देश विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करेगा और विश्व गुरु बनेगा।

मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री जी के विजन अनुरूप आगे बढ़ते हुए अधोसंरचना निर्माण के साथ व्यापार की गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में, प्रदेश में पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शुरू करने की पहल की गई। आने वाले समय में ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, टीकमगढ़ और सागर क्षेत्र में भी इसी प्रकार के आयोजन किये जाएंगे।

मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र की अपनी क्षमता, मेधा और विशेषता है। क्षेत्रवार कॉन्क्लेव के आयोजन प्रदेश के हर क्षेत्र

• डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री में व्यापार की संभावनाओं को व्यापक स्वरूप प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों की प्रगति के गुणात्मक परिणाम प्राप्त होने की संभावनाएं विकसित होंगी। क्षेत्रवार उद्योगों की स्थापना से जहां व्यापार विस्तारित होगा, वहीं रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मध्यप्रदेश ने सभी सेक्टर के उद्योगों के लिए आधारभूत व्यवस्था कर उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार नीतियां विकसित की हैं। प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की भावना को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक अभ्युदय का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में, देश के पहले और अनूठे वीर भारत संग्रहालय के निर्माण का उज्जैन में शिलान्यास किया गया। वीर भारत संग्रहालय में पूर्व वैदिक, उत्तर वैदिक, रामायण-महाभारत काल, विक्रमादित्य युग, मध्य युग, पराधीनता के विरुद्ध सिंहाद करते हुए भारत की सुदीर्घ परंपरा में तेजस्वी नायकों, दार्शनिकों, मंत्रदृष्टाओं, ऋषियों, संतों, मनीषियों, चिंतकों, कवि-लेखकों, कलाकारों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों के अनुपम योगदान को रेखांकित किया जाएगा। मुझे

यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में गुड़ी पड़वा एवं उज्जैन गौरव दिवस के अवसर पर हम शिवज्योति अर्पण कार्यक्रम आयोजित करने जा रहे हैं। इसमें लगभग 27 लाख दीप प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया जायेगा। निश्चित ही सरकार और समाज का यह साझा आयोजन हम सभी को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मार्गदर्शन, उनकी विजयनरी लीडरशिप और सदैव उनका साथ हमें नवाचारों की प्रेरणा तथा निर्माण का संबल प्रदान कर रहा है। उनके प्रोत्साहन से आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की इन श्रृंखलाओं से प्रदेश में जो बदलाव आयेगा उससे औद्योगीकरण और तकनीकी विकास के साथ युवाओं को रोजगार, स्व-रोजगार के अवसर तो मिलेंगे ही, साथ ही प्रदेश के विकास में प्रतिमान भी स्थापित होंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इससे मध्यप्रदेश की प्रगति और समृद्धि की नई आधारशिला निर्मित होगी।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के परिणामों को लेकर मैं, प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ यह अपेक्षा करता हूँ कि देश का हृदय प्रांत मध्यप्रदेश, निरंतर नवाचारों से विकास का हृदय स्थल बनेगा और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा कर विकसित भारत निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



भारतीय नौसेना

जनवरी, 2025 (एसटी 25) पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रविष्टियों के लिए शॉर्ट सर्विस
कमीशन अधिकारियों के लिए आवेदन आमंत्रित



ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि- 24 फरवरी, 2024

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि - 10 मार्च, 2024

1. भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) एडिमाला, केरल में जनवरी 2025 से शुरू होने वाले पाठ्यक्रम शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के अनुदान के लिए पात्र अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीयता की शर्तों को पूरा करना होगा।

पात्रता शर्तें

2. शैक्षणिक योग्यता.

क्र.सं.	शाखा/संवर्ग	अभियांत्रिकी स्नातक/प्रौद्योगिकी स्नातक एवं इसी स्टीम की अन्य मान्य योग्यताएं	रिक्त पद	लिंग	जन्म निम्नलिखित तिथि के मध्य (दोनों तिथि समेत)
कार्यकारी शाखा					
ए	सामान्य सेवा [जीएस(एक्स)]	न्यूनतम 60% अंकों के साथ किसी भी विषय में बीई/बीटेक.	50	पुरुष एवं महिला (महिलाओं के लिए अधिकतम 15 रिक्तियां)	02 जनवरी, 2000 से 01 जुलाई, 2005 *
बी	पायलट	न्यूनतम 60% अंकों के साथ किसी भी विषय में बीई/बीटेक. (उम्मीदवार के पास दसवीं और बारहवीं कक्षा में कुल 60% अंक और दसवीं या बारहवीं कक्षा में अंग्रेजी में न्यूनतम 60% अंक होने चाहिए).	20	पुरुष एवं महिला (महिलाओं के लिए अधिकतम 06 रिक्तियां)	02 जनवरी, 2001 से 01 जनवरी, 2006 **
सी	नौसेना वायु संचालन अधिकारी (NAOO)		18	पुरुष एवं महिला (महिलाओं के लिए अधिकतम 05 रिक्तियां)	02 जनवरी, 2001 से 01 जनवरी, 2006
डी	वायुयान नियंत्रक (ATC)		08	पुरुष और महिलाएं	02 जनवरी, 2000 से 01 जनवरी, 2004
ई	रसद	(i) प्रथम श्रेणी के साथ किसी भी विषय में बीई/बी.टेक. (ii) प्रथम श्रेणी के साथ एमबीए, या (iii) बी.एससी/बी.कॉम/बी.एससी. (आईटी) प्रथम श्रेणी के साथ वित्त/लॉजिस्टिक्स/आपूर्ति शृंखला में पीजी डिप्लोमा प्रबंधन/सामग्री प्रबंधन, या (iv) प्रथम श्रेणी के साथ एमसीए/एमएससी (आईटी).	30	पुरुष एवं महिला (महिलाओं के लिए अधिकतम 09 रिक्तियां)	02 जनवरी, 2000 से 01 जुलाई, 2005
एफ	नौसेना आयुद्ध निरीक्षणालय केंद्र (NAIC)	ऑटोमेशन/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रॉनिक्स/माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रूमेंटेशन/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशन/इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल /कंट्रोल इंजीनियरिंग/प्रोडक्शन/इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के साथ मैकेनिकल/मैकेनिकल में न्यूनतम 60% अंकों के साथ बीई/बीटेक /औद्योगिक इंजीनियरिंग /एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन/ सूचना प्रौद्योगिकी /कंप्यूटर विज्ञान /कंप्यूटर इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर अनुप्रयोग /धातुकर्म /धातुकर्म/रसायन/ सामग्री विज्ञान /एयरो स्पेस /एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स /भौतिकी में स्नातकोत्तर डिग्री. उम्मीदवार के पास दसवीं और बारहवीं कक्षा में कुल 60% अंक और दसवीं या बारहवीं कक्षा में अंग्रेजी में न्यूनतम 60% अंक होने चाहिए.	10	पुरुष और महिलाएं	02 जनवरी, 2000 से 01 जुलाई, 2005
शिक्षा शाखा					
जी	शिक्षा	(i) एम.एससी. में 60% अंक. (गणित/ऑपरेशनल रिसर्च) बीएससी में भौतिकी के साथ.	06	पुरुष और महिलाएं	02 जनवरी, 2000 से 01 जनवरी, 2004
		(ii) एम.एससी. में 60% अंक. (भौतिकी/अनुप्रयुक्त भौतिकी) बीएससी में गणित के साथ.			
		(iii) एम.एससी. में 60% अंक. बीएससी में फिजिक्स के साथ केमिस्ट्री.			
		(iv) मैकेनिकल इंजीनियरिंग में न्यूनतम 60% अंकों के साथ बीई/बी.टेक.			02 जनवरी, 2000 से 01 जनवरी, 2004
		(v) न्यूनतम 60% अंकों के साथ बीई/बी.टेक (इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग)	12		02 जनवरी, 1998 से 01 जनवरी, 2004
		(vi) निम्नलिखित में से किसी भी विषय में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से एमटेक में 60% अंक:- (ए) थर्मल/प्रोडक्शन इंजीनियरिंग/मशीन डिजाइन में एमटेक. (बी) संचार प्रणाली इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग /वीएलएसआई /पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में एमटेक.			
		नोट: शिक्षा प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को दसवीं और बारहवीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक होने चाहिए और दसवीं या बारहवीं कक्षा में अंग्रेजी में भी न्यूनतम 60% अंक होने चाहिए.			
तकनीकी शाखा					
एच	इंजीनियरिंग शाखा [सामान्य सेवा (जीएस)]	(i) ऑटोमेशन के साथ मैकेनिकल/मैकेनिकल (ii) मरीन (iii) इंस्ट्रूमेंटेशन (iv) प्रोडक्शन (v) एयरोनॉटिकल (vi) इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (vii) कंट्रोल इंजीनियरिंग (viii) एयरो स्पेस (ix) ऑटोमोबाइल (x) धातुकर्म (xi) मेकट्रॉनिक्स (xii) इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण में न्यूनतम 60% अंकों के साथ बीई/बीटेक	30	पुरुष एवं महिला (महिलाओं के लिए अधिकतम 09 रिक्तियां)	02 जनवरी, 2000 से 01 जुलाई, 2005 *
आई	विद्युत शाखा [सामान्य (जीएस)] सेवा	(i) इलेक्ट्रिकल (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स (iii) इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स (iv) इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन (v) इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशन (vi) टेली कम्युनिकेशन (vii) एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन (एईसी) (viii) इंस्ट्रूमेंटेशन (ix) इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (x) इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल (xi) एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (xii) पावर इंजीनियरिंग (xiii) पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में न्यूनतम 60% अंकों के साथ बीई/बीटेक.	50	पुरुष एवं महिला (महिलाओं के लिए अधिकतम 15 रिक्तियां)	02 जनवरी, 2000 से 01 जुलाई, 2005
के	नौसेना निर्माता	(i) मैकेनिकल/ऑटोमेशन के साथ मैकेनिकल (ii) सिविल (iii) एयरोनॉटिकल (iv) एयरो स्पेस (v) मेटलर्जी (vi) नेवल आर्किटेक्चर (vii) ओशन इंजीनियरिंग (viii) मरीन इंजीनियरिंग (ix) जहाज प्रौद्योगिकी (x) जहाज निर्माण (xi) जहाज डिजाइन में न्यूनतम 60% अंकों के साथ बीई/बी.टेक.	20	पुरुषों और महिलाओं	02 जनवरी, 2000 से 01 जुलाई, 2005

नोट (1)

(ए) पैरा 2 में उल्लिखित रिक्तियां अस्थायी हैं और प्रशिक्षण स्लॉट की उपलब्धता के आधार पर इन्हें बदला जा सकता है.

(बी) *मचेंट नेवी कर्मचारी.

- (i) जिन अभ्यर्थियों के पास भारत सरकार, जहाजगरी एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा सेकेंड मेट, मेट या मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र (विदेश जाने वाला) है और जिनका जन्म 02 जनवरी, 1995 से 01 जुलाई, 2005 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ है, वे प्रवेश (सामान्य सेवा) पैरा 2(ए) में बताई गई शर्तों के अनुसार कार्यकारी शाखा के लिए आवेदन कर सकते हैं.
- (ii) जिन उम्मीदवारों के पास भारत सरकार, जहाजगरी और परिवहन मंत्रालय द्वारा स्टीमशिप के प्रथम श्रेणी इंजीनियर के रूप में योग्यता का प्रमाण पत्र है और जिनका जन्म 02 जनवरी, 1995 से 01 जुलाई, 2005 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ है, वे पैरा 2(एच) में बताई गई शर्तों के अनुसार तकनीकी शाखा प्रविष्टि (एसएससी इंजीनियरिंग) के लिए आवेदन कर सकते हैं.
- (सी) *कर्मचारीयल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) धारक, जिन उम्मीदवारों के पास डीजीसीए (भारत) द्वारा जारी वैध सीपीएल है और जिनका जन्म 02 जनवरी, 2000 से 01 जनवरी, 2006 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ है, वे पैरा 2 (बी) में बताए गए पात्रता मानदंडों के अनुसार पायलट प्रविष्टि के लिए आवेदन कर सकते हैं.
- (डी) एनसीसी उम्मीदवार एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र धारकों को निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करने के अधीन एसएसबी के लिए शॉर्टलिस्टिंग के लिए कट ऑफ अंकों में 5% की छूट दी जाएगी:-
- (i) न्यूनतम 'बी' ग्रेड के साथ नौसेना/सेना/एयर विंग का एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र होना.
- (ii) एनसीसी के सीनियर डिजीवन, नेवल/आर्मी/एयर विंग में दो शैक्षणिक वर्षों से कम सेवा नहीं की हो.
- (iii) 'सी' प्रमाणपत्र 01 जनवरी, 2022 से पहले का नहीं होना चाहिए.

नोट 2. अंतिम चयन इसकी वैधता के लिए डीजीएनसीसी/संबंधित एनसीसी इकाई द्वारा प्रमाण पत्र के सत्यापन के अधीन होगा. झूठी घोषणा, गलत सूचना, जानकारी छिपाने के मामले में चयन/प्रशिक्षण/पोस्ट कमीशनिंग के किसी भी चरण में व्यक्ति की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

कौन आवेदन कर सकता है

- उम्मीदवार, जिन्होंने कुल मिलाकर न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष सीजीपीए के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर या अंतिम वर्ष में प्रवेश किया है.
- उपरोक्त के लिए विश्वविद्यालय को भारत में केंद्रीय या राज्य विधानमंडल के एक अधिनियम या संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शामिल किया जाना चाहिए या यूजीसी अधिनियम 1956 के तहत आईआईटी अधिनियम, 1961; एआईसीटीई अधिनियम, 1987; एनआईटीएसईआर अधिनियम, 2007; आईआईआईटी अधिनियम, 2014 विश्वविद्यालयों/स्वायत्त विश्वविद्यालयों के रूप में समझा जाना चाहिए.

- या**
- जिन उम्मीदवारों ने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान से कुल मिलाकर 60% अंकों या समकक्ष सीजीपीए/सिस्टम के साथ इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है.
 - विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान को इस उद्देश्य के लिए भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए या एआईयू, अधिनियम 1973 के तहत स्थापित एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज से इंजीनियरिंग डिग्री/समकक्ष प्रमाण पत्र, आवेदन कर सकते हैं.

नोट 3

- (ए) उम्मीदवार को 20 दिसंबर, 24 तक आईएनए में शामिल होने से पहले उपरोक्त निर्धारित शैक्षणिक योग्यता पूरी करनी होगी.
- (बी) निर्धारित शैक्षणिक मानदंडों को पूरा करने में विफल रहने वाले उम्मीदवार को आईएनए, एडमिशन में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी.
- (सी) सभी एसएसबी अनुश्रुति उम्मीदवारों को 20 दिसंबर, 24 से पहले ईमेल आईडी officer@navy.gov.in पर भारतीय नौसेना को संबंधित डिग्री के अपने अंतिम परिणाम की सूचना देनी होगी.

नोट (4):-

- (ए) एक उम्मीदवार द्वारा केवल एक ही आवेदन भरा जा सकता है.
- (बी) सेवा आवश्यकता के आधार पर निर्दिष्ट संख्या में उम्मीदवार, जिन्होंने एसएससी (पायलट) प्रविष्टि को चुना है, उन्हें एसएसबी/सीपीएसएस/विमानन चिकित्सा परीक्षा के लिए विचार किया जाएगा और उन्हें इस प्रविष्टि के लिए शारीरिक/चिकित्सा मानकों (ऊंचाई, पैर की लंबाई आदि) की जांच करने की सलाह दी जाएगी. इस विकल्प को चुनने से पहले, शेष उम्मीदवारों पर उनके द्वारा चुनी गई अन्य प्राथमिकताओं पर विचार किया जाएगा.
- (सी) यदि उम्मीदवार उन शाखाओं/संवर्गों के लिए विचार करना चाहते हैं, तो उन्हें अन्य शाखाओं/संवर्गों के लिए भी अपनी प्राथमिकता बतानी होगी.
- (डी) जिन शाखाओं/संवर्गों का उन्होंने चयन नहीं किया है, उनके लिए उम्मीदवारों पर विचार नहीं किया जाएगा.
- (ई) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी प्राथमिकता बताने से पहले, लागू चिकित्सा मानकों के संबंध में शाखाओं/संवर्गों के लिए अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें.
- (एफ) उपरोक्त पैरा 2 (एफ), (जी), (एच), (जे) और (के) में उल्लेखित के अलावा बीई/बी.टेक योग्यता की कोई भी समकक्ष स्ट्रीम, किसी भी समय या चयन प्रक्रिया किसी भी चरण के लिए मान्य नहीं मानी जाएगी.
4. चिकित्सा मानक/ऊंचाई और वजन में छूट/टैटू इससे संबंधित जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.joinindiannavy.gov.in पर जाएं. एसएसबी अनुश्रुति उम्मीदवारों को उनके प्रवेश के लिए लागू चिकित्सा परीक्षा से गुजरना आवश्यक है. किसी भी परिस्थिति में चिकित्सा अस्पताल/केंद्र में परिवर्तन की अनुमति नहीं है.
5. अयोग्यता का कार्यकाल- चयनित उम्मीदवारों को सेवा की आवश्यकता, प्रदर्शन, चिकित्सा पात्रता और उम्मीदवारों की इच्छा के अधीन, शुरू में 10 वर्षों के लिए शॉर्ट सर्विस कमीशन दिया जाएगा, जिसे 02 अवधियों (02 वर्ष + 02 वर्ष) में अधिकतम 04 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है.
6. चयन प्रक्रिया- चयन प्रक्रिया इस प्रकार है:-

- (ए) आवेदन की शॉर्टलिस्टिंग योग्यता डिग्री में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त सामान्यीकृत अंकों के आधार पर होगी. योग्यता डिग्री में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंक के जरिए जॉइन इंडियन नेवी वेबसाइट (यूआरएल: <https://www.joinindiannavy.gov.in/files/normalisation.pdf>) में उल्लिखित फॉर्मूला का उपयोग करके तैयार किया जाता है.
- (बी) बीई/बी.टेक उन उम्मीदवारों के लिए, जिन्होंने बीई/बी.टेक पूरा कर लिया है या अंतिम वर्ष में हैं, पांचवें सेमेस्टर तक प्राप्त अंकों को एसएसबी शॉर्टलिस्टिंग के लिए आधार माना जाएगा.
- (सी) स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम, जिन उम्मीदवारों ने एमएससी, एमपीए, एमपीए, एमपीए पूरा कर लिया है, उनके लिए सभी सेमेस्टर में प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा. जो उम्मीदवार अंतिम वर्ष में हैं, उनके लिए शॉर्टलिस्टिंग अंतिम वर्ष से पहले के प्रदर्शन के आधार पर की जाएगी.
- (डी) अंतिम मैरिट सूची में चयनित उम्मीदवारों को ईमेल आईडी officer@navy.gov.in पते पर एक ईमेल भेजकर न्यूनतम 60% अंकों के साथ योग्यता डिग्री पूरी करने का प्रमाण जमा करना होगा. मानदंडों को पूरा करने में विफल रहने वाले उम्मीदवारों को अकादमी में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी.
- (ई) शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एसएसबी साक्षात्कार के लिए उनके चयन के बारे में ई-मेल या एसएमएस (उम्मीदवारों द्वारा उनके आवेदन पत्र में दिए गए) के माध्यम से सूचित किया जाएगा. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे चयन प्रक्रिया समाप्त होने तक अपना ई-मेल/मोबाइल नंबर न बदलें और समय-समय पर अपने इनबॉक्स और स्पैम फोल्डर की जांच करते रहें.
- (एफ) किसी भी परिस्थिति में साक्षात्कार के लिए एसएसबी केंद्र में बदलाव की अनुमति नहीं है.
- (जी) एसएसबी तिथियों में बदलाव के संबंध में कोई भी पात्राचार बुलावा पत्र प्राप्त होने पर संबंधित एसएसबी के कॉल अप अधिकारी को संबंधित डिग्री जाना चाहिए. उम्मीदवारों को एनएचक्यू/डीएमपीआर से एसएमएस/ईमेल पर सूचना प्राप्त होने पर कॉल अप लेटर डाउनलोड करना होगा (उम्मीदवारों द्वारा उनके आवेदन में प्रदान किया गया है).
- (एच) एसएसबी साक्षात्कार के दौरान परीक्षण के परिणामस्वरूप लगी किसी भी चोट के मामले में कोई मुआवजा स्वीकार्य नहीं है.
- (जे) एसएसबी के लिए आवेदन करते समय पास बुक या चेक लीफ, जहां नाम, खाता नंबर और आईएफएससी विवरण का उल्लेख किया गया है, अभ्यर्थियों को उसके प्रथम पृष्ठ की फोटोकॉपी लानी होगी. विशेष प्रकार के कमीशन के लिए पहली बार उपस्थित होने पर एसएसबी साक्षात्कार के लिए एससी 3 डिस्क रेल किया स्वीकार्य है.
- (के) एसएसबी प्रक्रिया का विवरण भारतीय नौसेना की वेबसाइट www.joinindiannavy.gov.in पर उपलब्ध है.
7. मैरिट सूची-संबंधित प्रविष्टि के लिए रिक्तियों की उपलब्धता और चिकित्सा मंजूरी के अनुसार सभी प्रविष्टियों के लिए एसएसबी अंकों के आधार पर मैरिट सूची तैयार की जाएगी. चिकित्सा परीक्षण में फिट घोषित उम्मीदवारों को प्रवेश में रिक्तियों की उपलब्धता के अनुसार नियुक्त किया जाएगा.

8. प्रशिक्षण

- (ए) रिपोर्टिंग के बाद आईएनए में इंडक्शन मेडिकल परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर उम्मीदवारों को सब-लेफ्टिनेंट के पद पर शामिल किया जाएगा.
- (बी) केवल अविवाहित उम्मीदवार ही प्रशिक्षण के लिए पात्र हैं. कोई भी उम्मीदवार, जो विवाहित पाया जाता है या प्रशिक्षण के दौरान शादी करता है, उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा और इसके लिए वह उत्तरदायी होगा. उसके द्वारा लिया गया पूरा वेतन और भत्ते और सरकार द्वारा उम्मीदवार पर किए गए अन्य खर्च वापस करने होंगे.
- (सी) यदि अधिकारी स्वेच्छ से प्रारंभिक प्रशिक्षण से हट जाता है या परिवीक्षा अवधि के दौरान इस्तीफा दे देता है, तो उसे प्रशिक्षण की लागत पूरी तरह या आंशिक रूप से वापस करने की आवश्यकता होगी, जैसा कि सरकार द्वारा निर्धारित किया जा सकता है और उसे सरकार से वेतन और भत्ते के रूप में प्राप्त सारा पैसा, उक्त धन पर ब्याज की गणना सरकारी ऋणों के लिए लागू दर पर की जाती है.
- (डी) जो उम्मीदवार उद्भन प्रशिक्षण (पायलट/एनएओओ) उत्तीर्ण करने में विफल रहेंगे, उन्हें सेवा में बरकरार नहीं रखा जाएगा.
9. परिवीक्षा अवधि- एसएससी (एनएआईसी) अधिकारियों के लिए परिवीक्षा अवधि तीन वर्ष है और अन्य शाखाओं/संवर्गों के अधिकारियों के लिए दो वर्ष है. परिवीक्षा अवधि सब-लेफ्टिनेंट के पद के अनुदान की तारीख से शुरू होगी और एसएससी (एनएआईसी) के लिए तीन साल और अन्य शाखाओं/संवर्गों के लिए दो साल या प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा होने पर (जो भी बाद में हो) समाप्त हो जाएगी. परिवीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर असंतोषजनक प्रदर्शन के मामले में अधिकारियों को बर्खास्त किया जा सकता है.
10. वेतन और भत्ते/समूह बीमा और ग्रेजुएट/अवकाश पात्रता/अधिकारियों के कर्तव्य- एसएलटी का मूल वेतन 56100/- रुपये लागू अन्य भत्ते सहित शुरू होता है. अधिक जानकारी भारतीय नौसेना की वेबसाइट www.joinindiannavy.gov.in पर उपलब्ध है.

11. आवेदन कैसे करें- उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना की वेबसाइट www.joinindiannavy.gov.in पर पंजीकरण करना होगा और आवेदन भरना होगा. आवेदन जमा करने की विंडो के दौरान समय बचाने के लिए, उम्मीदवार अपना विवरण पहले से भर सकते हैं और दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं. आवेदन ऑनलाइन जमा करने की प्रक्रिया इस प्रकार है:-

- (ए) ई-आवेदन भरते समय, निम्नलिखित को सक्षम करने के लिए प्रासंगिक दस्तावेजों को आसानी से उपलब्ध रखने की सलाह दी जाती है:-
- (i) व्यक्तिगत विवरण सही ढंग से भरना. विवरण मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र में दी गई जानकारी के अनुसार भरा जाना है.
- (ii) ई-मेल पता, मोबाइल नंबर जैसी कॉलम अनिवार्य हैं और इन्हें भरना आवश्यक है.
- (बी) सभी प्रासंगिक दस्तावेज (अधिमार्त: मूल रूप में), नियमित और एकीकृत बीई/बी.टेक पाठ्यक्रमों के लिए क्रमशः 5वें और 7वें सेमेस्टर तक की अंक तालिकाएं और अन्य डिग्री परीक्षा के लिए सभी सेमेस्टर, जन्म प्रमाण की तारीख (10वीं और 12वीं प्रमाणपत्र के अनुसार), बीई/बी.टेक के लिए सीजीपी, रूपांतरण फॉर्मूला, भारत सरकार, शिपिंग और परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी मचेंट नेवी प्रमाणपत्र, राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा जारी एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र और हाल ही में पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटोग्राफ मूल जेपीजी में स्कैन किया जाना चाहिए. आवेदन भरते समय इसे संलग्न करने के लिए टीआईएफएफ प्रारूप प्रयोग करें.
- (सी) यदि कोई स्कैन किया गया दस्तावेज किसी भी कारण से सुपाठ्य/पठनीय नहीं है, तो आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा. उम्मीदवारों को आवेदन का प्रिंट आउट लेना होगा और एसएसबी साक्षात्कार के लिए उपस्थित होते समय इसे अपने साथ रखना होगा.
- (डी) एक बार जमा किया गया आवेदन अंतिम होगा और संशोधन/परिवर्तन के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.

नोट (5): आपका आवेदन बाद की जांच के अधीन है और किसी भी समय अयोग्य/अमान्य पाए जाने पर आवेदन खारिज किया जा सकता है.



नोट: ऑनलाइन आवेदन करने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें.

भारतीय वायु सेना

भारतीय/गोरखा (नेपाल का नागरिक) पुरुष उम्मीदवारों को लाल परेड ग्राउंड, भोपाल, मध्य प्रदेश में भारतीय वायुसेना में ग्रुप 'वाई' (गैर-तकनीकी) मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड में वायुसैनिक के रूप में शामिल होने के लिए 28 मार्च, 2024 से 05 अप्रैल, 2024 तक भर्ती रैली में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

वायुसैनिकों के लिए प्रवेश 01/2024

सावधानी

भारतीय वायुसेना में 'निष्पक्ष एवं पारदर्शी' और केवल योग्यता के आधार पर चयन होता है। भारतीय वायुसेना में चयन या भर्ती के लिए किसी भी स्तर पर किसी को रिश्ता देने की आवश्यकता नहीं है। अर्थर्थियों को भर्ती/चयन एजेंट के रूप में प्रस्तुत बेईमान व्यक्तियों के झांसे में नहीं आना चाहिए।

- भारतीय वायु सेना मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव, लक्षद्वीप और दादर और नगर हवेली राज्यों के पुरुष भारतीय/गोरखा (नेपाल का नागरिक) नागरिकों को भारतीय वायुसेना में ग्रुप 'वाई' में एयरमैन, मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड में शामिल होने के अवसर प्रदान करती है। भर्ती परीक्षा नीचे दिए गए चयन कार्यक्रम के अनुसार लाल परेड ग्राउंड, भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित की जाएगी :-

तारीख	ग्रुप/ट्रेड	कार्यक्रम	शामिल किए गए जिले
28 मार्च, 2024 से 29 मार्च, 2024 रिपोर्टिंग की तारीख : 28 मार्च, 2024	समूह 'वाई' / चिकित्सा सहायक	शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण, लिखित परीक्षा, अनुकूलनशीलता परीक्षण-II और चिकित्सा नियुक्तियां	मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिले
31 मार्च, 2024 से 01 अप्रैल, 2024 रिपोर्टिंग की तारीख : 31 मार्च, 2024	समूह 'वाई' / चिकित्सा सहायक	शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण, लिखित परीक्षा, अनुकूलनशीलता परीक्षण-II और चिकित्सा नियुक्तियां	गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव, लक्षद्वीप और दादर और नगर हवेली के केंद्रशासित प्रदेशों के सभी जिले
03 अप्रैल, 2024 से 04 अप्रैल, 2024 रिपोर्टिंग की तारीख : 03 अप्रैल, 2024	समूह 'वाई' / चिकित्सा सहायक (फार्मसी में डिप्लोमा धारक/बी.एससी अर्थर्थियों के लिए)	शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण, लिखित परीक्षा, अनुकूलनशीलता परीक्षण-II और चिकित्सा नियुक्तियां	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव, लक्षद्वीप और दादर और नगर हवेली के केंद्रशासित प्रदेशों के सभी जिले

- भर्ती परीक्षा ऊपर दिए गए विवरण के अनुसार सुबह 6 बजे से आयोजित की जाएगी। केवल अधिवास संबंधी आवश्यकताओं (पैरा 1 में उल्लिखित) और पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले उम्मीदवार, 28 मार्च, 2024, 31 मार्च, 2024 और 03 अप्रैल, 2024 को सुबह 10 बजे (कट-ऑफ समय) तक लाल परेड ग्राउंड, भोपाल, मध्य प्रदेश (रैली स्थल) पर रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवारों को भर्ती परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।

ध्यान दें : उम्मीदवारों को बिना किसी असफलता के निर्धारित तिथि/समय पर निर्दिष्ट रैली स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। उन्हें अपने स्थानांतरण की योजना बनाते समय ट्रेनों के देर से चलने सहित किसी भी आकस्मिकता का ध्यान रखना होगा।

चयन परीक्षा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/पायलटों/नेविगेटरों के रूप में चयन के लिए नहीं है।

पात्रता मापदंड :

3. वैवाहिक स्थिति एवं जन्मतिथि ब्लॉक

- मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड : उम्मीदवार अविवाहित होना चाहिए और उसका जन्म 24 जून, 2003 से 24 जून, 2007 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच होना चाहिए।
- मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड (फार्मसी में डिप्लोमा / बीएससी.) : अविवाहित उम्मीदवार का जन्म 24 जून, 2000 और 24 जून, 2005 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच होना चाहिए। विवाहित उम्मीदवार का जन्म 24 जून, 2000 और 24 जून, 2003 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच होना चाहिए।

4. शैक्षणिक योग्यता :

- उम्मीदवार को केंद्रीय, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों से कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और अंग्रेजी के साथ 10+2 / इंटरमीडिएट / समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

या

- केंद्रीय, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों से गैर-व्यावसायिक विषयों यानी भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी के साथ दो साल का व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होना चाहिए, जिसमें कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक हों।
- फार्मसी में डिप्लोमा / बीएससी के साथ उम्मीदवार : उम्मीदवार को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और अंग्रेजी के साथ इंटरमीडिएट/10+2/समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। इसके अलावा, नामांकन के समय राज्य फार्मसी काउंसिल या फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) से वैध पंजीकरण के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ फार्मसी में डिप्लोमा / बीएससी अनिवार्य आवश्यकता होगी।

नोट-1 : केवल केंद्र, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्ड (10+2 या समकक्ष के लिए) को ही अनुमति दी जाएगी।

नोट-2 : फार्मसी में 10+2/इंटरमीडिएट/समकक्ष/डिप्लोमा/बीएससी की अंक तालिका में दशमलव से पहले अंकों का सटीक कुल प्रतिशत या संबंधित शिक्षा बोर्ड के नियमों के अनुसार गणना की गई गणना पर ही विचार किया जाएगा (उदाहरण के लिए 49.99 प्रतिशत को 49 प्रतिशत के रूप में लिया होगा)। इसे पूर्णांकित रूप से 50 प्रतिशत नहीं माना जाएगा।

- अधिवास संबंधी आवश्यकता : लाल परेड ग्राउंड, भोपाल, मध्य प्रदेश में भर्ती रैली में उपस्थित होने के लिए पात्र होने के लिए उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना होगा :-

(ए) वह कॉलेज/संस्थान, जहां से उम्मीदवारों ने अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है, पैरा 1 में उल्लिखित राज्यों के जिलों की भौगोलिक/प्रशासनिक सीमा के भीतर होना चाहिए। यदि राज्य/जिले का नाम संस्थान के नाम के साथ उल्लिखित नहीं है, योग्यता परीक्षा का प्रमाणपत्र / अंक पत्र, उम्मीदवार को राजस्व विभाग के किसी राजपत्रित

अधिकारी या विशेष राज्य की राज्य सरकार द्वारा अधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा जारी 'अधिवास प्रमाणपत्र' प्रस्तुत करना होगा।

(बी) पैरा 1 में उल्लिखित राज्यों के जिलों का स्थायी अधिवास जिसने भारत में कहीं से भी योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की है, उसे उपरोक्त उप-पैराग्राफ 5 (ए) में दिए गए उचित प्राधिकारी से परीक्षा शुरू होने से पहले अधिवास प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

(सी) सेवारत वायु सेना कर्मियों के पुत्र [अधिकारी/एयरमैन/एनसी (ई) और रक्षा अनुमान से भुगतान किए गए यूनिट कैड के नागरिक], जिनके पिता/माता वर्तमान में राज्यों के जिलों में स्थित किसी भी वायु सेना इकाई/किसी अन्य संगठन में सेवारत हैं, पैरा 1 में उल्लिखित उनकी अधिवास स्थिति की परवाह किए बिना, नवीनतम एसओएफपी (वायु सेना कार्मिक का पुत्र) प्रमाणपत्र (www.airmenselection.cdac.in पर उपलब्ध प्रारूप) प्रस्तुत करने की शर्त पर रैली में उपस्थित होने की अनुमति दी जाएगी।

(डी) वायु सेना कर्मियों [अधिकारी / एयरमैन / एनसी (ई) और यूनिट कैड के नागरिक, जिन्हें रक्षा अनुमान से भुगतान किया जाता है] के पुत्र, जिनके पिता / माता सेवानिवृत्त / छुट्टी / मृत हैं और वे पैरा 1 में उल्लिखित राज्यों के जिलों में रह रहे हैं। सर्विस बुक/डिस्चार्ज बुक/कैनुअल्टी सर्विस सर्टिफिकेट/सर्विस पर्टिकुलर सर्टिफिकेट (डीपीओ-3/डीएवी से जारी, जैसा लागू हो) की मूल और फोटोकॉपी के साथ अधिकारियों/एयरमैन/एनसी (ई) के मामले में और ओआईसी सिविल एडमिन द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एक प्रमाणपत्र और सिविलियन के मामले में अंतिम सेवा इकाई के सीओ/सी एडमिन ओ द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित न्यूनतम एक वर्ष के प्रवास का प्रमाण प्रस्तुत करने पर रैली में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।

- अनिवार्य चिकित्सा मानक, सामान्य चिकित्सा मानक इस प्रकार हैं :-

ए) ऊंचाई: न्यूनतम स्वीकार्य ऊंचाई 152.5 सेमी है।

(बी) छाती : छाती अच्छी तरह से अनुपातिक और अच्छी तरह से विकसित होनी चाहिए और न्यूनतम विस्तार सीमा 5 सेमी होनी चाहिए।

(सी) वजन. भारतीय वायु सेवा के लिए लागू ऊंचाई और उम्र के अनुपात में।

(डी) श्रवण क्षमता. उम्मीदवार को सुनने की क्षमता सामान्य होनी चाहिए यानी प्रत्येक कान से 6 मीटर की दूरी से अलग-अलग फुसफुसाहट सुनने में सक्षम होना चाहिए।

(ई) दंत चिकित्सा. स्वस्थ मसूड़े, दांतों का अच्छा सेट और न्यूनतम 14 डेंटल पॉइंट होने चाहिए।

(एफ) दृश्य मानक. दृष्टि संबंधी आवश्यकताएं इस प्रकार हैं :-

ट्रेड	दृश्य तीक्ष्णता	अपवर्तक दृष्टि की अधिकतम सीमा	रंग दृष्टि
मेडिकल असिस्टेंट	प्रत्येक आंख 6/36, प्रत्येक आंख 6/9 तक सुधार योग्य	दृष्टिवैषम्य सहित ± 3.50 डी से अधिक नहीं	सीपी-III

(जी) कॉर्नियल सर्जरी (लेसिक/आर्के/पीआर्के) स्वीकार्य नहीं है।

ध्यान दें : अर्थर्थियों को नवीनतम नुस्खे (01 महीने से अधिक पुराना नहीं) और सही दृष्टि के लिए चरमा लाना चाहिए, यदि उपयोग किया जाता है। नुस्खे पर नेत्र रोग विशेषज्ञ का डायोप्टर माप, नाम, हस्ताक्षर, मोहर और पंजीकरण संख्या अंकित होनी चाहिए और नुस्खे की तारीख चिकित्सा परीक्षण के लिए उपस्थित होने से एक महीने पहले की होनी चाहिए।

(एच) सामान्य स्वास्थ्य : अर्थर्थी की शारीरिक रचना बिना किसी उपांग की क्षति के सामान्य होनी चाहिए। उम्मीदवार किसी भी सक्रिय या अत्यंत, तीव्र या पुरानी, चिकित्सा या शल्य चिकित्सा दिव्यांगता या संक्रामक रोगों/संक्रमण और त्वचा रोगों से मुक्त होना चाहिए। दुनिया के किसी भी हिस्से, किसी भी जलवायु और इलाके में इयूटी करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होना चाहिए।

- नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) का सेवन : एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत प्रतिबंधित नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों का सेवन भारतीय वायुसेना में चयन के लिए अस्वीकार्य मानदंड होगा और नामांकन के बाद ऐसी दवाओं और पदार्थों को अपने पास रखने या भंडारण करने या वितरित करने या उपभोग करने वाले वायुसैनिक अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे, जिसमें बर्खास्तगी भी शामिल है। भारतीय वायुसेना में शराब और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति का पालन किया जाता है।

- शारीरिक टैटू : शरीर पर स्थायी टैटू की अनुमति नहीं है। हालांकि, केवल अगली भुजाओं के अंदरूनी चेहरे (कोहनी से कलाई के अंदर), हाथ के पीछे (पृष्ठिय) भाग/थ्येली के पिछले हिस्से पर टैटू और आदिवासियों के टैटू पर विचार किया जा सकता है, जो उनकी जनजातियों के रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार हों। शरीर पर स्थान की परवाह किए बिना आपत्तिजनक, अश्लील, अश्लील, लिंगवादी या नस्लवादी टैटू निषिद्ध हैं। हालांकि, किसी टैटू को स्वीकार्य या अस्वीकार्य मानने का अधिकार होगा।

चयन केंद्र के साथ आमरा करें। शरीर पर स्थायी टैटू वाले उम्मीदवारों को टैटू के आकार और प्रकार के विवरण के साथ दो पोस्टकार्ड आकार की तस्वीरें (नजदीक और दूर का दृश्य) जमा करनी होंगी।

- केवल सिख उम्मीदवार, जिनके धर्म में बाल काटने या चेहरे को शेव करने पर प्रतिबंध है, उन्हें बाल बढ़ाने और/या दाढ़ी और मूंछें रखने की अनुमति दी जाएगी। तदनुसार, जो सिख उम्मीदवार निर्धारित विनिर्देश के अनुसार इसे बनाए रखने के इच्छुक हैं, उन्हें दाढ़ी और मूंछें के साथ अपनी तस्वीरें लेनी होंगी।

- भारतीय सेना/भारतीय नौसेना/किसी अन्य सरकारी संगठन से सेवामुक्त किए गए उम्मीदवार भी बिना किसी प्रतिकूल प्रविष्टि के अपनी सेवामुक्ति के अधीन पात्र होंगे। ऐसे उम्मीदवार को रैली स्थल पर घोषित करना होगा कि वह उपरोक्त संगठनों का पूर्व कर्मचारी है और मूल डिस्चार्ज प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। सेवारत व्यक्तियों के मामले में, रैली के समय उनके पास अपने नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) होनी चाहिए। यदि कोई उम्मीदवार नियोजित होने या पूर्व कर्मचारी होने के तथ्य का खुलासा नहीं करता है, तो चयन प्रक्रिया के दौरान किसी भी चरण में उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और यदि रोजगार

हेतु चयनित हो जाता है, तो तथ्य छिपाने के लिए सेवा से उसकी बर्खास्तगी/बर्खास्तगी के लिए उत्तरदायी होगा। किसी भी कारण से भारतीय वायु सेना से बर्खास्त किए गए उम्मीदवार रैली में उपस्थित होने के लिए पात्र नहीं हैं। कदाचार या किसी अनुचित गतिविधि के कारण किसी भी पिछली वायु सेना परीक्षा से स्थायी रूप से वंचित उम्मीदवार रैली में उपस्थित होने के पात्र नहीं हैं। बाद में पाए जाने पर उम्मीदवारी स्वतः ही रद्द कर दी जाएगी।

11. आवश्यक लेखन सामग्री एवं दस्तावेज. अभ्यर्थियों को निम्नलिखित लाना है :-

- (ए) लिखने के लिए एचबी पेंसिल, रोजर, शार्पनर, ग्लू स्टिक, स्टेपलर और काले और नीले बॉल प्वाइंट पेन.
- (बी) बिना सत्यापित दस हालिया (छह महीने से पहले नहीं ली गई) पासपोर्ट आकार की रंगीन तस्वीरें (सिखों को छोड़कर बिना हेड गियर के हल्के पृष्ठभूमि में सामने का चित्र). उम्मीदवार को अपने सीने के सामने एक काली स्लेट रखकर फोटो खींचनी होगी, जिस पर सफेद चॉक से बड़े अक्षरों में अपना नाम और फोटो खींचने की तारीख स्पष्ट रूप से लिखी होगी।
- (सी) मैट्रिक पासिंग सर्टिफिकेट की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटो प्रतियां (जन्म तिथि सत्यापन के लिए आवश्यक)।
- (डी) 10+2/इंटरमीडिएट/बारहवीं या समकक्ष/व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र और मार्कशीट की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी।
- (ई) फार्मसी में बीएससी/डिप्लोमा के उत्तीर्ण प्रमाणपत्र और मार्कशीट की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी, यदि लागू हो।

(एफ) अधिवास प्रमाणपत्र की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी (या) सेवारत वायु सेना कार्मिक के पुत्रों के लिए विधिवत भरे हुए वायु सेना कार्मिक (एसओएफपी) प्रमाणपत्र (एफएनटीडी सीएसबी वेबपेज पर उपलब्ध प्रारूप) की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी (या) ऑफिसर/एयरमैन/एनसी (ई) के मामले में सर्विस बुक/डिस्चार्ज बुक/केजुअल्टी सर्विस सर्टिफिकेट/सर्विस पर्टिकुलर सर्टिफिकेट (डीपीओ-3/डीएवी से जारी, जैसा लागू हो) की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी और एक सर्टिफिकेट सेवानिवृत्त/मृतक/डिस्चार्ज वायु सेना कर्मियों के बेटों के लिए नागरिकों के मामले में, ओआईसी सिविल एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित और अंतिम सेवा इकाई के सीओ/सी एडमिन ओ द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित और न्यूनतम एक वर्ष के प्रवास का प्रमाण।

(जी) वर्तमान में किसी भी सरकारी संगठन में सेवारत उम्मीदवारों के लिए नियोक्ता से मूल एनओसी और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी (यदि लागू हो)।

(एच) भारतीय सेना/भारतीय नौसेना/किसी अन्य सरकारी संगठन से बर्खास्त किए गए उम्मीदवार. डिस्चार्ज सर्टिफिकेट की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी (जैसा कि भारतीय सेना/भारतीय नौसेना/सरकारी संगठन से जारी किया गया हो)।

(जे) एनसीसी 'ए', 'बी' या 'सी' प्रमाणपत्र (यदि लागू हो) की मूल और चार स्व-सत्यापित फोटोकॉपी।

टिप्पणी : किसी भी परिस्थिति में उम्मीदवारों को मूल शैक्षिक अंक पत्र/उत्तीर्ण प्रमाणपत्र और पैराग्राफ 11 में उल्लिखित दस्तावेजों के बिना रैली में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, शैक्षिक अंक पत्र/उत्तीर्ण प्रमाणपत्र की फोटोकॉपी वाले उम्मीदवारों को केवल रैली में उपस्थित होने की अनुमति दी जा सकती है। कॉलेज/संस्थान के प्राचार्य से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर यह प्रमाणित किया जाएगा कि मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र/अंक पत्र कॉलेज/संस्थान के पास जमा है।

(के) शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सहमति प्रपत्र

उम्मीदवारों को रैली स्थल पर 'सहमति प्रपत्र' (नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार) लाना होगा और शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित करने से पहले इसे जमा करना होगा। सहमति प्रपत्र का प्रारूप www.airmenselection.cdac.in पर भी उपलब्ध है।

शारीरिक फिटनेस परीक्षण और चिकित्सा परीक्षण के लिए सहमति प्रपत्र

(18 वर्ष से अधिक और कम आयु के उम्मीदवारों के संबंध में लागू)

मैं, ... पुत्र/पिता/अभिभावक जिसकी जन्मतिथि है, मैं अपने जोखिम पर भारतीय वायु सेना में चयन के लिए निर्धारित शारीरिक फिटनेस/चिकित्सा परीक्षण में स्वयं/पुत्र/वार्ड के शामिल होने के लिए अपनी सहमति देता हूं। मुझे पता है कि ऐसे परीक्षणों के दौरान मुझे/मेरे बेटे/मेरे वार्ड को लगी चोट/हताहत के संबंध में किसी भी रूप में मुआवजे का दावा नहीं किया जाएगा।

हस्ताक्षर

उम्मीदवार/माता-पिता/अभिभावक का नाम

उम्मीदवार के साथ संबंध

तारीख :

ध्यान दें : 18 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों को सहमति पत्र पर अपने माता-पिता/अभिभावक से हस्ताक्षर करवाना होगा। हालांकि, 18 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवार सहमति पत्र पर स्वयं हस्ताक्षर कर सकते हैं।

नियम और शर्तें :

12. कार्यकाल एवं प्रशिक्षण : नामांकन 20 वर्ष की प्रारंभिक अवधि के लिए होगा (सेवा शर्तों के अधीन) जिसे 57 वर्ष की आयु तक बढ़ाया जा सकता है (सेवा शर्तों के अधीन)। प्रारंभ में, उम्मीदवारों को नामित बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान में संयुक्त बुनियादी चरण प्रशिक्षण (जेबीपीटी) के लिए भेजा जाएगा। जेबीपीटी के सफल समापन पर उम्मीदवारों को विशिष्ट अवधि के व्यापार प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा, जिसमें सुरक्षा प्रशिक्षण या सेवा आवश्यकताओं के अनुसार कोई अन्य प्रशिक्षण शामिल होगा। हालांकि, यदि प्रशिक्षु शैक्षणिक, पेशे, शारीरिक फिटनेस और अनुशासन में आवश्यक मानकों को प्राप्त करने में विफल रहता है या चिकित्सकीय रूप से अयोग्य पाया जाता है, तो प्रशिक्षण किसी भी समय समाप्त किया जा सकता है। प्रशिक्षण के सभी चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद वायुसैनिकों को भारतीय वायुसेना की आवश्यकता के अनुसार नौकरियों पर तैनात किया जाएगा। उम्मीदवार के अनुरोध पर किसी भी आधार पर आवंटित ट्रेड में बदलाव नहीं किया जाएगा।

नोट-1 : प्रशिक्षण अवधि के दौरान अभ्यर्थियों को अपने परिवार के साथ रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नोट-2 : अविवाहित अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने तक विवाह करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

13. वेतन एवं भत्ते : प्रशिक्षण के दौरान प्रति माह 14,600/- रुपये का वजीफा दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर सैन्य सेवा वेतन (एमएसपी) सहित न्यूनतम वेतनमान पर प्रारंभिक सकल परिलब्धियां 26,900/- रु. प्रति माह. इसके अलावा, महंगाई भत्ता (जैसा लागू हो) जो बाद के वर्षों में व्यक्ति के कैरियर की प्रगति के अनुसार बढ़ सकता है।

14. प्रासंगिक सरकारी निर्देशों के अनुसार, अन्य भत्ते जैसे परिवहन भत्ता, समग्र व्यक्तिगत रखरखाव भत्ता (सीपीएमए), अवकाश राशन भत्ता (एलआरए), बच्चों की शिक्षा भत्ता, एचआर, आदि भी एयरमैन के लिए स्वीकार्य होंगे।

15. उच्च शिक्षा : एचआरपी में बताए अनुसार अपने ट्रेड में निर्धारित कौशल ग्रेड और सेवा के निर्धारित वर्षों को प्राप्त करने के बाद ही एयरमैन को उच्च शिक्षा योग्यता प्राप्त करने की अनुमति दी जाएगी।

16. सुविधाएं : राशन, कपड़े, चिकित्सा सुविधाएं, आवास, सीएसडी सुविधाएं, छुट्टी (विशेषाधिकार के रूप में एक कैलेंडर वर्ष में 60 दिन वार्षिक और 30 दिन आकस्मिक, सेवा अत्यावश्यकताओं के अधीन), मनोरंजन सुविधाएं, स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए परिवहन और छुट्टी यात्रा रियायत जैसे भत्ते (एलटीसी) भी मौजूद नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी। सभी वायुसैनिकों के लिए 3200/- रुपये प्रति माह के प्रीमियम पर 55 लाख रुपये का सामूहिक बीमा कवर और गुप हाउसिंग स्कीम की सुविधा भी दी गई है।

17. चिकित्सा सहायक ट्रेड की नौकरी की विशिष्टता : एक चिकित्सा सहायक के रूप में, आपको नर्सिंग और प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित किया जाना है। आप मेडिकल स्टोर, डिस्पेंसरी और वार्ड पर्यवेक्षण और अन्य वायु सेना कर्तव्यों के प्रबंधन में भी शामिल होंगे।

ध्यान दें : वायुसैनिकों को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करने होंगे।

चयन प्रक्रिया :

18. पात्रता का सत्यापन : मूल शैक्षिक प्रमाणपत्र (10वीं उत्तीर्ण प्रमाणपत्र, 12वीं उत्तीर्ण प्रमाणपत्र और मार्कशीट और मूल डिग्री/डिप्लोमा प्रमाणपत्र और फार्मसी में बीएससी/डिप्लोमा की मार्कशीट) और अन्य आवश्यक लागू मूल कागजात जैसे एनसीसी 'ए', 'बी' या 'सी' प्रमाणपत्र, सेवारत वायु सेना कार्मिक के पुत्र (एसओएफपी) प्रमाणपत्र (या), डिस्चार्ज बुक, सर्विस बुक, सेवा विशेष प्रमाणपत्र/हताहत सेवा प्रमाणपत्र (या) डिस्चार्ज प्रमाणपत्र (यदि सेना/नौसेना/सरकारी संगठन से छुट्टी दे दी गई है), सहमति फार्म, पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटो और अधिवास प्रमाण (उपरोक्त पैरा 5 के अनुसार) की आवश्यकता होगी और प्रथम दृष्टया पात्रता सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण शुरू होने से पहले परीक्षा स्थल पर जांच/सत्यापित किया जाएगा। शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण और उसके बाद लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों के संबंध में विस्तृत सत्यापन बाद में किया जाएगा। जो उम्मीदवार निर्धारित शैक्षिक मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण के आयोजन से पहले मूल प्रमाणपत्रों और मार्कशीट के प्रारंभिक सत्यापन के दौरान और शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विस्तृत सत्यापन के दौरान या किसी भी अगले चरण में अयोग्य पाए जाने पर खारिज कर दिया जाएगा।

ध्यान दें : मूल उत्तीर्ण प्रमाणपत्र/अंक पत्र चयन केंद्र द्वारा नहीं रखे जाएंगे। विस्तृत सत्यापन पूरा होने पर इसे उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा।

परीक्षा का क्रम :

परीक्षण क्षेत्रों में मोबाइल फोन/स्मार्ट घड़ियां/इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित हैं। जिन अभ्यर्थियों के पास मोबाइल फोन/इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पाए गए, उन्हें स्थायी रूप से वंचित कर दिया जाएगा।

19. शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण (पीएफटी).

पीएफटी में 1.6 किमी की दौड़ 7 मिनट (21 वर्ष की आयु तक के उम्मीदवारों के लिए) और 7 मिनट 30 सेकंड (21 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवारों और फार्मसी में डिप्लोमा/बीएससी धारकों के लिए) के भीतर पूरी की जानी है। इसके अलावा, उम्मीदवारों को फिजिकल फिटनेस टेस्ट में क्वालिफाई करने के लिए निर्धारित समय के भीतर 10 पुश-अप, 10 सिट-अप और 20 स्क्वेट्स पूरे करने होंगे।

ध्यान दें : उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने स्पोर्ट्स जूते और शॉर्ट्स/ट्रैक पैट लाएं।

20. लिखित परीक्षा, पीएफटी उत्तीर्ण करने वाले सभी उम्मीदवारों को उसी दिन लिखित परीक्षा देनी होगी। लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी और अंग्रेजी पेपर को छोड़कर प्रश्न पत्र द्विभाषी (अंग्रेजी और हिंदी) होगा। उत्तर ओएमआर शीट पर अंकित करने होंगे। परीक्षा आयोजित करने से पहले विस्तृत प्रक्रिया बताई जाएगी। लिखित परीक्षा की अवधि 45 मिनट होगी और इसमें 10+2 सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुसार अंग्रेजी (20 प्रश्न) और रीजनिंग और जनरल अवेयरनेस (आरएजीए) (30 प्रश्न) शामिल होंगे। उम्मीदवारों को प्रत्येक पेपर में अलग-अलग उत्तीर्ण होना होगा। लिखित परीक्षा के परिणाम उसी दिन घोषित किये जायेंगे।

लिखित परीक्षा के लिए अंकन पैटर्न (उद्देश्य) :

(ए) प्रत्येक सही उत्तर के लिए 01 अंक.

(बी) बिना प्रयास किए गए प्रश्न के लिए शून्य (0) अंक.

(सी) प्रत्येक गलत उत्तर या उत्तर के रूप में एक से अधिक विकल्प चुनने पर 0.25 अंक काटे जाएंगे।

21. अनुकूलनशीलता परीक्षण-II : लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी उम्मीदवारों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर उसी दिन या अगले दिन अनुकूलनशीलता परीक्षण-II देना होगा। अनुकूलनशीलता परीक्षण-II उन उम्मीदवारों का चयन करने के लिए है, जो भारतीय वायु सेना के वातावरण के अनुकूल हो सकते हैं और सैन्य जीवन शैली के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम हैं।

नोट : प्रश्न पत्र भारतीय वायु सेना का एक गोपनीय दस्तावेज है। सभी उम्मीदवार ध्यान दें और समझें कि प्रश्न पत्र तक पहुंच की अनुमति केवल परीक्षा के दौरान है। परीक्षा के बाद अभ्यर्थी को किसी भी रूप में प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।

22. चिकित्सीय परीक्षण : अनुकूलन परीक्षण-II उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की अप्रैल, 2024 के महीने में एसएमसी, वायु सेना स्टेशन ओझर में चिकित्सकीय जांच की जाएगी, वायु सेना चिकित्सा टीम द्वारा आईएफए चिकित्सा मानकों और विषय मुद्दे पर प्रचलित नीति के अनुसार चिकित्सा परीक्षा आयोजित की जाएगी। मेडिकल जांच में मिन्मानुसार आधारभूत जांच भी शामिल होगी :-

(ए) रक्त हेमोग्राम-एचबी, टीएलसी, डीएलसी.

(बी) मूत्र आई/एआई.

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

(सी) जैव रसायन.

(i) रक्त शर्करा उपवास और पीपी.

(ii) सीरम कोलेस्ट्रॉल.

(iii) यूरिया, यूरिक एसिड, क्रिएटिनिन.

(iv) एलएफटी- सीरम बिलिरुबिन, एसजीओटी, एसजीपीटी.

(डी) एक्स-रे छाती (पीए दृश्य).

(ई) ईसीजी (आर).

(एफ) चिकित्सा अधिकारी की राय में आवश्यक कोई अन्य परीक्षण.

चिकित्सकीय रूप से अनफिट घोषित उम्मीदवार 40/- रुपये इलेक्ट्रॉनिक मिलिट्री रिसीवेबल ऑर्डर/मिलिट्री रिसीवेबल ऑर्डर (ई-एमआरओ/एमआरओ) के माध्यम से सरकारी खजाने/आरबीआई/एसबीआई में जमा करके अपनी अयोग्यता के खिलाफ 'अपील मेडिकल बोर्ड' (एमएमबी) के विकल्प का लाभ उठा सकते हैं. एएमबी के लिए आवेदन ई-एमआरओ/एमआरओ की मूल प्रति, अनफिटनेस सर्टिफिकेट की फोटोकॉपी के साथ मेडिकल जांच के तीन कार्य दिवसों के भीतर 15 एएससी, एएफ के प्रतिनिधि को जमा करना होगा. एएमबी केंद्र एसएमसी, वायु सेना स्टेशन पुणे होगा.

नोट-1 : उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे मेडिकल परीक्षा के लिए उपस्थित होने से पहले अपने दांतों से टार्टर और दाग हटा लें. कान मोम से मुक्त होने चाहिए. अभ्यर्थियों को अपनी व्यवस्था के तहत चार से पांच दिनों तक मेडिकल परीक्षण के लिए रुकने के लिए तैयार रहना चाहिए. कोई टीए/डीए स्वीकार्य नहीं होगा.

नोट-2 : मेडिकल परीक्षा केंद्र और मेडिकल परीक्षा की तारीख में बदलाव के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.

23. भर्ती चिकित्सा अधिकारी और सशस्त्र बलों के विशेषज्ञ डॉक्टर नामांकन से पहले प्राथमिक चिकित्सा परीक्षा, अपील मेडिकल बोर्ड और चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को फिट या अनफिट घोषित करने वाले अंतिम प्राधिकारी हैं. उम्मीदवार सशस्त्र बल मानकों द्वारा शासित होंगे जो नागरिक मानकों से भिन्न हो सकते हैं. अपील मेडिकल बोर्ड के बाद प्रतिनिधित्व या समीक्षा का कोई प्रावधान नहीं है.

सामान्य :

24. उम्मीदवारों के लिए सामान्य निर्देश इस प्रकार हैं :-

(ए) जब भी उम्मीदवार चयन परीक्षा और मेडिकल टेस्ट के लिए रिपोर्ट करें तो उन्हें पहचान प्रमाण के रूप में अपना आधार कार्ड ले जाना चाहिए. जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, असम और मेघालय के उम्मीदवार, जो अधिवास की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं और भर्ती रैली में उपस्थित होने के पात्र हैं, उन्हें आधार कार्ड उपलब्ध नहीं होने पर कोई अन्य वैध फोटो आईडी प्रमाण लाना होगा.

(बी) उम्मीदवारों को अपनी व्यवस्था के तहत परीक्षण की पूरी अवधि के लिए रहने के लिए तैयार रहना चाहिए. कोई टीए/डीए स्वीकार्य नहीं होगा.

(सी) उम्मीदवारों को एक सक्रिय ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर प्रदान करना आवश्यक है, जिसका उपयोग सीएसबी द्वारा संपूर्ण चयन प्रक्रिया के समापन और विशेष प्रवेश के लिए नामांकन तक सभी संचार के लिए किया जाएगा. भविष्य के सभी संचारों के लिए ई-मेल आईडी और पासवर्ड सुरक्षित रखने की भी सलाह दी जाती है.

25. पीएसएल का प्रकाशन : अंतिम चयन सूची (पीएसएल) 13 मई, 2024 को (फार्मसी में डिप्लोमा/बीएससी धारकों के लिए अलग पीएसएल प्रकाशित किया जाएगा) 15 एयरमैन चयन केंद्र, भोपाल, मध्य प्रदेश में प्रदर्शित की जाएगी. प्रदर्शन सूची के केंद्रीय वायुसैनिक चयन बोर्ड के वेबपोर्टल www.airmenselection.cdac.in पर भी उपलब्ध होगी. पीएसएल में उम्मीदवारों के नाम शामिल करना रैली में उम्मीदवारों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है. पीएसएल में नाम शामिल होने से स्वचालित नामांकन की गारंटी नहीं मिलती. नामांकन पूरी तरह से मेडिकल फिटनेस, रिक्रियेशन की उपलब्धता के अधीन पीएसएल से योग्यता के क्रम में है, व्यावसायिक पाठ्यक्रम सहित 10+2 / इंटरमीडिएट / समकक्ष वाले उम्मीदवारों के लिए 21 वर्ष से अधिक की आयु नहीं होनी चाहिए और फार्मसी में डिप्लोमा / बीएससी. नामांकन की तिथि पर और नामांकन के लिए बुलाए जाने पर अन्य निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवारों के लिए 24 वर्ष की आयु होनी चाहिए. पीएसएल की वैधता प्रदर्शन की तारीख से छह महीने होगी और केवल एयरमैन इंटेक 01/2024 के लिए लागू होगी.

26. यदि ऐसा कोई उम्मीदवार अनुपस्थित रहता है या भारतीय वायु सेवा में शामिल होने के लिए अनिच्छा व्यक्त करता है या उसकी उम्मीदवारी उस ट्रेड में किसी भी कारण से रद्द कर दी जाती है, जिसमें उसे नामांकन के लिए बुलाया गया था, तो उम्मीदवार को अनुपस्थित/अनिच्छुक/अन्य सभी में उम्मीदवारी रद्द के रूप में चिह्नित किया जाएगा. एयरमैन इंटेक के लिए पीएसएल उसी तारीख को प्रकाशित हुआ, जहां भी उनका नाम आया.

27. नामांकन सूची : एयरमैन इंटेक 01/2024 के लिए नामांकन के लिए अंतिम रूप से बुलाए गए उम्मीदवारों की सूची 24 मई, 2024 को प्रकाशित की जाएगी. नामांकन के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को कॉल लेटर परीक्षण के समय प्रदान की गई उनकी ई-मेल आईडी पर भेजा जाएगा.

28. यदि विज्ञापन के अंग्रेजी और हिंदी/किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा संस्करण के बीच कोई भिन्नता है, तो अंग्रेजी संस्करण को प्रामाणिक माना जाएगा.

29. कोई भी शुद्धिपत्र/परिवर्तन/अद्यतन केवल हमारे वेब पोर्टल www.airmenselection.cdac.in पर उपलब्ध होगा और किसी भी समाचार पत्र/किसी अन्य मीडिया में कोई सूचना नहीं दी जाएगी. सभी अभ्यर्थियों को समय-समय पर इस कार्यालय की वेबसाइट देखते रहना आवश्यक है.

30. उम्मीदवारों के लिए कोविड-19 निर्देश :

(ए) कोविड-19 के जोखिम को देखते हुए, उम्मीदवारों को समय-समय पर केंद्र/राज्य सरकारों द्वारा जारी सभी निर्देशों/दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है.

(बी) प्रवेश द्वार पर किसी भी उम्मीदवार में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) के लक्षण दिखने पर अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षण के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी.

किसी भी पूछताछ के लिए, केंद्रीय वायुसैनिक चयन बोर्ड, बराड़ स्ववायर, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली-110010, टेलीफोन नंबर 011-25694209/25699606 और ई-मेल : casb@iaf.nic.in / casbiaf@cdac. या कार्डिग ऑफिसर, 15 वायुसैनिक चयन केंद्र, द्वितीय तल, चरण-2 राजीव गांधी परिसर 35 श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्य प्रदेश)-462002 टेलीफोन : 0755-2661955 और ई-मेल : co.15asc-mp@gov.in से संपर्क करें.

मध्यप्रदेश में सुलभ न्याय के लिये ई-सेवा केन्द्र को बनाया जाये लोकप्रिय

भोपाल, प्रदेश में जन सामान्य को न्याय सरलता से मिल सके, इसके लिये ई- सेवा केन्द्र को पंचायत स्तर तक लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है। कोर्ट से जुड़ी डेश बोर्ड पर उपलब्ध जानकारी का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। इससे न्याय प्रक्रिया में बेहतर परिणाम सामने आएंगे। यह निर्देश भोपाल के नरोन्हा प्रशासन अकादमी में कम्प्यूटर एवं ई-कोट कमेटी की बैठक में जस्टिस श्री रोहित आर्या और जस्टिस श्री धर्माधिकारी ने दिए। बैठक में ई-कोर्ट से जुड़ी परियोजनाओं की राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 21 हजार ग्राम पंचायत पर ई-सेवा केन्द्र काम कर रहे हैं। इन सेवा केन्द्रों में कोर्ट से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारीयों सामान्यजन को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैठक में मेडलपर परियोजना की समीक्षा करते हुए बताया गया कि यह सॉफ्टवेयर 26 जनवरी 2019 से तैयार किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पोस्टमार्टम और एमएलसी से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन देने की व्यवस्था की गई है। बैठक में बताया गया कि ट्रेफिक रेगुलेशन के लिये वर्चुअल कोर्ट की सुविधा है। इसमें ई-चालान जारी किये जाने की व्यवस्था है।

प्रदेश स्तर पर लागू होगी

बैठक में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के तैयार किये गये

डेशबोर्ड पर चर्चा की गई। बताया गया कि डेशबोर्ड पर न्यायालयीन प्रकरण से संबंधित समग्र जानकारी समय-समय पर अपलोड की जा रही है। जल्दत इस बात की है कि त्वरित न्याय प्रक्रिया के लिये इनका उपयोग हो। बैठक में बताया गया कि खंडवा जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-समन वारंट का कार्य चल रहा है। जल्द ही इसे प्रदेश स्तर पर लागू किया जाएगा।

प्रचार-प्रसार पर जोर

बैठक में निर्देश दिये गये कि ई-कोर्ट व्यवस्था के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। प्रदेश में ई-सेवा केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का क्षेत्रीय एवं लोकभाषा में प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में बताया गया कि इन सुविधाओं की पहुंच जनसामान्य तक देने के लिये सोशल मीडिया के प्लेटफार्मों का उपयोग किया जाएगा।

हिन्दी में करें अधिक से अधिक कार्य

एक दिवसीय बैठक में तय हुआ कि न्याय प्रक्रिया में अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में किया जाए। कोर्ट में अंग्रेजी में दिये गये निर्णयों की हिन्दी में प्रतिलिपि देने की व्यवस्था की गई है। इसकी जानकारी जनसामान्य को दी जाए। ताकि आमजन कोर्ट के निर्णय को आसान भाषा में समझ सकें। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में समाधान आपके द्वार कार्यक्रम के बेहतर परिणाम आ रहे हैं।

लोकसभा निर्वाचन-2024

सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो - श्री राजन

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर उपजिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के द्वितीय चरण के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि निर्वाचन के कार्य को सभी अधिकारी गंभीरता से लें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। लोकसभा निर्वाचन-2024 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे जाने वाले सभी दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो और एक परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर हो सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें।

मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें। यदि किसी मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाताओं की संख्या है, तो सहायक मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव भेजें। उन्होंने सभी अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर बैठक व्यवस्था, बिजली, शौचालय, पीने का पानी और रैप की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लंबित आवेदनों का जल्द निराकरण करें

सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि कोई भी प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए। नाम जोड़ने, हाटने और संशोधन के लिए प्राप्त हुए आवेदनों का जल्द से जल्द निराकरण करने और मतदाता सूची से दोहरी प्रवृद्धि, समान फोटो वाले मतदाताओं की जांच करने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई मतदान केंद्र हैं जहां

पर पिछले लोकसभा निर्वाचन-2019 में मतदान का प्रतिशत कम था। ऐसे क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूक करें। स्वीप गतिविधियों में तेजी लाएं। इसके साथ ही वलन्टेरिबिलिटी मैपिंग की कार्यवाही भी पूर्ण करें।

नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकता है

श्री राजन ने कहा कि कुछ जिलों में जेंडर रेशियो के अनुपात में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या कम है, उन जिलों में महिला मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु अभियान चलाएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा, उषा सहित शासकीय विभाग में कार्यरत महिला अधिकारियों-कर्मचारियों की मदद लें। 8 फरवरी को प्रदेश के समस्त मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया अभी चल रही है, ऐसे में जिन मतदाताओं का नाम छूट गया है या जिनकी उम्र एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष से अधिक हो गई है वे नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।

कोई भी नागरिक Voter Helpline App और voters.eci.gov.in इन वेबसाइट पर जाकर अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुंरे, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

विस्तृत पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र, चिकित्सा मानक, अंतिम चयन सूची और नामांकन सूची के लिए सीएसबी वेबपोर्टल पर लागू ऑन करें : www.airmenselection.cdac.in

अस्वीकरण

विज्ञापन में दिए गए नियम और शर्तें केवल दिशानिर्देश हैं और सरकार द्वारा जारी आदेश, समय-समय पर संशोधित, चयनित उम्मीदवारों के लिए लागू होंगे.

भारतीय वायुसेना के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी चरण पर पूरी चयन प्रक्रिया रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है.

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के कदाचार/अनुचित तरीकों में लिप्त पाए जाने वाले अभ्यर्थियों को स्थायी रूप से परीक्षा से बाहर कर दिया जाएगा.

सावधान : नकल करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी.



IPS ACADEMY

Central India's Premier Institute

(Affiliated to DAVV Indore and Approved by Department of Higher Education Bhopal)

REQUIRED

HEAD OF DEPARTMENT

(Department of Commerce)

IPS Academy , Indore is seeking a dynamic and visionary leader to join our team as Head of Department for Commerce. As a leading educational institution committed to excellence, we're looking for someone with a proven track of academic leadership and a dedication to fostering innovation and growth.

Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor/Librarian

for following subjects in UG & PG Courses

- **Commerce** – All Subjects
- **Arts & Tourism** - History, Economics, Tourism, Political Science & Sociology
- **Science**- Biotech, Microbiology, Life Science, Physics, Chemistry, Mathematics, Computer Science, Library Science, Seed Technology, Horticulture, Botany, Statistics
- **Fashion Technology**- All Subjects
- **BCA** - All Subjects
- **BBA (Plain/Foreign Trade/Hotel Management)** - All Subjects
- **MSW** - All Subjects
- **Language** - Hindi & English

(Eligibility, Qualification & Pay Scales as per UGC Norms)

Apply within 15 Days with complete CV on email at : hripsa@ipsacademy.org
Knowledge Village, Rajendra Nagar, A.B. Road, Indore - 452012 (M.P.) Ph. 0731 4014580

Director



IPS ACADEMY

COLLEGE OF LAW

(Approved by BCI & Affiliated to DAVV, Indore)

REQUIRED

Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor

For all subjects of – LLB & LL.M,
BBA(LLB) – 5 Yrs. & BA (LLB)- 5 Yrs. Courses

(Eligibility - Qualification & Pay Scales as per UGC norms)

Apply within 15 days with complete CV on email ID at : hrcol@ipsacademy.org
Knowledge Village, Rajendra Nagar, A.B. Road, Indore - 452012, Ph. 0731 4014563

Director



IPS ACADEMY

INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT & RESEARCH

(An Autonomous Institute Estd. in 1994, NAAC Accredited A++) (Approved by AICTE, DTE & Affiliated to DAVV, Indore)

REQUIRED

Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor

For all subjects of - **MBA (Full Time / International Business/ Financial Administration/Marketing Management) BBA / BBA- Foreign Trade/ & B.A. (ECO)** – Hons.

(Eligibility - Qualification & Pay Scales as per AICTE / UGC norms)

OFFICE SUPERINTENDENT / OFFICE ASSISTANT are also required

Email detailed CV alongwith supporting documents within 15 days of this Advertisement on email - hribmr@ipsacademy.org

Knowledge Village, Rajendra Nagar, A.B. Road, Indore - 452012 (M.P.) Ph. 0731 - 4014776

Director



IPS ACADEMY

(Approved by NCTE & Affiliated to DAVV, Indore)

REQUIRED

Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor

(Under code 28)

For all subjects of – B.Ed.

(Eligibility - Qualification & Pay Scales as per NCTE norms)

Apply within 15 days with complete CV on email ID at : hrcoe@ipsacademy.org

Knowledge Village, Rajendra Nagar, A.B. Road, Indore - 452012, Ph. 0731 4014509

Director



IPS ACADEMY

SCHOOL OF COMPUTERS

(Approved by AICTE, DTE, Affiliated to RGPV, Bhopal & DAVV, Indore)

REQUIRED

Principal/ Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor

For all subjects of –
MCA, MCA(Intg.) & BCA

(Eligibility - Qualification & Pay Scales as per AICTE / UGC norms)

Apply within 15 days with complete CV on email ID at : hrosoc@ipsacademy.org

Knowledge Village, Rajendra Nagar, A.B. Road, Indore - 452012 (M.P.) Ph. 0731 - 4014858

Director



IPS ACADEMY

INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT

(Approved by AICTE, DTE & Affiliated to DAVV, Indore)

REQUIRED

Principal/Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor

For all subjects of –
BHM & BBA (HM)

(Eligibility - Qualification & Pay Scales as per AICTE / UGC norms)

Apply within 15 days with complete CV on email ID at : hriohtm@ipsacademy.org

Jhoomar Ghat, A.B. Road, Rau, Indore - 453331, Ph. 9644711161

Director

SHRI REWA GURJAR BAL NIKETAN COLLEGE, SANAWAD

(Approved by Govt. of MP and Affiliated to DAVV, Indore)

Khargone Road, Sanawad-451111

Ph.No. 8839615055, E-mail : srg.college@gmail.com

Advertisement for Principal and Various Regular Faculty in the College (under code 28 Norms)

Subjects :

Botany/Microbiology/Biotechnology/Bioinformatics/ Commerce/Management (For BBA & MBA)/Sociology/ Mathematics/Political Science/Seeds Technology/ Computer/Hindi/English Literature/Chemistry/Zoology/ Physics/Horticulture/Sports/Librarian

Posts :

Principal/Professor/Associate Professor/Assistant Professor/ Lecturer/Lab Technician.

For other Course : B.Ed. 16 Posts

* Candidate who are eligible NET/SET/Ph.D. under Code-28 as per UGC Norms of University can apply within **15 days.**

R-49557/2024 **PRESIDENT**

REQUIREMENT

Principal Professor / Associate Professor / Asst. Professor for

Commerce, Management, Social Work, Sociology, History, Economics, Political Science, Physics, Mathematics, Yoga, English, Hindi, Computer Science, Education (B.Ed.)

Qualification as per UGC/ AICTE / DAVV norms (selection under College Code-28). Interested candidates may send their updated CV along with a photocopy of all testimonials at the college address within 7 days from the date of advertisement or e-mail to college@anniebesant.co.in - DIRECTOR



ANNIE BESANT COLLEGE

Affiliated to DAVV, Indore

237-B, Vishwakarma Nagar, Annapurna Road, Indore

Contact No.: 98260-22213, 0731-2484036, 2484033

R-49558/2024



JIWAJI UNIVERSITY GWALIOR

Ph.D. ADMISSION NOTIFICATION, 2024

S.No. F/Academy/Res/2024/5116 Dated : 27.02.2024

- Applications are invited to appear in Entrance test for Ph.D. program in different subjects. The eligible candidates can submit the application form between **1st March 2024 to 15th of March, 2024** through mponline.gov.in by paying Rs. 3100/- (admission form fees Rs. 2500/-, Portal fees Rs. 600/-)
- An additional late fees Rs. 500/-, if the form is submitted in between **16th-18th March, 2024.**
- Candidates completed their Post Graduate degree with 55% marks (50% for SC/ST/OBC (non-creamy layer)/ Differently-Abled and other categories of candidates as per the decision of the UGC from time to time, or for those who had obtained their Master's degree prior to 19th September, 1991, are eligible to apply for admission to Ph.D. program. However, the candidates who are waiting for their result of Post Graduate program can also apply to appear in the test. The test will be computer based multiple choice types.
- **Date of Ph.D. Entrance Test : 31st March, 2024**
- For detailed information regarding Ph.D. Entrance Test-2024 visit the University website : www.jiwaji.edu

R-49560/2024 M.P. Madhyam/114009/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.) (GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER NO. 283/MTN/2024

Bhopal, Dated : 28.02.2024

No./2841/22/D-12/NIT-Maint./2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal <https://mptenders.gov.in> as detailed below.

- SSR Applicable :- SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Table No. 1 :-** Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Agar Malwa	2	43865843.00
2	Betul	1	3823512.00
3	Chhindwara	1	6248728.00
4	Datia	1	43411458.00
5	Dhar	2	5447315.00
6	Guna	2	30637693.00
7	Harda	1	19421464.00
8	Katni	3	26612608.00
9	Mandla	1	24675097.00
10	Mandsaur	2	32640367.00
11	Narmadapuram	2	23878740.00
12	Neemuch	1	21101378.00
13	Raisen	6	33130551.00
14	Ratlam	1	22961087.00
15	Sagar	1	3613916.00
16	Sehore	1	11235478.00
17	Shajapur	2	15632925.00
18	Shivpuri	1	25205480.00
19	Ujjain	1	13299043.00
20	Vidisha	1	10650108.00

2. **Table No. 2 :-** Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	8585071.00
2	Chhindwara	1	9337490.00
3	Damoh	1	1413596.00
4	Gwalior	1	13674489.00
5	Mandla	2	54943619.00
6	Sehore	1	1742262.00

3. **Table No. 3 :-** Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Chhatarpur	1	23361416.00
2	Mandsaur	1	5062342.00
3	Sehore	2	21822603.00
4	Shajapur	1	11987730.00
5	Vidisha	1	7627220.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **29.02.2024 from 17:30 hrs.**

2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)

M.P. Madhyam/114020/2024

“मेरी सड़क” ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49561/2024



मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 480002

E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.- 02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 29/2023-24 सी.एम. राईज अंतर्गत निर्माण कार्य शासकीय हायर सेकेंडरी मॉडल स्कूल धनुर्वासगर डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी में बाह्य विद्युतीकरण का कार्य (ऑनलाइन निविदा क्र. 2024 MPPHC - 340107) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 11.03.2024 तक खरीद कर सयें 6:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र., माध्यम/114061/2024 R-49574/2024 परियोजना यंत्री

घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिए)
साप्ताहिक रोज़गार और निर्माण

- प्रकाशन स्थान : भोपाल
- प्रकाशन अवधि : साप्ताहिक
- मुद्रक का नाम : संदीप यादव
क्या भारत का नागरिक है? : हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश) : XXX
पता : शांति भूषण द्विवेदी द्वारा
डी.बी. कार्प, दैनिक भास्कर, प्लॉट नंबर-10-11
सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल
- प्रकाशक का नाम : संदीप यादव
क्या भारत का नागरिक है? : हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश) : XXX
पता : मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल (म.प्र.)
- संपादक का नाम : रंजना चितले
क्या भारत का नागरिक है? : हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश) : XXX
पता : मध्यप्रदेश माध्यम, 40, प्रशासनिक क्षेत्र
अरेरा हिल, भोपाल (म.प्र.)
- उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार-पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पुंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों : मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र
अरेरा हिल, भोपाल (म.प्र.)

मैं संदीप यादव एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

संदीप यादव
प्रकाशक के हस्ताक्षर
दिनांक 04.03.2024

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक-1, इंदौर

E-mail ID :- eepwd1ind@mp.nic.in, Phone No. - 0731-240978

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 73/व.ले.लि./2023-24

इंदौर, दिनांक : 27.02.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा दो लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।
क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. श्रोत्रघ्नी से भाटखेड़ी मार्ग लंबाई 0.50 कि.मी., विश्वास नगर महाराणा प्रताप चौक से एन.एच.-3 मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. जानापावकुटी मार्ग से पंचमुखी बालाजी मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी.। कालानी से फुटटालाब मार्ग मुक्तिधाम तक मार्ग लंबाई 1.10 कि.मी. मय विद्युत कार्य सहित।

पोर्टल क्रमांक	जिला	अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2024_PWDRB_338016	इंदौर	427.68	427680/-	15,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. मेंडल से पटेलपुरा मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. कालाकुण्ड से लोथिया आंतरिक मार्ग लंबाई 0.50 कि.मी. मय विद्युत कार्य सहित।					
2024_PWDRB_338017	इंदौर	277.05	277050/-	15000/-	10 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. मांगलिया से खेरियाखली मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी., मेण भूरियासात से खोदरा मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी., मेण से ग्राम चक मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. मय विद्युत कार्य सहित।					
2024_PWDRB_338018	इंदौर	399.87	399870/-	15,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. मुंडला नायता से बिहाड़िया मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी., बड़ियाकीमा से रेणुका टेकरी मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी., बावलियाखुर्द से आदिवासी बस्ती मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी., इनायतपुरा से पिपलिया तक मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी.।					
2024_PWDRB_338211	इंदौर	493.62	493620/-	15,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. सनावदिया से दुधिया मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी.।					
2024_PWDRB_338213	इंदौर	418.19	418190/-	15,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. लसुडिया आनंद से सिंधि बरोद मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी., मोरोदहाट से लसुडिया आनंद लंबाई 3.00 कि.मी.।					
2024_PWDRB_338215	इंदौर	384.49	384490/-	15,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. कदवालिखुर्द से मुंडलावदा मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी.।					
2024_PWDRB_338217	इंदौर	394.58	394580/-	15,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
महायोग -		2795.48		लाख	

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 07.03.2024 17.30 तक निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जावेगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जावे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग क्र.-1, इंदौर
जी-25213/49569/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No. : 2896/22-D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 28.02.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1177 (PMGSY-B.W.)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal www.pmgstenders.gov.in as detailed below :
Name of Work :- Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Rajgarh	1	46715000.00

- Bid document may be purchase online from 01.03.2024 (17:30 hrs.) and last date for online bid submission is 15.03.2024 (17:00 hrs.)
- Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/114032/2024

(TENDER)

“मेरी सड़क” एप डाउनलोड कर, फीड बैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें

R-49563/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 284/MTN/2024 (Flood Damage-SR)

No./284/22-D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 28.02.2024
 Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal mptenders.gov.in as detailed below.

- SSR Applicable :- SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.
- Name of Work - Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Dhar	1	3704036.00
2	Ratlam	1	1369782.00

- Tender document can be purchased only online from the above website from 29.02.2024 from 17:30 hrs.
- Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/114021/2024

(Tender)

“मेरी सड़क” एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें

R-49562/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No. : 2893/22-D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 28.02.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 285/MTN/2024 (B.W.)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal mptenders.gov.in as detailed below :
Name of Work :- Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Name of Work - Post 10 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Jabalpur	1	4618000.00

- Tender document can be purchased only online from the above website from 01.03.2024 from 17:30 hrs.
- Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/114036/2024

(TENDER)

“मेरी सड़क” एप डाउनलोड कर, फीड बैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें

R-49564/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भद्रभद्रा रोड संभाग क्रमांक-03

भोपाल-462003, मो. नं. : 9425601545, ई-मेल : mpphdbcp13@gmail.com

क्र. मप्रपुआअविनि/197/पय/भोपाल-03/तशा/2024

भोपाल, दिनांक : 29.02.2024

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत 11 KV line Shifting at CM Rise School Sundarsi Dist. Shajapur हेतु निविदा क्रमांक 16/2023-24 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक 339673) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 11.03.2024 सायं 5:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <http://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।
 म.प्र. माध्यम/114044/2024 R-49565/2024 परियोजना यंत्री

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्या. परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भद्रभद्रा रोड, भोपाल

क्र./239/तशा/प.यं./2024

दिनांक : 27.02.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा गुना जिले में बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_338608 1 दिनांक 09.03.2024 समय सायं 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
 म.प्र. माध्यम/114071/2024 R-49575/2024 परियोजना यंत्री



मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002

E-mail : mpphcbjalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 30/2023-24 (1) थाना कजिया में टायलेट मरम्मत कार्य जिला डिण्डौरी, ऑनलाइन निविदा क्र. (2024_MPPHC_340122) (2) थाना बजाग में टायलेट एवं सैटिक टैंक का निर्माण कार्य जिला डिण्डौरी, ऑनलाइन निविदा क्र. (2024_MPPHC_340124) (3) बैरिक में शौच का कार्य होमगार्ड दरीखाना जबलपुर, ऑनलाइन निविदा क्र. (2024_MPPHC_340127) (4) मरम्मत एवं उन्नयन कार्य प्रोफाईल सीट एवं फाल्स सीलिंग का कार्य होमगार्ड दरीखाना जबलपुर, ऑनलाइन निविदा क्र. (2024_MPPHC_340130) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.03.2024 तक खरीद कर सायं 06:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <http://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
 म.प्र. माध्यम/114060/2024 R-49573/2024 परियोजना यंत्री

उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला

मध्यप्रदेश में मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का निर्णय

भोपाल, उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला में विक्रय होने वाले गैर-परिवहन यानि मोटरसाइकिल, मोटरकार, निजी उपयोग के लिये ओमनी बस और हल्के परिवहन यानों पर देय जीवनकाल मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का राज्य शासन ने निर्णय लिया है। उक्त आशय के आदेश का प्रकाशन मध्यप्रदेश राजपत्र 23 फरवरी, 2024 में कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में होने वाले विक्रम व्यापार मेला में वाहनों के विक्रय पर कर में छूट की घोषणा की थी।

मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1991 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया

बालिका छात्रावास और 207 कस्तूरबा गांधी विद्यालय का संचालन

भोपाल, प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा सुविधा से वंचित रहने वाली बेघर, अनाथ, शाला से बाहर बालिकाओं के लिये उनकी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने तक स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बालिका छात्रावास योजना संचालित की जा रही है। वर्तमान में 324 छात्रावास मंजूर हैं। इनमें 23 हजार से अधिक बालिकाओं को योजना का लाभ दिया जा रहा है। छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को पढ़ाई के साथ आत्म-सुरक्षा प्रशिक्षण, स्पोर्ट्स फॉर डेवेलपमेंट, लाइव्री एवं उपचारात्मक शिक्षण की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान में 207 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में करीब 31 हजार बालिकाएं अध्ययनरत हैं। इनका संचालन केन्द्र सरकार की मदद से प्रदेश में किया जा रहा है।

पीएम स्वनिधि योजना

भोपाल, प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में व्यापार करने वाले पथ विक्रेताओं को राज्य सरकार के नगरीय विकास विभाग द्वारा ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। योजना के माध्यम से अब तक 11 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को कार्यशील पूंजी के रूप में 1588 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। इन पथ विक्रेताओं ने सरकार से प्राप्त राशि से अपने व्यापार को और बेहतर किया है। राज्य में चयनित पथ विक्रेताओं को उनकी जरूरत के मुताबिक 3 चरणों में

वन विहार में तीन वन्य-प्राणियों को लिया गोद

भोपाल, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में वन्यप्राणी योजना एक जनवरी 2009 को प्रारंभ की गई थी। इस योजना के अंतर्गत वी.आई.टी. यूनिवर्सिटी भोपाल ने पर्यावरण तथा वन्यप्राणियों के संरक्षण के प्रति प्रेम की ओर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए एक साथ तीन वन्यप्राणियों जिनमें मादा बाघ 'गौरी', नर सिंह 'सत्या' एवं नर तेंदुआ 'जबलपुरिया' को एक वर्ष के लिये गोद लिया।

वीआईटी यूनिवर्सिटी भोपाल की असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट सुश्री कादम्बरी एस. विश्वनाथन ने वन विहार की संचालक श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णन को अंगीकरण के लिये वन्यप्राणियों की आवश्यक राशि 5 लाख रुपये चैक के माध्यम से प्रदान की। इस अवसर पर श्री एस.के. सिन्हा, सहायक संचालक वन विहार एवं वीआईटी यूनिवर्सिटी भोपाल के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

गया है। यह छूट ऐसे गैर-परिवहन यानों जैसे मोटरसाइकिल, मोटरकार, निजी उपयोग के लिये ओमनी बस और हल्के परिवहन यानों को जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी, जिनका निवर्ष 2024 में उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला की कालावधि के दौरान विक्रय किया जाएगा। यह छूट केवल वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन में स्थाई पंजीयन करने पर ही प्रदान की जाएगी।

गौतमलब है कि उज्जैन के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायियों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा उज्जैन में मेला प्रांगण में वाहन विक्रय करने की अनुमति होगी।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा लाइनमैनों का किया जाएगा सम्मान

भोपाल, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा देश में लाइनमैनों द्वारा विद्युत क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों और विद्युत क्षेत्र के विकास से देश की तरक्की में किये जा रहे निस्वार्थ योगदान को मान्यता देने के लिए इन्हें सम्मानित किया जायेगा। इन्हें नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेड सेंटर में 4 मार्च को आयोजित होने वाले लाइनमैन दिवस समारोह-2024 में सम्मानित किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आठ संभाग में कार्यरत लाइन अटेंडेंट श्री उदय सिंह, भोपाल शहर वृत्त के छोला जोन शहर संभाग उत्तर में कार्यरत श्रीमती मंगनी बाई एवं मुरैना वृत्त के थरा वितरण केन्द्र में कार्यरत श्री श्याम सुंदर शर्मा सम्मानित होंगे।

11 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को आर्थिक मदद

ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को देश में इस योजना में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

विक्रेताओं को पहुंचे लाभ

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्मा ने पीएम स्वनिधि योजना का लाभ प्रदेश के पात्र शहरी पथ विक्रेताओं तक पहुंचाए जाने के निर्देश शहरी निकायों को दिये हैं। योजना में चरणबद्ध तरीके से पथ विक्रेताओं को 10 हजार, 20 हजार और तीसरे चरण में 50 हजार रुपये

विकास कार्यो का लोकार्पण और समीक्षा बैठक कूनो में स्थानीय लोग रोजगार के साथ वन गतिविधियों को कर सकेंगे संचालित



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो सेसईपुरा में चीता मित्रों को सहायता राशि का वितरण किया

भोपाल, मध्यप्रदेश को इको टूरिज्म का हब बनाने के लिए कार्ययोजना बनाई जायेगी। इससे रोजगारोन्मुख अर्थव्यवस्था संचालित करने में सहयोग मिलेगा। भविष्य में कूनो में ही लगभग 2 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। गांधीसागर अभयारण्य में भी ऐसी गतिविधियों को संचालित किया जायेगा। प्रदेश में वन आधारित अर्थव्यवस्था का नया मॉडल विकसित होगा। केंद्र सरकार के सहयोग से जल, जंगल, जमीन, वन्य प्राणी के संरक्षण के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगारोन्मुखी अर्थव्यवस्था बने। श्योपुर के सेसईपुरा के जंगल रिसोर्ट में चीता पुनर्स्थापन की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अर्थव्यवस्था आधारित गतिविधियों से

लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होगा और वन्य जीवों के साथ जंगल का भी संरक्षण होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जंगल आधारित अर्थव्यवस्था को संचालित करने के लिए केंद्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव के निर्देशानुसार काम किया जाएगा। इको टूरिज्म वाली जगहों पर लोगों को रोजगार से जोड़ने इसके लिए डेवलपमेंट और अन्य गतिविधियों को संचालित करने के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा।

लोगों को गजमित्र बनाएँ

केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश एलीफेंट प्रोजेक्ट भी चलाया जाएगा और हाथियों से बचाव के लिए स्थानीय लोगों को शिक्षित किया जाएगा।

स्थानीय लोगों को गजमित्र बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट एलिफेंट के अंतर्गत केंद्रीय दल मध्यप्रदेश आया जो असम और केरल के राज्यों के अनुभवों के साथ यहां के हाथियों के बूंद के व्यवहारों का अध्ययन करेगा और उसके संबंध में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को देगा। इससे हाथियों के संरक्षण पर काम किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश इको टूरिज्म का केंद्र बिंदु है। जंगलों, अभयारण्य, टाइगर रिजर्व क्षेत्र अन्य जगहों की तुलना में सबसे ज्यादा क्षेत्र मध्यप्रदेश में पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि पुनर्स्थापना वन्य क्षेत्र के जुड़ाव से एक सर्किट बनता है। कूनो को इको टूरिज्म का हब बनाया जाएगा।

युवाओं को प्रशिक्षित करने का आग्रह

भोपाल, भारत मंडपम दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स-2024 में संचालक कौशल विकास श्री सोमेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की जानकारी दी। उन्होंने टेक्सटाइल/एपेल सेक्टर के प्रतिष्ठानों को इस योजना से जुड़कर मध्यप्रदेश के युवाओं को प्रशिक्षित करने का आग्रह किया।

श्री मिश्रा ने बताया कि युवाओं को पंजीकृत औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधा देने के लिये मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ

योजना प्रारंभ की गई है। वर्तमान में योजना में एक लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। योजना में 18 से 29 वर्ष तक के युवा पात्र होंगे, जो मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी हैं तथा जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आईटीआई या इससे उच्च स्तर की। प्रशिक्षण के दौरान 8 से 10 हजार रुपये तक स्टैण्डपेंड मिलेगा। बारहवीं उत्तीर्ण को 8 हजार रुपये, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हजार 500 रुपये, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हजार तथा स्नातक एवं उच्च योग्यता धारक को 10 हजार रुपये स्टैण्डपेंड दिया जायेगा।

ओलावृष्टि प्रभावित फसलों का किया निरीक्षण

भोपाल, जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वासि मंत्री डॉ. विजय शाह ने खंडवा जिले में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का किसानों के खेतों में जाकर निरीक्षण किया। मंत्री डॉ. शाह ने ग्राम देवल्दी में श्री राधेश्याम, श्रीमती लता बाई एवं सरियापानी में संतोष राजपूत के खेतों का निरीक्षण किया।

डॉ. विजय शाह ने ओलावृष्टि प्रभावित फसलों को हटाने का निर्देश देते हुए किसानों से जानकारी ली और उनकी समस्याएं सुनीं। डॉ. शाह ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ, उन्हें नियमानुसार मुआवजा राशि दिलाने की कार्रवाई करें। सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को राहत राशि का भुगतान तत्परता से करें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एम्स भोपाल में 'वन स्टेट-वन हेल्थ' विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में बनायेंगे सर्वश्रेष्ठ राज्य

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचनाओं का सतत विस्तार हो रहा है। चिकित्सालय में अत्याधुनिक सेवाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में भी नवीन मेडिकल कॉलेज स्थापित किये जा रहे हैं। चिकित्सकीय विशेषज्ञों, मेनपावर की उपलब्धता हेतु विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं। यह बात उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने एम्स भोपाल में वन स्टेट-वन हेल्थ विचार संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कही। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर के साथ प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी विस्तारित और सशक्त किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा 'वन स्टेट-वन हेल्थ' विचार संगोष्ठी का आयोजन सराहनीय प्रयास है। संगोष्ठी



उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने एम्स में "वन स्टेट-वन हेल्थ" संगोष्ठी का शुभारंभ किया

में विशेषज्ञों के मंथन से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के सुझाव मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में सहायक होंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश वन स्टेट वन हेल्थ पॉलिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। एम्स भोपाल ई-कंसल्टेशन और ई-आईसीयू के द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

राज्यपाल ने प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारम्भ

जनजातीय समुदाय तक हो विज्ञान की पहुंच



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र में आयोजित प्रबंधन कार्यशाला को संबोधित किया

भोपाल, रक्तजतिन रोगों विशेषकर सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। आर्थिक रूप से गरीब और दूरस्थ अंचल में रहने वाले जनजातीय लोगों के लिए चिकित्सा केन्द्रों तक पहुंचना अपेक्षाकृत कठिन है। इसके लिए हमें चिह्नित समुदाय के घरों तक विज्ञान को पहुंचाना होगा। सर्वेक्षण, जांच, जेनेटिक काउंसलिंग, स्वास्थ्य शिक्षा और जनजाति के कार्यों को व्यापकता प्रदान करनी होगी। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र में आयोजित हीमोग्लोबिनोपैथी की रोकथाम और प्रबंधन को दिवसीय नैदानिक प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन स्तर को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कार्यशाला की स्मारिका का लोकार्पण किया।

कार्यशाला का आयोजन भोपाल स्मारक अस्पताल एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से किया गया।

अभियान चलाकर होगी आरक्षित पदों की भर्ती

भोपाल, प्रदेश में दिव्यांगजन के आरक्षित पदों पर अभियान चलाकर भर्ती की जाएगी। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह बात दिव्यांगजन के आर्थिक पुनर्वास और सशक्तिकरण रूढ़ान एवं अंतर्दृष्टि विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कही। दिव्यशिका पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान तथा सक्षम मध्य भारत तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला में देश के ख्यातिमान विशेषज्ञ सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि दिव्यांगजन को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आवश्यक है कि इस वर्ग को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय स्वयंसेवी संस्थाएं कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और प्रदेश सरकार बेहतर कार्य करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहित करती हैं। साथ ही राज्य शासन शासकीय सेवाओं में पदों का आरक्षण कर दिव्यांगजन को रोजगार मुहैया कराता है। उन्होंने कहा कि नवगठित सरकार का संकल्प पत्र में भी दिव्यांगजन को मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। आयुक्त सामाजिक न्याय श्री आर.आर. भोंसले ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन भाई-बहनों को अधिक से अधिक सहयोग और सुविधा मुहैया कराकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है।

रेफरल प्रणाली को प्रभावी बनाना होगा

राज्यपाल ने कहा कि सिकल सेल का आनुवांशिक स्वरूप व्यक्ति में वाहक तथा रोगी के रूप में होना, 21 प्रकार के अन्य रोगों की उत्पत्ति का मूल होता है। जरूरी है कि अंतिम स्तर तक रोग की स्क्रीनिंग, जांच, जेनेटिक काउंसलिंग, विवाह परामर्श और गर्भावस्था की जांच और चिकित्सकीय परामर्श के कार्य व्यापक स्तर पर किए जाएं। वंचित वर्गों एवं दूरस्थ अंचलों में चिकित्सा शिविरों के आयोजन के साथ ही हीमोग्लोबिनोपैथी रोगों के बारे में अंचल के स्कूल कॉलेजों के शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का संवेदीकरण किया जाना जरूरी है। रोग के पैटर्न, आवश्यक जीवनशैली और खान-पान की जानकारीयों के प्रसार में नवाचार किये जाएं। उच्च दक्षता के चिकित्सा संस्थानों के लिए रेफरल प्रणाली को मजबूत बनाया जाये। साथ ही रोग प्रबंधन प्रयासों में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के ज्ञान तथा परम्परा को प्रमाणिक स्वरूप में जोड़ा जाये।

प्रबंधन प्रयासों में सबका साथ और प्रयास जरूरी

राज्यपाल ने बताया कि करीब 45 वर्ष पहले सिकल सेल रोगी बच्चा उनके संपर्क में आया था, जिसको मुम्बई ले जाकर चिकित्सक को दिखाने के बावजूद उसकी 4 माह में मृत्यु हो गई थी। इस घटना ने उन्हें गहरे से प्रभावित किया। तभी से वे इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने गुजरात में श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्रित्व काल में सिकल सेल एनीमिया रोग उन्मूलन के लिए किए गए प्रयासों का संदर्भ देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए मिशन बना कर 15 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। रोकथाम और प्रबंधन प्रयासों में सबके साथ और प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय बहुल 20 जिलों में व्यापक स्तर पर रोग प्रबंधन के कार्य कर रही है। करीब 12 लाख जेनेटिक कार्ड का भी वितरण किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद् की बैठक सम्पन्न

पीएम ई-बस योजनांतर्गत 6 नगरीय निकायों के लिये 552 ई-बस

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद् की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद् ने मन्दसौर, राजगढ़, सीधी, सिवनी और बालाघाट, जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिये 10,373 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति दी। मंत्रिपरिषद् ने मंदसौर जिले में 60 करोड़ 3 लाख रुपये लागत की ताखाजी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी। राजगढ़ जिले की मोहनपुरा वृहद सिंचाई परियोजना लागत 4666 करोड़ 66 लाख रुपये की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी। मंत्रिपरिषद् के अन्य निर्णय इस प्रकार हैं :-

- मंत्रिपरिषद् द्वारा सीधी जिले में 4167 करोड़ 93 लाख रुपये लागत की सीतापुर हनुमान माइक्रो सिंचाई परियोजना (सूच्य क्षेत्र 1,20,000 हेक्टेयर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इस परियोजना की स्वीकृति के क्रम में प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा के लिये निर्धारित सूचकांक के बंधन से छूट दी गई। परियोजना से रीवा, मऊगंज, सीधी, एवं सिंगरौली जिले के 663 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।
- मंत्रिपरिषद् ने सिवनी एवं बालाघाट जिले की संयंत्र सरोवर परियोजना के नहरों का विस्तारीकरण, नवीनीकरण और आपुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के कार्य के लिये 332 करोड़ 54 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी। ई.आर.एम. के कार्य पूरा होने पर 11 हजार 450 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।
- मंत्रिपरिषद् ने बाणसागर बहुउद्देशीय परियोजना अंतर्गत बहुती नहर को

भारत सरकार की Modernization of command area development work अंतर्गत लागत 1146 करोड़ 34 लाख रुपये के अंतर्गत माइक्रो सिंचाई परियोजना में परिवर्तित करने की सैदांतिक अनुमति दी है।

- मंत्रिपरिषद् ने पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के विभिन्न शहरों में वायुसेवा संचालन किये जाने के लिये प्रस्ताव का अनुमोदन दिया।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा शहरों में सिटी बस सेवाओं के बुनियादी ढांचे के विस्तार और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिये प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रदेश में संचालन का अनुमोदन किया। पीएम ई-बस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 6 नगरीय निकायों (भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर) में 552 शहरी ई-बसों का पीपीपी मॉडल के आधार पर संचालन किया जायेगा। योजना में

नर्मदा नियंत्रण मंडल की 79वीं बैठक सम्पन्न

प्रदेश की सभी नदियों पर विद्यमान धार्मिक महत्व के घाटों को विकसित किया जाए

भोपाल, नर्मदा नदी के घाटों सहित प्रदेश की विभिन्न नदियों पर विद्यमान धार्मिक

महत्व के घाटों को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जाए। प्रदेश के विकास में नर्मदा जल का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। प्रदेश के जो बांध वर्षा ऋतु में प्राकृतिक रूप से भरते हैं और उनके जल का उपयोग दिसम्बर तक हो जाता है, उन्हें तथा अन्य जल संरचनाओं में नर्मदा जल की आपूर्ति कर उद्योगों तथा कृषि को जल उपलब्ध कराया जाए। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में हुई नर्मदा नियंत्रण मंडल की 79वीं बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में अपर बुढ़ने बांध, पावर हाउस एवं दाब युक्त सिंचाई प्रणाली तथा शेर-मछरेवा वृहद परियोजना अंतर्गत मछरेवा सिंचाई परियोजना में बांध एवं दाबयुक्त सिंचाई प्रणाली की निर्माण प्रक्रिया के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही मॉरंड-गंजाल संयुक्त सिंचाई परियोजना, काली सिंध उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना, भीकनगांव बिजलवाड़ा माइक्रो सिंचाई परियोजना, जावर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना, नर्मदा क्षिप्रा बहुउद्देशीय परियोजना, छीपानेर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना, अम्बा रोडिया, बलकवाड़ा, चौण्डी जामन्या एवं सिमरोल अम्बा चंदन ग्रुप माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं, हीमरखेड़ा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना, बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दायी तट मुख्य नहर के 104 कि.मी. से 129 कि.मी. तक नहर तथा डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदा नियंत्रण मण्डल के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित किया।

कोकता के सौ बिस्तरीय चिकित्सालय का नाम स्व. श्री बाबूलाल गौर के नाम पर होगा

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कोकता गोविन्दपुरा में 100 बिस्तरीय चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि चिकित्सालय के विधिवत संचालन के लिए 1 माह के अंदर चिकित्सकीय और सहायक मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि इस चिकित्सालय के विधिवत संचालन से आस-पास के क्षेत्र के नागरिकों को हमीदिया और जेपी चिकित्सालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभावना के अनुरूप चिकित्सालय का नाम पूर्व मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल गौर जी के नाम पर होगा। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय में सीटी स्कैन, यूएसजी और अन्य आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता के लिए निर्देश दिये। उन्होंने स्टाफ क्वार्टर के संबंध में भी व्यवस्था की बात कही।



Payment Security Mechanism (PSM) के लिए स्वीकृति के साथ State Level Steering Committee (SLSC) को योजना के लिये स्वीकृतियां, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण के लिये अधिकृत किया गया है।

प्रस्ताव के प्रमुख बिन्दु

- 552 बसों 6 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर को मिली हैं।
- इंदौर को 150, भोपाल को 100, ग्वालियर 70, जबलपुर 100, उज्जैन 100 और सागर को 32 पीएम ई-बस संचालन की मंजूरी मिली है।
- बस डिपो के निर्माण के लिये 10 करोड़ रुपये की राशि प्रत्येक शहर को केन्द्र सरकार से प्राप्त होगी।
- बसों का संचालन संबंधित नगर निगम द्वारा किया जाएगा। बसों में ड्राइवर एवं कन्डक्टर की सेवाएं ऑपरेटर द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।
- यात्री किराया और विज्ञापन की राशि से मिलने वाला राजस्व भी संबंधित

नगर निगम को मिलेगा।

- बस संचालन में 22 रुपये प्रति किलोमीटर पर अनुदान राशि 12 साल तक केन्द्र सरकार द्वारा दी जाएगी।
- संचालनकर्ता राज्य को केन्द्र सरकार की ओर से गारंटी मिलेगी।
- मंजूर किये गये प्रस्ताव पर काम के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी। कमेटी में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, प्रमुख सचिव ऊर्जा, प्रमुख सचिव नगरीय विकास, प्रमुख सचिव परिवहन सदस्य होंगे। कमेटी के सदस्य सचिव आयुक्त नगरीय प्रशासन विभाग होंगे।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा 'स्टार्टअप एवं इन्क्यूबेशन' के संबंध में किये जा रहे कार्यों का समावेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत करने के लिये मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन की स्वीकृति दी गई है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भारतीय ज्ञान परम्परा-विविध संदर्भ विषय पर कार्यशाला संपन्न

प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा और समावेशी शिक्षा से पुनः विश्वगुरु बनेगा भारत

भोपाल, पहले समाज के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा पर व्यापक चर्चा नहीं होती थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सृजन के बाद से इसके क्रियान्वयन के लिए व्यापक चर्चा और संवाद का क्रम जारी है। समूहबद्ध विचार-विमर्श से ठोस निष्कर्ष निकलता है। भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित व्यापक विचार मंथन, परंपरागत के चिह्नों को समाप्त करने में अपनी उपयोगिता सिद्ध करेगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्द्र सिंह परमार ने स्वामी विवेकानंद सभागार, शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अंतर्गत 'भारतीय ज्ञान परम्परा-विविध संदर्भ' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर कही। श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा

समावेशी शिक्षा के लिए हुए विचार विमर्श के परिप्रेक्ष्य में 'भारत केंद्रित शिक्षा' पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में दो दिवसों में हुए विमर्श से निकले निष्कर्ष से आगे का लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश के साथ विषयवार पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि व्यापक विचार विमर्श रूपी यही नींव का पत्थर राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आधार बनेगा। हम अपने गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के आधार पर भारत केंद्रित शिक्षा का सृजन करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा में हो रहे आमूलचूल परिवर्तन पर आने वाली पीढ़ी गर्व करेगी। हमारे प्रयासों और पूर्वजों की प्रेरणा से देश पुनः विश्वगुरु के परम वैभव को प्राप्त करेगा और 'ज्ञानमेव शक्ति' का संकल्प साकार करेगा।



मुख्यमंत्री से सिंगापुर के उच्चायुक्त श्री साइमन वांग ने की भेंट

प्रत्येक निकाय के लिये बनेगा वन सिटी-वन मैप

भोपाल, नगरीय विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने शहरी क्षेत्र के नागरिकों को एक पोर्टल पर जानकारी देने के उद्देश्य से ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में नवाचार करने के निर्देश नगरीय विकास विभाग के विभागीय अधिकारियों को दिये हैं। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नवाचार के माध्यम से विभाग की सभी योजनाओं से संबंधित डाटा को आपस में जोड़कर एक प्लेटफॉर्म पर लाने का कार्य किया जायेगा। इसके लिये प्रदेश स्तर पर भोपाल में अर्बन डाटा एनालिटिक्स सेंटर (जीआईएस) की स्थापना की जायेगी। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि

प्रदेश में नवाचार की यह प्रक्रिया डिजिटल इण्डिया के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इससे शहर के निर्माण और विकास कार्य से जुड़ी एजेंसी बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर सकेंगी। वन सिटी वन मैप के माध्यम से विकास कार्यों को एक निश्चित समय अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सकेगा। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश के सभी नागरिकों को शहरी क्षेत्र से जुड़ी सुविधाएं जैसे सड़कें, शहरी परिवहन व्यवस्था, पाइप-लाइन, सार्वजनिक शौचालय इत्यादि की जानकारी मिलेगी।

मुख्यमंत्री आष्टा में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में हुए शामिल

भोपाल, सोहोरा जिले के आष्टा में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना की। विवाह सम्मेलन में 748 कन्याओं का विवाह धार्मिक रीति-रिवाज अनुसार संपन्न हुआ। समारोह में 179 मुस्लिम कन्याओं का निकाह भी कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर-वधु को विवाह योजना के चेक भी प्रदान किये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन फिजूलखर्ची रोकने का एक अच्छा सशक्त माध्यम है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में सीमित संख्या में परिजन के साथ उपस्थित होकर पूरे रीति-



रिवाज और धूमधाम से अपने बेटे-बेटियों का विवाह करने से फिजूलखर्ची नहीं होती और इससे धनराशि की बचत भी होती है, जो बच्चों के भविष्य की योजनाओं के लिए उपयोग की जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दो दिन पहले मैंने भी अपने पुत्र का विवाह किया है, जिसमें मात्र

प्रधानमंत्री ने किया 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का वर्चुअली लोकार्पण

मध्यप्रदेश तेजी से विकसित राज्य बनने की नई ऊंचाइयां प्राप्त करता रहेगा



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल में आयोजित विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया

भोपाल, मध्यप्रदेश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त करता रहेगा। विकास परियोजनाएं और कार्य मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के साथ जनता के जीवन को आसान बनायेंगी। इनसे निवेश, नौकरियां और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल के लाल पेरड ग्राउंड में 'विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश' कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के लिए केंद्र

और राज्य की डबल इंजन सरकार खेती, उद्योग और टूरिज्म पर अधिक बल दे रही है। मां नर्मदा पर तीन परियोजनाओं का भूमिपूजन, जनजातीय क्षेत्र में सिंचाई के साथ-साथ पेयजल की समस्या का समाधान भी करेगा। सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में नई क्रांति होती दिख रही है। केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड के लाखों परिवारों का जीवन बदलने वाला है। वर्ष 2014 से पहले 10 वर्षों में 40 लाख हेक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया था लेकिन पिछले 10 वर्षों में 90 लाख हेक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई से जोड़ा गया है।

साइबर तहसील का शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश में साइबर तहसील का शुभारंभ किया जा रहा है। साइबर तहसील के माध्यम से जमीन का

नामांतरण रजिस्ट्री और अन्य मामलों का समाधान डिजिटल माध्यमों से त्वरित रूप से हो जाएगा। इससे ग्रामीण परिवारों का समय और धन दोनों बचेगा। यह समय और धन ग्रामीण परिवार कृषि और उससे जुड़े अन्य रोजगार में लगाएगा। इस तरह से उसकी आय में भी वृद्धि होगी और जीवन आसान होगा।

विरासत और विकास का उत्सव

प्रधानमंत्री ने कहा कि विक्रमोत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और विकास का उत्सव है। समृद्धशाली विरासत और विकास कार्य कैसे एक साथ उत्सव के रूप में मनाये जाते हैं, यह उसका प्रमाण है। प्राचीन समृद्ध इतिहास को फिर से स्मरण करते हुए विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी उज्जैन में स्थापित की जा रही है।

वंचित वर्ग का विकास हमारी प्राथमिकता

भोपाल, भारत का इतिहास रहा है कि जब भी देश को जरूरत हुई है, कोई न कोई संत, ऋषि, महान विभूति भारत में जन्म लेते हैं। संत रविदास जी उस भक्ति आंदोलन के महान संत थे, जिन्होंने कमजोर और विभाजित हो चुके भारत को नई ऊर्जा दी। यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने खालियर में संत रविदास जयंती के अवसर पर कार्यक्रम में कही। श्री तोमर ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को आजादी का महत्व भी बताया और सामाजिक विभाजन को पाटने का काम किया।

जनकल्याण के लिए संचालित की जा रही योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं

200 अतिथियों को ही आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार होने के कारण विकास की गति तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने मध्यप्रदेश के 17 हजार 500 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने सभी नागरिकों से कहा कि वे प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से जुड़कर वे प्रदेश के विकास में सहभागी बने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अब अपनी जमीन के क्रय-विक्रय के पश्चात नामांतरण के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा।

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, कटनी, छतरपुर, पिपरिया, बैतूल, सागर, विदिशा एवं इटारसी में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें

0755-2760006, 0755-2551330

प्रमुख आकर्षण

- केंद्रीय की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारी
- विज्ञान की बातें

4 मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अटोटा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें प्रमुख बुक-स्टॉल्स पर उपलब्ध



डॉ. समीर शाह

बीबीसी के पहले भारतीय चेयरमैन बनेंगे

ब्रिटेन की सरकार ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (बीबीसी) के नए चेयरमैन के लिए भारतीय मूल के मीडियाकर्मी डॉ. समीर शाह का नाम तय किया है। समीर बीबीसी के चेयरमैन बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। समीर बीबीसी में पूर्व चेयरमैन रिचर्ड शार्प की जगह लेंगे, जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ बातचीत लीक होने के बाद अप्रैल 2023 में पद से हटा दिया गया था। डॉ. समीर शाह का कार्यकाल मार्च 2028 तक रहेगा। डॉ. समीर 40 वर्ष से अधिक समय से टेलीविजन पत्रकारिता से जुड़े हैं।

लालचंद राजपूत

संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य कोच बने

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) क्रिकेट बोर्ड ने भारत के पूर्व क्रिकेटर लालचंद राजपूत को यूएई की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। लालचंद राजपूत का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा, वे पाकिस्तान के मुदस्सर नजर की जगह लेंगे। बतौर मुख्य कोच लालचंद की पहली जिम्मेदारी आईसीसी क्रिकेट विश्वकप लीग-2 त्रिकोणीय सीरीज होगी, जिसमें यूएई का सामना कनाडा और स्कॉटलैंड से होगा। उल्लेखनीय है कि लालचंद राजपूत वर्ष 2007 में आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के मैनेजर सह कोच थे।

नासा ने

मंगल ग्रह पर बसने के लिए तैयार किया श्री डी ग्रह

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह पर मानवों को बसाने की तैयारी शुरू कर दी है। नासा के वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर बसने के लिए श्री डी ग्रह पर तैयार किए हैं। इस पर में मार्स वॉक से लेकर योग, व्यायाम करने और फसल उगाने की व्यवस्था भी की गई है।

मरियम नवाज

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बन गई हैं। 371 सदस्यों वाली पंजाब प्रांत की विधानसभा में मुख्यमंत्री पद के लिए हुए चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की मरियम नवाज ने सुन्नी इतेहाद काउंसिल के उम्मीदवार राणा आफताब अहमद को हराया। मरियम को 220 वोट मिले, जबकि आफताब को एक भी वोट नहीं मिला क्योंकि सुन्नी इतेहाद काउंसिल ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। उल्लेखनीय है कि मरियम ने वर्ष 2012 में राजनीति में कदम रखा था।

डैनी एल्वेस को

अदालत ने सुनाई साढ़े चार वर्ष की सजा

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर डैनी एल्वेस को स्पेन की एक अदालत ने यौन उत्पीड़न के मामले में साढ़े चार वर्ष की सजा सुनाई है। एल्वेस को वर्ष 2022 में बार्सिलोना के एक नाइट क्लब में एक महिला के यौन उत्पीड़न का दोषी पाया है। अदालत ने एल्वेस को सजा सुनाने के साथ यह भी आदेश दिया कि वे पीड़िता को एक लाख 50 हजार रुपये का भुगतान करें।

कोलंबिया में

316 वर्ष पुराने जहाज का खोज अभियान होगा शुरू

एटलांटिक महासागर में 316 वर्ष पहले डूबे स्पेनिश जहाज सैन होजे के मलबे और खजाने को पाने के लिए कोलंबिया की सरकार पानी के नीचे खोज अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान के तहत कोलंबियाई नौसेना के एक जहाज की निगरानी में एक रोबोट को समुद्र में भेजा जाएगा। यह रोबोट सैन होजे के बारे में जानकारी एकत्र करेगा और जहाज के मलबे के कुछ हिस्से को बाहर निकालेगा। ज्ञात रहे कि जहाज का मलबा समुद्र में 2 हजार फीट की गहराई में है।

खगोलविदों ने

अंतरिक्ष में खोजे तीन नए चंद्रमा

खगोलविदों ने हमारे सौर मंडल में तीन नए चंद्रमा (उपग्रहों) की खोज की है। इनमें से दो चंद्रमा वरुण (नेपच्यून) ग्रह तथा एक चंद्रमा अरुण (यूरेनस) ग्रह के चारों ओर चक्कर लगा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) के लघु ग्रह केंद्र ने बताया कि हवाई और चिली में दूरबीनों का उपयोग करके इन तीनों नए चंद्रमा को खोजा गया है। ये पहले अज्ञात थे। आईएयू ने कहा कि अब वरुण ग्रह का चक्कर लगा रहे चंद्रमाओं की संख्या 16 हो गई है, जबकि अरुण ग्रह के पास 28 चंद्रमा हो गए हैं।

लियोनल मेसी

अमेरिका के सबसे लोकप्रिय एथलीट चुने गए

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनल मेसी को हाल ही में किए गए एक सर्वे में अमेरिका का सबसे लोकप्रिय एथलीट चुना गया है। अमेरिकी खेलों के इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले मेसी पहले फुटबॉलर हैं। मेसी ने सबसे लोकप्रिय एथलीट बनने के मामले में अमेरिकी दिग्गज बास्केटबॉल खिलाड़ी माइकल जॉर्डन की बादशाहत खत्म कर दी है। मेसी अमेरिकी सॉकर लीग में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं।

उपग्रह इनसैट-3डीएस

पृथ्वी की कक्षा में हुआ स्थापित

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष विज्ञान में एक ओर सफलता प्राप्त करते हुए मौसम अवलोकन संबंधी उपग्रह इनसैट-3 डीएस को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसरो ने बताया कि इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ 14 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया था। इस मिशन के दौरान उपग्रह के सभी चार लिक्विड एंजोजी मोटर (एलएएसएम) फायरिंग पूरी हो गई है।

एलन मस्क

जल्द लॉन्च करेंगे ईमेल सर्विस एक्समेल

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अब ईमेल सर्विस शुरू करने जा रहे हैं। इस सर्विस को एक्समेल (xmail) नाम दिया गया है। करेंगे। माना जा रहा है कि एक्समेल गूगल की लोकप्रिय जीमेल सर्विस को टक्कर देगी। जीमेल के दुनियाभर में 1.8 बिलियन यूजर्स हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यह ईमेल सर्विस एक्स एप के साथ इंटीग्रेट रहेगी।

जानेक शॉपमैन

भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जानेक शॉपमैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हॉकी इंडिया ने बताया कि शॉपमैन ने एफआईएच प्रो लीग के घरेलू चरण में भारतीय महिला टीम का अभियान खत्म होने के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष विलीप तिकी को इस्तीफा सौंप दिया। ज्ञात रहे कि नीदरलैंड्स की राष्ट्रीय टीम के लिए खेल चुके शॉपमैन को वर्ष 2021 में शॉर्ड मॉरिन की जगह भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया था।

नेपाल में

एवरेस्ट के पर्वतारोहियों की चिप से होगी ट्रैकिंग

नेपाल जल्द ही माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले पर्वतारोहियों के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक चिप ले जाना अनिवार्य करेगा। नेपाल पर्यटन विभाग के निदेशक राकेश गुंगु ने कहा कि यह चिप पर्वतारोहण के दौरान किसी भी आपात स्थिति में बचाव अभियान में मददगार प्रमाणित होगी। इस चिप की कीमत 10 से 15 डॉलर होगी। उन्होंने बताया कि नेपाल सरकार इस वर्ष माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई शुरू होने से पहले ट्रैकिंग के लिए चिप को अनिवार्य करेगी।

साद अहमद वाराइच

भारत में पाकिस्तान के नए उच्चायुक्त बने

पाकिस्तान ने विदेश सेवा के अधिकारी साद अहमद वाराइच को भारत में पाकिस्तान का नया कार्यवाहक उच्चायुक्त नियुक्त किया है। वाराइच ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने एजाज खान का कार्यकाल पूरा होने के बाद उनकी जगह ली है। वाराइच न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के दूत रह चुके हैं।

फेलेटी टेओ

तुवालु के नए प्रधानमंत्री चुने गए

तुवालु में आम चुनाव के बाद फेलेटी टेओ को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। तुवालु में सरकार के सचिव तुफोआ पनापा ने बताया कि राजधानी फुनाफुटी में प्रधानमंत्री पद के लिए केवल एक उम्मीदवार को नामांकित किया गया, इसके बाद फेलेटी टेओ को निर्विरोध प्रधानमंत्री चुना गया। टेओ वेस्टर्न एंड सेंट्रल पैसिफिक फिशरिज कमीशन (डब्ल्यूसीपीएफसी) के कार्यकारी निदेशक भी रह चुके हैं। इसके अलावा टेओ तुवालु के पहले अटॉर्नी जनरल भी रह चुके हैं।

स्मृति शेष

प्रसिद्ध गजल गायक पद्मश्री पंकज उधास का निधन

भारत के प्रसिद्ध गजल गायक पद्मश्री से सम्मानित पंकज उधास का निधन हो गया है। उनकी बेटी ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि 72 वर्षीय पंकज लंबे समय से बीमार थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। पंकज ने वर्ष 1980 में गजल एल्बम 'आहत' से गायन की शुरुआत की, इसके बाद उन्होंने 'मुकरार', 'तरनुम' और 'महफिल' जैसे बेहतरीन एल्बम में अपनी आवाज दी। पंकज को फिल्म 'नाम' के गीत 'चिढ़ी आई है' से बेहद लोकप्रियता मिली। उनको वर्ष 2006 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

देश के दिग्गज वकील फली एस. नरीमन

भारतीय न्यायपालिका के पितामह कहे जाने वाले वरिष्ठ वकील फली एस. नरीमन का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। नरीमन ने देश के कई बड़े मामलों की पैरवी की है। नरीमन ने वर्ष 1950 में बॉम्बे हाईकोर्ट से वकालत शुरू की थी। नरीमन को अपने शानदार कैरियर के दौरान कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। इनमें वर्ष 1991 में पद्म भूषण, वर्ष 2007 में पद्म विभूषण सम्मान शामिल है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी का निधन

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मनोहर जोशी का निधन हो गया। 86 वर्षीय मनोहर जोशी ने मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में अंतिम सांस ली। मनोहर जोशी वर्ष 1995 से 1999 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का पद संभाला। मनोहर जोशी मई 2002 से अगस्त 2004 तक लोकसभा अध्यक्ष रहे।

जर्मनी के पूर्व फुटबॉलर एंड्रियास ब्रेहमे का निधन

जर्मनी को वर्ष 1990 में फीफा फुटबॉल विश्वकप जीतने वाले दिग्गज फुटबॉलर एंड्रियास ब्रेहमे का 63 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। फुटबॉल क्लब बायरन म्युनिख ने ब्रेहमे के निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका निधन हृदयघात से हुआ है। ब्रेहमे ने वर्ष 1980 और 1990 के दशक में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी का प्रतिनिधित्व किया है।

फिल्म निर्देशक

कुमार साहनी का निधन

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक कुमार साहनी का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। कुमार साहनी ने 'माया दपेण', 'तरंग', 'कस्बा' और 'चार अथाय्य' जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन किया है। इसके अलावा उन्होंने कई शॉर्ट फिल्में भी बनाई हैं। कुमार साहनी को वर्ष 1972, 1990 और 1991 में बेस्ट फिल्म का फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड्स मिले हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्कूल शिक्षा विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (म.प्र.)

राज्य शिक्षा केंद्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, असेरा हिल्स, भोपाल - 462011

दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क्रमांक/राशि/के/NTSE-NMMSS/2024/487

भोपाल, दिनांक : 28.02.2024

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून प्रवेश परीक्षा जून 2024

- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून, रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला अंत:सेवा शिक्षण संस्थान है यह कॉलेज 1922 में स्थापित हुआ था और इसका प्रमुख लक्ष्य छात्र एवं छात्राओं को सम्पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।
- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में आठवीं कक्षा में प्रवेश पाने के लिए छात्र एवं छात्राएं दोनों आवेदन करने के पात्र हैं। प्रवेश केवल आठवीं कक्षा में ही होता है। जनवरी, 2025 के सत्र में प्रवेश के लिए परीक्षा, देश के चुनिन्दा शहरों में 01 जून 2024 (शनिवार) को आयोजित की जायेगी।
- आयु सीमा-** जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश पाने के लिए उम्मीदवार की आयु 01 जनवरी, 2025 को 11-1/2 वर्ष से कम और 13 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उम्मीदवार का जन्म 02 जनवरी, 2012 से पहले और 01 जुलाई 2013 के बाद नहीं होना चाहिए।
- शैक्षिक योग्यता-** राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून के जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को प्रवेश के समय अर्थात् 01 जनवरी, 2025 को किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से सातवीं कक्षा में अध्ययनरत या सातवीं कक्षा पास किया होना जरूरी है।
- परीक्षा की रूपरेखा** - परीक्षा की रूपरेखा इस प्रकार है-
(क) **लिखित परीक्षा-** गणित (09.30-11.00 बजे तक) और सामान्य ज्ञान (12.00-13.00 बजे तक) और अंग्रेजी (14.30-16.30 बजे तक) 01 जून, 2024 (शनिवार) को होगी।
(ख) **मौखिक परीक्षा-** मौखिक परीक्षा की तारीख बाद में बता दी जायेगी। मौखिक परीक्षा में **परीक्षार्थी के बौद्धिक ज्ञान तथा व्यक्तित्व (पर्सनलिटी) का परीक्षण किया जायेगा।** मौखिक परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों की होगी जो लिखित परीक्षा में पास होंगे।
(ग) **स्वास्थ्य परीक्षण-** मौखिक परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को चुने हुए सैनिक अस्पतालों में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना होगा। जिन उम्मीदवारों का स्वास्थ्य ठीक पाया जाएगा केवल उन्हीं को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज में प्रवेश के लिए चुने जाने पर विचार किया जाएगा। उम्मीदवारों का स्वास्थ्य परीक्षण चयन प्रणाली का एक अंग है। इसका अर्थ यह नहीं लगाना चाहिए कि उम्मीदवार को अंतिम रूप से चुन लिया गया है। उम्मीदवार को तब तक अंतिम रूप से चुन लिया गया नहीं समझना चाहिए, जब तक इस संबंध में प्रवेशाधिकार निर्देश जारी नहीं हो जाते हैं और उन्हें राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में दाखिले के लिए चुने जाने की सूचना नहीं मिल जाती है।
(घ) केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चे लिखित परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा सम्बंधित कर्मचारी की पोस्टिंग राज्य/ मूल अधिवास राज्य में दे सकते हैं। उनके अधिवास राज्य का निर्धारण उनके मूल अधिवास राज्य के अनुसार होगा एवं उनकी उम्मीदवारी भी उनके मूल अधिवास राज्य के अनुरूप होगी। आवेदन पत्र उसी राज्य में जमा करना अनिवार्य है जहाँ से उम्मीदवार परीक्षा देना चाहता है।
(ङ) मौखिक परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों की होगी जो लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे। इन उम्मीदवारों की सूची सभी राज्य सरकारों को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज के द्वारा भेजी जाएगी।
(च) परीक्षा परिणाम आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट www.rimc.gov.in में अपडेट होता है, जिसकी जांच करने की जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।
- परीक्षा केन्द्र**
परीक्षा का केन्द्र म.प्र. राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल पिन-462038 (फोन नं. 0755-2735228) होगा।
- शुल्क-** वार्षिक शुल्क प्रथम वर्ष को छोड़कर सामान्य जाति के उम्मीदवारों के लिए रुपये 77500/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार के लिए रुपये 63900/- होता है। शुल्क समय-समय पर बढ़ सकता है। प्रथम वर्ष के वार्षिक शुल्क का विवरण इस प्रकार है।

क्रम संख्या	उम्मीदवार के प्रकार	वार्षिक शुल्क	जमानत राशि (प्रत्यर्पणीय)	कुल राशि	टिप्पणियाँ
1.	सामान्य जाति के उम्मीदवार	77500/-	30000/-	107500 /-	जमानत के रूप में 30,000/- रुपये जमा राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस की जाती है।
2.	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार	63900/-	30000/-	93900/-	जमानत के रूप में 30,000/- रुपये जमा राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस की जाती है।

- आवेदन पत्र** - आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्नपत्र राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, गढ़ी केन्द्र, देहरादून से प्राप्त कर सकते हैं :-
(क) **ऑनलाइन भुगतान के द्वारा** :- आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए **सामान्य जाति** के उम्मीदवार **रु. 600/-** एवं **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी** के उम्मीदवार **555/-** आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट www.rimc.gov.in से ऑनलाइन भुगतान करके भी प्राप्त कर सकते हैं। (भुगतान प्राप्त होने के बाद, आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र स्वीड पोस्ट से भेजे जायेंगे)।
या
(ख) **डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा** आवेदन पत्र और विवरण पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए **सामान्य जाति के उम्मीदवार रु. 600/-** एवं **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार 555/-** का बैंक ड्राफ्ट **कमांडेंट, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून** के नाम से भुगतान करके प्राप्त किया जा सकता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार के लिए जाति प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति भेजना अनिवार्य है। आवेदन पत्र स्वीड पोस्ट से भेजा जायेगा। आवेदक अपना पत्र व्यवहार का पूरा पता अंकित/ हस्तलिखित रूप से अंग्रेजी में, पोस्टल पिनकोड तथा फोन नंबर के साथ लिख कर भेजे। अपठनीय, अपूर्ण पता तथा डाक विलंब/नुकसान का उत्तरदायी राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून नहीं होगा।

नोट:-

- केवल राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज से प्राप्त आवेदन पत्र ही मान्य होंगे। बाजार में मिलने वाले या फोटोकॉपी किए गए तथा बिना होलोग्राम (मुहर) के आवेदन पत्रों की मान्यता नहीं होगी।
- आवेदन शुल्क की वापसी किसी भी दशा में नहीं होगी।
- दस्तावेज :-** आवेदन पत्र (दो प्रतियों में) निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ जमा होगा।
(क) जन्म प्रमाण-पत्र (नगर निगम, ग्राम पंचायत से)।
(ख) मूल-निवासी प्रमाण-पत्र।
(ग) अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र।
(घ) प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित वर्तमान कक्षा में अध्ययनरत का मूल रूप में फोटो सत्यापित किया हुआ प्रमाण पत्र।
(ङ) आवेदनपत्र के साथ उम्मीदवार का आधार कार्ड जमा करना अनिवार्य है। जमा न कर पाने पर उम्मीदवार का आवेदन पत्र रद्द कर दिया जायेगा।
(च) दो पासपोर्ट आकार की फोटो।
- अंतिम तिथि** - आवेदन पत्र **15 अप्रैल, 2024 तक** अथवा उसके पहले उस राज्य सरकार (जैसा कि प्रेस नोट में उल्लेखित किया गया हो) तक पहुँच जाना चाहिए। जहां उम्मीदवार के माता-पिता अथवा अभिभावक स्थाई रूप से रहते हैं। कृपया ध्यान दें कि **आवेदन पत्र दो प्रतियों में भरकर मध्यप्रदेश राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल-462038 के पास पहुँच जाने चाहिए। राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज देहरादून एवं राज्य शिक्षा केन्द्र को आवेदन पत्र न भेजें।**

जी-25232/49572/2024

संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल/

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1, ग्वालियर

निविदा विज्ञप्ति सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 52दिनांक : 29.02.2024

म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से म.प्र. की ओर से निम्नांकित कार्यो हेतु सड़क/भवन दिनांक 25.03.2022/15.09.2022 तथा निविदा सूचना जारी होने तक उसमें किये गये संशोधन सहित मोहरबन्द निविदायें नवीन निविदा फार्म 2.10 में आमंत्रित की जाती हैं, प्रपत्र में दर्शाये गये कार्यालय में निविदायें डाक अथवा स्वीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जावेंगी। पोस्टल विलम्ब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. Annual Repairing & Maintenance Work in New High Court Section Under H.Q.2 Sub Division Gwalior

निविदा प्रपत्र की राशि एवं फार्म	ठेके की अनुमा. लागत (लाख में)	कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं दिनांक	1. निविदा प्राप्ति का दिनांक 2. कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. सं. क्र. 1	1. निविदा खोलने का दिनांक 2. कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. सं.क्र. 1	1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्र.
2000/- "अ"	9.90/- 19800/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. A/R Work, Maintenance Work And Renovation Work Including W/W, C/W, Distempering Work At Hon'ble Minister Bungalow No. 38 Race Course Road Gwalior Under Agriculture Section H.Q.1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	9.90/- 19800/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. W/W, C/W Work And Other Maintenance Work Kitchen, Store, Boundary in VIP Circuit House And 3 Hon'ble Minister Bungalow Under Agriculture Section H.Q.1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	4.99/- 9980/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	---------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. Landscaping And Horticulture, Jungal Clearing in VIP Circuit House Morar And Other Repair Work Under H. Q.1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	5.00/- 10000/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. Maintenance Work of Hon'ble High Court Judges Bungalow No. 17-B, Gandhi Road Under Bungalow Section H.Q.1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	9.96/- 19920/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. Additional And Altration Work At Hon'ble Minister Bunglows Under Agriculture Section H. Q.1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	9.98/- 19960/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. Maintenance Work of Old Rest House, Gandhi Road Under Bungalow Section H.Q.1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	5.00/- 10000/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. Maintenance Work of VIP Bunglows Under H.Q.1 And 8 H.Q.2 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	9.98/- 19960/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 9. Repairing And Maintenance And Other Work New M.B.A. Building C & D Type EVM Machine Strong Room And Girls Common Room Building in M.L.B. College Campus in Under M.L.B Section H.Q.2 Sub Division Gwalior.

2000/- "अ"	9.98/- 19960/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 10. Barricading/Railling Work For VIP Visit Under H. Q. 1 And H.Q.2 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	9.99/- 19980/-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

क्र. एवं कार्य का नाम :- 11. Barricading/Railling Wotk For VIP Visit Under C-1 Sub Division Gwalior

2000/- "अ"	9.99/- 19980 /-	05.03.2024	06.03.2024	07.03.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
------------	-----------------	------------	------------	------------	-----------------------------------

कुल कार्य - 11 (अधिकतम अनुमानित लागत राशि रुपये 9.99 लाख)

टीप - शेष शर्तें कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखी जा सकती हैं ।

कार्यपालन यंत्री

जी-25175/49566/2024

लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1, ग्वालियर

मुरैना में नेत्र शिविर सम्पन्न

मोतियाबिंद-टीबी से मुरैना और श्योपुर को मुक्त करायेंगे

मुरैना, मुरैना जिले के पोरसा विकासखंड के ग्राम किरांचिच में इफको द्वारा आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में मुरैना-श्योपुर जिले को मोतियाबिंद और टीबी से जल्द ही मुक्त करायेंगे। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंधाना ने कहा कि प्रदेश एवं देश में तीव्र विकास के लिये सभी का निरोगी होना आवश्यक है। कार्यक्रम में 254 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। साथ ही हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किये गये।

विभागासभा अध्यक्ष श्री तोमर ने बताया कि मुरैना-श्योपुर क्षेत्र को मोतियाबिंद एवं टीबी से मुक्त कराने के लिये विगत वर्षों से अनिरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार उपचार के लिये 6 माह की निशुल्क दवा और पौष्टिक

आहार की डलिया भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिये पौष्टिक अन्न की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राकृतिक खेती के रकबे को बढ़ाना जरूरी है। इसके लिये रासायनिक उर्वरकों का उपयोग न्यूनतम करना चाहिए, जिससे कि जमीन की उर्वरा शक्ति बनी रहे और खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता भी बरकरार रहे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया इफको कंपनी द्वारा निर्मित नैनो (तरल) यूरिया का उपयोग करें।

कृषि मंत्री श्री कंधाना ने कहा कि क्षेत्र में नेत्र शिविरों का आयोजन करवाकर पुण्य का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी स्वस्थ रहेंगे तो देश और प्रदेश तेजी से प्रगति करेगा। मंत्री श्री कंधाना ने जनता से अनुरोध किया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिये संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री श्री मोदी के सपने को साकार करने में आगे बढ़कर कार्य करना है।

कार्यालय कलेक्टर
(सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण) जिला बड़वानी
संशोधित विज्ञप्ति

क्रमांक/स्था./जि.वि.पुन.के./2024/207बड़वानी, दिनांक : 07.02.2024

उप सचिव मध्यप्रदेश शासन सामाजिक एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक/2475/1306216/23/26-2 भोपाल दिनांक 23.08.2023 में प्रदत्त निर्देशों के पालन में बड़वानी जिले में भारत सरकार की नवीन गाइड लाइन अनुसार 01.04.2022 की गाइड अनुसार जिला दिव्यांग पुनर्वासि केन्द्र जिला बड़वानी में निम्नानुसार रिक्त पदों पर एक वर्षीय संविदा नियुक्ति की पदपूर्ति हेतु नवीन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं **आवेदन पत्र कार्यालय में प्राप्त होने की अंतिम तिथि विज्ञापन जारी होने के 15 दिवस के अंदर :-**

क्र.	पदनाम	पद संख्या	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	स्वीकृत मानदेय प्रतिमाह
1.	क्लीनिकल मनोचिकित्सक (साईकलॉजिस्ट)/पुनर्वासि चिकित्सक	01	क्लीनिकल मनोचिकित्सक क. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में व्यावसायिक डिप्लोमा। पुनर्वासि मनोचिकित्सक क. पुनर्वासि मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. पुनर्वासि मनोचिकित्सा में ग्रेजुएट पोस्ट डिप्लोमा (PGDRP) (संबंधित क्षेत्र में तीन वर्ष का अनुभव)	20500
2.	वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट/ ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट	01	फिजियोथेरेपिस्ट 01 अनिवार्य योग्यता (BPT) आक्युपेशनल थेरेपिस्ट 01 अनिवार्य योग्यता (BOT) (संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव)	20500
3.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ ऑर्थोटिस्ट	01	(BPO) में स्नातक (RCI) से पंजीकृत (संबंधित क्षेत्र में तीन वर्ष का अनुभव)	20500
4.	सीनियर स्पीच थेरापिस्ट ऑडियोलॉजिस्ट	01	ऑडियोलॉजी और स्पीच एंड लैंग्वेज पैथोलॉजी (BASLP) में स्नातक या बी.एससी स्पीच एंड हियरिंग (संबंधित क्षेत्र में तीन वर्ष का अनुभव)	20500
5.	प्रोस्थेटिस्ट/ऑर्थोटिस्ट (टेक्नीशियन)	01	पी एंड ओ में डिप्लोमा या 03 साल के अनुभव के साथ पी एंड ओ में प्रमाण पत्र	16,000
6.	हियरिंग असिस्टेंट जूनियर स्पीच थेरापिस्ट (ईयर मोल्ड टेक्नीशियन)	01	वाक एवं श्रवण में डिप्लोमा/हियरिंग लैंग्वेज और स्पीच में डिप्लोमा (DHLS) (संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव)	16,000
7.	मोबिलिटी इन्स्ट्रक्टर	01	दसवीं + गतिशीलता में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा, पात्रता अधिमानत गतिशीलता विज्ञान में स्नातक (BMSC) या दृष्टिबाधिता में विशेष शिक्षा में डी.एड./बी.एड. (संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव)	14500
8.	मल्टिपरपज रिहैबिलिटेशन वर्कर	01	समुदाय आधारित पुनर्वासि में पोस्ट ग्रेजुएट (PGDCBR)/ समुदाय आधारित पुनर्वासि में (DCBR)/ समुदाय आधारित समावेशी विकास (CBID)/(MRW) में डिप्लोमा	14500
9.	एकाउन्टेंट कम क्लर्क कम स्टोर कीपर	01	दो वर्षों के अनुभव सहित (बी.कॉम/एस.ए.एस.)	14500
10.	वोकेशनल काउंसलर कम कम्प्यूटर असिस्टेंट	01	व्यावसायिक पुनर्वासि में डिप्लोमा (डीवीआर)/ बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा एडीसीजीसी/पुनर्वासि विज्ञान में स्नातक (संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव)	14500
11.	ट्रान्स डिस्प्लिनरी स्पेशल एड्युकैटर (एम.आर.)	02	दो पद के लिये पात्रता (1) श्रवण बाधिता में डीईडीएसई/ बीईडीएसई (2) बीआई/आईडी/सीपी/एसडी/एमडी/डीबी/एसएलटी में डीईडीएसई/बीईएसई (संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव)	16000
12.	चौकीदार	01	8वीं पास	8000 (कलेक्टर दर पर अकुशल श्रमिक)

विस्तृत विवरण :- BPT :- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी/BOT बैचलर ऑफ ऑक्युपेशनल थेरेपी BSC :- बैचलर ऑफ साईंस/बीआई :- विजुअल इमैयर्ड/आईडी :- इटैलेक्चुअल डिसएबिलिटी/सीपी :- सेरिबल पाल्सी/एसएसडी :- ऑस्ट्रिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर/एमडी :- मल्टी डिसएबिलिटी/एसएलटी :- स्पेसिफिक लर्निंग डिसएबिलिटी

नियुक्ति संबंधी शर्तें :-

1. यह नियुक्ति पूर्णतः संविदा पर एक वर्ष के लिये रहेंगी, किसी भी एक पक्ष द्वारा एक माह के नोटिस पर किसी भी समय सेवासमाप्त की जा सकती है। एक वर्ष पश्चात सेवाएं संतोषप्रद पाये जाने पर समिति पुनः सेवा में वृद्धि कर सकेंगी।
2. चरित्र सत्यापन में अयोग्य पाए जाने पर बिना सूचना के नियुक्ति समाप्त कर दी जावेगी। जिला मेडीकल बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र में अयोग्य घोषित किये जाने पर नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।
3. नियुक्त व्यक्ति के शैक्षणिक एवं अन्य अर्हताएं संबंधी प्रमाण पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि एवं गलत पाये जाने पर सेवाएं समाप्त कर दी जावेगी।
4. नियुक्ति आदेश जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के भीतर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा, अन्यथा जारी आदेश स्वमेव निरस्त माना जाकर, प्रतिकाश सूचि में वरीयता अनुसार अभ्यार्थी को नियुक्ति प्रदान की जावेगी।
5. प्रतिभागियों का चयन शैक्षणिक योग्यता में प्राप्त प्रामाणिक एवं अनुभव के आधार पर तय की गई मेरिट एवं साक्षात्कार के आधार पर किया जावेगा। शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव के आधार पर गणना की जाकर मेरिट सूची तैयार की जावेगी।
6. सभी पदों हेतु जीवित रोजगार पंजीयन होना आवश्यक है।
7. चयन सूची की वैधता सामान्यतः 01 वर्ष के लिए वैध रहेगी।
8. चयन प्रक्रिया में चयन समिति द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम व मान्य होगा।
9. संविदा पर नियुक्त संविदाकर्मी संविदा के दौरान संविदा नियुक्ति छोड़ना चाहता है उसे संविदा त्याग करने के 30 दिवस पूर्व का नोटिस देना अनिवार्य होगा अथवा एक माह का पारिश्रमिक मानदेय पदस्थी कार्यालय में जमा करना होगा।
10. संविदा पर नियुक्त संविदाकर्मी को 100 रुपये के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर संबंधित नियोक्ता के साथ काररनामा प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
11. उक्त पद एकांकी होने से आरक्षण प्रावधानों से मुक्त रहेंगे। रिक्त पद पूर्णतः संविदा है, शासन पक्ष के विरुद्ध न्यायालय में कोई प्रकरण प्रस्तुत करने पर स्थिति शून्य मानी जावेगी। आवेदनकर्ता अपना आवेदन पत्र मय फोटो तथा समस्त आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति (राज्यांत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित) सहित एक लिफाफा स्वयं का पूर्ण पता लिखकर आवश्यक डाक टिकिट लगाकर **विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक से 15 दिवस के अंदर** आवेदन पत्र को कार्यालयीन समय में डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर जिला कार्यालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, “जिला दिव्यांग पुनर्वासि केन्द्र नवीन भवन आशाग्राम बड़वानी में प्रस्तुत कर सकते हैं। लिफाफे पर जिस पद हेतु आवेदन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग सीहोर (म.प्र.)

दुल्हा बादशाह रोड सीहोर फोन नं. 07562-222701

निविदा सूचना क्रमांक 15/2023-24

दिनांक : 20.02.2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. विशेष मजबूतीकरण हेतु भोपाल देवास आष्टा शहरी क्षेत्र, मार्ग लंबाई 2.85 कि.मी., दौराहा नगरीय क्षेत्र लंबाई 1.60 कि.मी. एवं खामखेड़ा जत्रा पहुंच मार्ग लंबाई 1.10 कि.मी. कुल लंबाई - 5.55 कि.मी. (7 मीटर चौड़ाई में)

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत किये जाये।
2024_PWDRB_335331_I	सीहोर	विशेष मजबूतीकरण सड़क कार्य	प्रथम कौल	396.20	केवल ऑनलाइन
2. विशेष मजबूतीकरण हेतु भोपाल देवास आष्टा शहरी क्षेत्र, मार्ग लंबाई 2.85 कि.मी., दौराहा नगरीय क्षेत्र लंबाई 1.60 कि.मी. एवं खामखेड़ा जत्रा पहुंच मार्ग लंबाई 1.10 कि.मी. कुल लंबाई - 5.55 कि.मी. (7 मीटर चौड़ाई में)					
2024_PWDRB_335333_I	सीहोर	विशेष मजबूतीकरण सड़क कार्य	प्रथम कौल	225.64	केवल ऑनलाइन
3. बिलपान से देवबड़ला मार्ग का निर्माण लंबाई 3.20 कि.मी.।					
2024_PWDRB_335337_I	सीहोर	सड़क कार्य	प्रथम कौल	345.70	केवल ऑनलाइन
4. ग्राम जहांगीरपुरा भोलेनाथ मंदिर से ग्राम तक रोड का निर्माण लंबाई 1.50 कि.मी.।					
2024_PWDRB_335342_I	सीहोर	सड़क कार्य	प्रथम कौल	253.74	केवल ऑनलाइन

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की **अंतिम तिथि 07.03.2024 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-24756/49550/2024लो.नि.वि.सं. सीहोर म.प्र. फोन - 07562-222701

कार्यालय मध्यप्रदेश वाणिज्यिक कर अपील बोर्ड

59, जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल

दूरभाष क्रमांक 0755-2570008, फैक्स - 2767015

शासकीय/अर्द्धशासकीय/सेवानिवृत्त कर्मचारियों की संविदा हेतु विज्ञप्ति

क्रमांक वाकअबो/स्था/2024/भोपाल, दिनांक.....
म.प्र. वाणिज्यिक कर अपील बोर्ड, भोपाल कार्यालय में निम्नलिखित पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति से किये जाने हेतु म.प्र. शासन के विभिन्न विभागों के (शासकीय/अर्द्धशासकीय) सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आवेदन आमंत्रित हैं :-

क्र.	पद का नाम	पद का वेतनमान	पद संख्या
1.	लेखापाल (अनारक्षित)	25300-80500 (पे मैट्रिक्स लेवल-06) 5200-20200+2400 (6वां वेतनमान)	01

शर्तें :- प्रतिनियुक्ति पर आने वाले लेखापाल को उनके मूल विभाग में सेवानिवृत्त के समय प्राप्त वेतन भत्ते में से पेंशन की राशि कम करते हुये शेष राशि वेतन के रूप में प्राप्त होंगे लेखा प्रशिक्षित तथा आई.एफ.एम.एस. पर कार्य करने के अनुभव वाले को प्राथमिकता दी जायेगी। संविदा अवधि में म.प्र. शासन के संविदा नियम एवं शर्तें लागू होंगी। आवेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित (दूरभाष क्रमांक सहित) सीधे रजिस्ट्रार को दिनांक **15.03.2024 तक** प्रेषित करें।

जी-24826/49551/2024

रजिस्ट्रार

प्रस्तुत किया जा रहा है, उसका स्पष्ट उल्लेख करें। नियत अवधि के पश्चात प्रस्तुत आवेदनों पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।

उप संचालक
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण
जिला बड़वानी

आवेदन पत्र

प्रति,

- सचिव एवं उपसंचालक
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण
जिला बड़वानी (म.प्र.)
1. पदनाम (जिसके लिये आवेदन किया है) :-
2. अभ्यर्थी का पूरा नाम (क) हिन्दी में :-
- (ख) अंग्रेजी में :-
3. जन्मतिथि अंकों में :-
4. पिता का नाम :-
5. स्थायी पता :-
6. पत्र व्यवहार का पता :-
7. शैक्षणिक योग्यता :-

क्र.	परीक्षा का नाम	वर्ष	मंडल/वि.वि./संस्था का नाम	प्रतिशत	अनुभव

8. अनुभव :-
9. अन्य कोई जानकारी देना चाहे :-
- नोट :-** हाईस्कूल/हायर सेकण्डरी/स्नातक/अनुभव व अन्य प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करें।

घोषणा पत्र

मैं एतद् घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा उपरोक्तानुसार दी गई जानकारी सत्य है।
स्थान :-

अभ्यर्थी के हस्ता.

पूरा नाम.....

फोन नं./मोबाइल नं.....

जी-24778/49549/2024

कार्यालय मुख्य अभियंता

लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 42/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2023-24 भोपाल, दिनांक : 21.02.2024

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. नीमच जिले के रेलवे समपार क्रमांक-120 (रतलाम चन्देरिया के रेल सेक्शन के कि.मी. 241/15-16) नीमच-छोटी सादडी मार्ग पर इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग कार्य सहित रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य।

टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आयंत्रण क्र.	ई.एम.डी. राशि एवं टेंडर फीस तथ्या निविदा से संबंधित सम्पूर्ण (रु. लाख में)	अनु. राशि दस्तावेज जमा करने हेतु।
2024_PWDRB_335532_1	नीमच	पुल कार्य	चतुर्थ	3453.15	केवल ऑन-लाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. देवास जिले के अंतर्गत मेढ़की मार्ग से कैलादेवी मंदिर रेलवे समपार क्रमांक-31 मार्ग के कि.मी. 43/00-03 पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य, 33 के.व्ही/1 के.व्ही. लाइन विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं सेन्ट्रल लाइटनिंग कार्य सहित निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_335533_1	देवास	पुल कार्य	प्रथम	2551.29	केवल ऑन-लाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. हरदा जिले के अंतर्गत बिचोला से खरदाना मार्ग में अजनाल नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमनीय पुल निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_335534_1	हरदा	पुल कार्य	तृतीय	1267.52	केवल ऑन-लाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. पन्ना जिले के उमरहट मेहा मार्ग में केन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमनीय पुल निर्माण सुपक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।					
2024_PWDRB_335535_1	पन्ना	पुल कार्य	षष्ठः	842.48	केवल ऑन-लाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. हरदा जिले में आदमपुर में सुरजना मार्ग में बाकुड नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमनीय पुल निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_335536_1	हरदा	पुल कार्य	चतुर्थ	682.96	केवल ऑन-लाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. हरदा जिले में झुगरिया से मनोहरपुरा मार्ग में बाकुड नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमनीय पुल निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_335537_1	हरदा	पुल कार्य	चतुर्थ	582.86	केवल ऑन-लाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. हरदा जिले में नीमागंव से झाडावा मार्ग पर अजनाल नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमनीय पुल निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_335538_1	हरदा	पुल कार्य	चतुर्थ	582.31	केवल ऑन-लाइन
कुल योग				9962.57	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 13.03.2024 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-24986/49553/2024
लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

कार्यालय संचालक, राज्यस्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण)

पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल

प्रदेश के पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के प्रशिक्षणार्थियों का राज्य सेवा परीक्षा 2021 हेतु (मॉक इण्टरव्यू) साक्षात्कार की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु विज्ञापन

आवेदन की अंतिम तिथि 15 मार्च 2024

म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2021 में उत्तीर्ण एवं साक्षात्कार हेतु अर्हता रखने वाले म.प्र. के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अधिकतम 01 माह की अवधि का निःशुल्क (मॉक इण्टरव्यू) साक्षात्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालय संचालक राज्यस्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में 19 मार्च 2024 से 18 अप्रैल 2024 तक अथवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंजीकृत अंतिम आवेदक का साक्षात्कार होने तक जो भी पूर्व में पूर्ण हो, तक आयोजित किया जायेगा। पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार संलग्न आवेदन में अपनी जानकारी भरकर दिनांक 15 मार्च 2024 तक कार्यालय संचालक, राज्यस्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र (पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण) पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल-462003 के पते पर व्यक्तिगत रूप से या ई-मेल dir.setc@mp.gov.in के माध्यम से कार्यालयीन समय व दिवस में भेज कर सम्पर्क कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप विभाग की वेबसाइट www.bcwelfare.mp.nic.in पर उपलब्ध है।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की शर्तें :-

- आवेदक म.प्र. का मूल निवासी हो व म.प्र. शासन द्वारा घोषित पिछड़े वर्ग/अल्पसंख्यक वर्ग का सदस्य हो।
- आवेदक के अभिभावक/पालक एवं स्वयं की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय क्रीमीलेयर की सीमा (रुपये 8.00 लाख) से अधिक न हो।
- आवेदक म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2021 उत्तीर्ण हो (रिजल्ट की छायाप्रति संलग्न करें) एवं (मॉक इण्टरव्यू) साक्षात्कार हेतु आवश्यक न्यूनतम अर्हताएं रखता हो।
- आवेदक को आगामी राज्य सेवा परीक्षा (मॉक इण्टरव्यू) साक्षात्कार 2021 में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
- पिछड़ा वर्ग हेतु जाति प्रमाण पत्र केवल अधिकृत राजस्व अधिकारी के ही मान्य किये जावेंगे।
- अल्पसंख्यक वर्ग हेतु अल्पसंख्यक वर्ग में सम्मिलित होने संबंधी स्वयं का घोषणा पत्र मान्य होगा।
- आय प्रमाण पत्र के लिए स्वयं का घोषणा पत्र मान्य होगा।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों को पंजीयन हेतु तथा संलग्न अभिलेखों के परीक्षण हेतु प्रशिक्षण केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
- पंजीयन के समय कौशनमनी रुपये 500/- जमा करना अनिवार्य होगा जो प्रशिक्षण समाप्ति पर रसीद जमा करने पर वापिस कर दी जावेगी।
- अपूर्ण, अस्पष्ट एवं अंतिम तिथि के पश्चात आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
- पंजीयन हेतु आवेदकों को प्रशिक्षण केन्द्र तक आने-जाने का किराया एवं अन्य व्यय स्वयं वहन करने होंगे।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत साक्षात्कार हेतु उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों में से महिला आवेदकों को छात्रावास सुविधा दी जावेगी एवं पुरुष आवेदकों को छात्रावास में स्थान रिक्त होने की स्थिति में प्रशिक्षण अवधि हेतु उपलब्ध कराया जावेगा।

संचालक
राज्यस्तरीय रोज. एवं प्रशि. केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अ.सं.क.), भोपाल, दूरभाष - (0755) 2763284

कार्यालय संचालक, राज्यस्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण)

आवेदन का प्रारूप
प्रशिक्षण का नाम :- राज्य सेवा परीक्षा-2021 के (मॉक इण्टरव्यू) साक्षात्कार

- आवेदक का नाम

आवेदक का फोटो जो स्व-हस्ताक्षरित हो

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)

लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म.प्र.)

NIT No. 05/2024/Centralized Tender/G/APD Jabalpur, DATED - 20.02.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास विकासखण्ड निवास जिला मण्डला का 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन में उन्नयन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	ठेके की अनु. लागत पी.ए.सी. (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय वर्षाकाल सहित	कार्यालय का नाम जहां ई.एम.डी. एवं विड प्राप्त की जावेगी।	निविदा की श्रेणी/ निविदा काल
2024_PWPIU_335926_1	882.99	882990/-	20000/-	18 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. विकासखण्ड मोहरांव जिला मण्डला में 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन मय 60 सीटर बालक व बालिका छात्रावास भवन, 01 नग एच टाइप एवं 04 नग आई. टाइप आवासगृहों का भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_335927_1	1161.57	1000000/-	30000/-	24 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)
---------------------	---------	-----------	---------	----------------------	--	--

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. विकासखण्ड घुघरी, जिला मण्डला में 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन मय 60 सीटर बालक व बालिका छात्रावास भवन, 01 नग टाइप, 02 नग एच टाइप एवं 04 नग आई. टाइप आवासगृहों का भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_335928_1	1161.57	1000000/-	30000/-	24 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)
---------------------	---------	-----------	---------	----------------------	--	--

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. विकासखण्ड मवई, जिला मण्डला में 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन मय 60 सीटर बालक व बालिका छात्रावास भवन, 01 नग टाइप, 02 नग एच टाइप एवं 04 नग आई. टाइप, आवासगृहों का भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_335929_1	1161.57	1000000/-	30000/-	24 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)
---------------------	---------	-----------	---------	----------------------	--	--

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. विकासखण्ड नारायणगंज, जिला मण्डला में 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन मय 60 सीटर बालक व बालिका छात्रावास भवन, 01 नग एफ टाइप, 02 नग एच टाइप एवं 04 नग आई. टाइप, आवासगृहों का भवन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_335930_1	1161.57	1000000/-	30000/-	24 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)
---------------------	---------	-----------	---------	----------------------	--	--

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. विकासखण्ड बीजाडांडी, जिला मण्डला में 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन मय 60 सीटर बालक व बालिका छात्रावास भवन, 01 नग एफ टाइप, 02 नग एच टाइप एवं 04 नग आई. टाइप, आवासगृहों का भवन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_335931_1	1161.57	1000000/-	30000/-	24 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)
---------------------	---------	-----------	---------	----------------------	--	--

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 24.02.2024 समय 9.00 बजे से दिनांक 05.03.2024 समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
जी-24954/49552/2024
लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म.प्र.)

- पिता/पति का नाम
- निवास का वर्तमान पता
- स्थाई पता (पिन कोड सहित)
- दूरभाष/मोबाइल क्र.
- जन्मतिथि
- मूल निवास स्थान
- पिछड़ा वर्ग जाति/उपजाति
- अथवा अल्पसंख्यक वर्ग जाति/उपजाति
- पारिवारिक वार्षिक आय (समस्त स्रोतों से)
- आवेदक के बैंक खाते का विवरण
- मुख्य परीक्षा का रिजल्ट/अनुक्रमांक/
- शैक्षणिक योग्यताएं -

क्र.	शैक्षणिक स्तर	उत्तीर्ण वर्ष	बोर्ड/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	विशेष
1.	हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी (जन्मतिथि हेतु)					
2.	स्नातक					

नोट -क्रमांक 06 से 12 के समर्थन में अभिलेखों की स्वप्रमाणित सत्यप्रतियां संलग्न करें।

स्थान :-
दिनांक :-
आवेदक के हस्ताक्षर
पूरा नाम.....

घोषणा-पत्र

मैं निष्ठापूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि :-

- मेरे द्वारा आवेदन पत्र में दी गई जानकारी तथ्यों पर आधारित एवं सत्य है।
- मेरे ऊपर न्यायालय में किसी प्रकार का आपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
- प्रशिक्षण अवधि में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता करने पर मेरा प्रवेश तत्काल निरस्त किया जा सकेगा।

स्थान :-
दिनांक :-
आवेदक के हस्ताक्षर
पूरा नाम.....

जी-25025/49554/2024

कार्यालय अधीक्षण यंत्री

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मण्डल नर्मदापुरम

Office Email ID : seresnarmda@mp.gov.in, Office Phone No. 07574-250166

क्र. 309/निविदा/ग्रा.यां.से./2024नर्मदापुरम, दिनांक : 26.02.2024

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 07/2023-24 (प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से जन विकास निर्माण कार्यों की ऑनलाइन मोहबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म “ए” (Appendix 2.10) पर जिला बैतूल एवं नर्मदापुरम की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केंद्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी टेकेंदारों से तीन कवर पद्धति में ग्रायांसे में प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) दर के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम के कार्यालय में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	संभाग का नाम	कार्य का नाम	निविदा की अनु. लागत (रु. लाख में)
1.	2024_RES_337372	बैतूल	ग्रा.पं. कामोद में पुलिया निर्माण काशी के खेत के पास नाले पर	52.21
2.	2024_RES_337373	बैतूल	ग्रा.पं. टाहली में पुलिया निर्माण देवठान से मिर्जापुर रोड पर।	52.36
3.	2024_RES_337374	बैतूल	ग्राम पंचायत देवगांव में तालाब निर्माण गन्नु के खेत के पास।	53.75
4.	2024_RES_337375	नर्मदापुरम	ग्राम हथवात शोभापुर रोड से हरियाली कॉलोनी की ओर से टोला जाने वाली सड़क निर्माण हेतु (काबरा एगो के बाजू से)	55.43
5.	2024_RES_337376	मुलताई	ग्राम पंचायत सावरी में सावरी से नांगदेव मंदिर जी.एस.बी. सड़क	56.88
6.	2024_RES_337377	बैतूल	ग्राम पंचायत केकडियाकला में ग्रेवल मार्ग रोहनीखेड़ा से चिवल	57.44
7.	2024_RES_337378	मुलताई	ग्रा.पं. पुसली में ढाने से पचधार एक बड़ी पुलिया मार्ग 2 कि.मी.	58.78
8.	2024_RES_337379	मुलताई	ग्राम पंचायत परमंडल में परमंडल से बाडेगांव जी.एस.बी. सड़क	61.42
9.	2024_RES_337380	बैतूल	ग्राम पंचायत बारव्ही में गुडी रोड भाबर ग्रेवल मार्ग 3.38 किमी	62.73
10.	2024_RES_337381	मुलताई	माडवी में तालाब के पास से पांडुर्या तक ग्रेवल मार्ग पुलिया सहित	64.16
11.	2024_RES_337382	नर्मदापुरम	पांजराकला मुख्यमार्ग से ग्राम मेहराघाट पम्प हाउस मार्ग निर्माण	68.38
12.	2024_RES_337383	बैतूल	ग्रा.पं. रंभा में सुदूर मार्ग रंभा से झगरी पानी मार्ग 3 पुलिया सहित 2 कि.मी.	68.61
13.	2024_RES_337384	बैतूल	ग्रा.पं. बेला में हाईवे भूरापानी जोड़ से डोल बेला मार्ग लं. 3 कि.मी.	69.44
14.	2024_RES_337385	बैतूल	ग्रा.पं. बटकी में ग्रेवल ग्राम चौरा से ढाबन ढाना 2.5 कि.मी.	74.96
15.	2024_RES_337386	नर्मदापुरम	ग्राम तिनस्या से बेरखेड़ी पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	76.18
16.	2024_RES_337387	मुलताई	ग्राम पंचायत एनस में एनस से जौलखेड़ा जी.एस.बी. सड़क	77.55
17.	2024_RES_337389	नर्मदापुरम	ग्राम बांद्राभान में पिचिम निर्माण कार्य	77.59
18.	2024_RES_337390	नर्मदापुरम	ग्राम शिवपुर, ग्राम शिवपुर से बायपास मार्ग (1600 मीटर)	78.67
19.	2024_RES_337391	मुलताई	ग्राम पंचायत बिरोली झिल्पा में कोंडर से चिचंडा जी.एस.बी. निर्माण	78.96
20.	2024_RES_337392	बैतूल	ग्रा.पं. कामसारा खण्डी में ग्रेवल मार्ग ग्राम पडार से माथनी की ओर	80.16
21.	2024_RES_337393	मुलताई	ग्राम पंचायत रिधोरा में रिधोरा से मयावाड़ी जी.एस.बी. सड़क	80.78
22.	2024_RES_337394	बैतूल	ग्रा.पं. गुरूवा में ग्रेवल मार्ग गुरूवा से महुढाना सांगवानी जोड़	81.07
23.	2024_RES_337395	मुलताई	ग्राम पंचायत निम्बोटी में मल्हारा से पवारढाना जी.एस.बी. सड़क	84.26
24.	2024_RES_337396	मुलताई	ग्राम पंचायत चिल्लाटी में चिचंडा से चिल्लाटी व्याहा रेलवे स्टेशन जी.एस.बी. सड़क का निर्माण	87.25
25.	2024_RES_337397	बैतूल	ग्राम पंचायत बासिंदा में ग्रेवल मार्ग बासिंदा सुखाढाना से बडाकोल	92.97
26.	2024_RES_337398	बैतूल	ग्राम पंचायत चांदू से सुदूर सड़क गाडागोहान से उमड़ा मार्ग पर	97.17
27.	2024_RES_337399	बैतूल	ग्रा.पं. कुण्डमबकाजन में ग्रेवल मार्ग रामप्रसाद के घर से मेन रोड हाईस्कूल दनोरा 4 किमी.	97.13
28.	2024_RES_337401	बैतूल	ग्रा.पं. चांदू में सुदूर सड़क निर्माण ग्राम कोकाढाना से जागो के खेत तक	100.77
29.	2024_RES_337402	बैतूल	ग्राम पंचायत डोडाजाम में ग्रेवल मार्ग बिजोरी से उतरी जोड़	102.4
30.	2024_RES_337403	बैतूल	ग्राम पंचायत बटकी में ग्रेवल मार्ग 3 कि.मी. रतन के खेत से चावडीपाट मेल मार्ग	108.00
31.	2024_RES_337404	बैतूल	ग्राम पंचायत बासिंदा में ग्रेवल मार्ग पुलिया सहित भोदलाखेड़ा की ओर	109.31
32.	2024_RES_337405	बैतूल	ग्रा.पं. चिल्लौर में ग्रेवल मार्ग भवईपुर मेघनाथढाना से चिल्लौर	110.12
33.	2024_RES_337406	नर्मदापुरम	पिपरिया बेरसेवा इंटरनेशनल स्कूल बनवारी रोड को जोड़ने वाला गोहा निर्माण	125.65
34.	2024_RES_337407	बैतूल	ग्रा.पं. केकडियाकला में ग्रेवल मार्ग केकडिया से चिवल तक 4 कि.मी.	146.99
35.	2024_RES_337408	नर्मदापुरम	ग्राम गुढ़ला में दुकान से नर्मदाजी की ओर सड़क, नाली व घाट निर्माण कार्य	147.78
36.	2024_RES_337409	नर्मदापुरम	आरी से बगलौन से मजलपुर से बीकोर पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	148.07
37.	2024_RES_337410	मुलताई	ग्राम पंचायत बिरोली झिल्पा में परकोलेशन टैंक का निर्माण	153.96
38.	2024_RES_337412	नर्मदापुरम	बावई रजौन पी.एम. सड़क जंक्शन से रजौन मार्ग निर्माण	231.84
योग -				3321.87

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं :-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने की तिथि	01.03.2024	17.30
2.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	01.03.2024	17.30
3.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	01.03.2024	17.30
4.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	09.03.2024	13.30
5.	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	11.03.2024	13.30

निविदा की शेष शर्तें एवं प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर ऑनलाइन प्रकाशित एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री

जी-251212/49556/2024

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मण्डल नर्मदापुरम

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1470

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल -mpwrdefenders@gmail.com, edpcell.enewrd.bpl@mp.gov.in

फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक- 567/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक : 22.02.2024
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 11.03.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_330409	संभाग निवाड़ी परिसर में फेनसिंग का कार्य	निवाड़ी	6.55
2.	2024_WRD_331642	चपोहला जलाशय के बांध एवं नहर का सर्वेक्षण कार्य	कटनी	0.80
3.	2024_WRD_331647	अमगवां जलाशय के बांध एवं नहर का सर्वेक्षण कार्य	कटनी	1.62
4.	2024_WRD_332413	गौण्डीगौला एवं कोमसी जलाशय का मरम्मत कार्य	बैतूल	2.08
5.	2024_WRD_332414	गोधना जलाशय की नहर की स्ट्रक्चर्स एल.बी.सी. एक्वाडक्ट 350 मी. एवं आर.बी.सी. 1350 मी. का मरम्मत कार्य	बैतूल	4.89
6.	2024_WRD_332430	बलाईमाल जलाशय नहर आर.डी. 450 मी. से 600 मी. तक का साधारण मरम्मत कार्य	बैतूल	0.56
7.	2024_WRD_333369	सतना जिले के अंतर्गत अपलेखित किये गये शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का नीलामी का कार्य (छठां आमंत्रण)	रीवा	1.60
8.	2024_WRD_333377	सीधी ब्लॉक में स्थित अपलेखित किये गये 18 नग शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का विक्रय। (समूह-01) (पांचवां आमंत्रण)	रीवा	1.45
9.	2024_WRD_333382	सीधी जिले के सिहावल ब्लॉक में स्थित अपलेखित किये गये 15 नग शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का विक्रय। (समूह-02) (पांचवां आमंत्रण)	रीवा	2.18
10.	2024_WRD_333387	सीधी जिले के सिहावल ब्लॉक में स्थित अपलेखित किये गये 14 नग शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का विक्रय। (समूह-03) (पांचवां आमंत्रण)	रीवा	1.24
11.	2024_WRD_333392	सीधी जिले के रामपुर नैकिन ब्लॉक में स्थित अपलेखित किये गये 11नग शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का विक्रय। (समूह-01) (पांचवां आमंत्रण)	रीवा	1.89
12.	2024_WRD_333394	सीधी जिले के रामपुर नैकिन ब्लॉक में स्थित अपलेखित किये गये 11 नग शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का विक्रय। (समूह-02) (पांचवां आमंत्रण)	रीवा	1.84
13.	2024_WRD_333397	उमरिया जिले के अंतर्गत अपलेखित किये गये शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री का विक्रय। (छठां आमंत्रण)	रीवा	1.54
14.	2024_WRD_333527	गुण नियंत्रण शाखा की मुख्य प्रयोगशाला के दैनिक परीक्षण एवं रखरखाव एवं क्वालिटी कंट्रोल, संभाग ऑफिस तथा कम्पाउन्ड का कार्य	रायसेन	5.65
15.	2024_WRD_333990	मेलया बैराज स्टाप डेम के 4 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	4.33
16.	2024_WRD_333997	रेलम बाबा निपानिया बैराज स्टाप डेम के 10 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	8.78
17.	2024_WRD_333998	स्तराना बैराज स्टाप डेम के 7 नल जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	4.22
18.	2024_WRD_334000	सोयत बैराज स्टाप डेम के 10 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	8.78
19.	2024_WRD_334003	खडगांव बैराज स्टाप डेम के 10 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	8.78
20.	2024_WRD_334005	उमरी बैराज स्टाप डेम के 15 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	3.36
21.	2024_WRD_334007	खरखड़ी बैराज स्टाप डेम के 4 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	9.77
22.	2024_WRD_334008	सनफदेव स्टाप डेम के 4 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	4.33
23.	2024_WRD_334540	विभिन्न जल संसाधन संभाग के जलद्वारों 10 नग के लीफ असेम्बली के प्रदाय फेब्रीकेशन एवं इरेक्शन का कार्य एवं 2 नग टैंक गेट्स का प्रदाय फेब्रीकेशन एवं इरेक्शन का कार्य।	भोपाल	10.09
24.	2024_WRD_334543	मेहगांव बैराज स्टाप डेम के 4 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	4.33
25.	2024_WRD_334545	साजनपुर बैराज स्टाप डेम के 6 नग जलद्वार साइज का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	14.68
26.	2024_WRD_334547	प्रतापपुरा बैराज जल संसाधन अलीराजपुर के 4 नग जलद्वार साइज का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	9.72
27.	2024_WRD_334550	केसरी बैराज स्टाप डेम के 10 नग जलद्वारा साइज का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	11.51
28.	2024_WRD_334553	गोखेड़ी बैराज एवं कटीपाल बैराज स्टाप डेम के 1 नग जलद्वार साइज का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	1.56
29.	2024_WRD_334583	नेवन धनोरा बैराज के 24 नग जलद्वार साइज का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य	भोपाल	11.72

कुल योग

जी-25110/49555/2024

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

149.85

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग क्रमांक-1 रीवा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 44/2023-2024 रीवा, दिनांक : 26.02.2024
मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	1. अमानत राशि प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्र. 2. कार्यावधि सहित/छोड़कर
1.	PWDRB 337663	कोठी भटलो मार्ग लंबाई 3.20 कि.मी., अनडाल पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी., रोसर से खोखम मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. एवं मडवा तिराहा से रीवा सीधी मेन रोड पहुंच मार्ग लंबाई 2.60 कुल लंबाई 14.80 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण का कार्य।	304.71	1. 304710/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. तीन माह वर्षाकाल छोड़कर
2.	PWDRB 337664	पधरहा (पन्ना) से हरहा न्हाया पकरा पतियारी पाडर सरीया लटियार दुधमनिया मार्ग लंबाई 11.00 कि.मी. एवं रतनगवां से पलिया न्हाया करहिया मटियारा रौरा तडौरा पटपरा मार्ग लंबाई 4.40 कि.मी. कुल लंबाई 15.40 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण का कार्य।	317.04	1. 317040/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. तीन माह वर्षाकाल छोड़कर
3.	PWDRB 337666	ब्रम्हगढ़ पहुंच मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी., कुसुडी पहुंच मार्ग लंबाई 3.67 कि.मी. एवं बिछरहटा पहुंच मार्ग लंबाई 6.35 कि.मी. कुल लंबाई 12.42 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण का कार्य।	258.04	1. 258040/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. तीन माह वर्षाकाल छोड़कर
4.	PWDRB 337667	उपसंभाग त्योंथर अंतर्गत मनिका लखवार मार्ग लंबाई 12.00 कि.मी. सोनवर्षा खाम्हा मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी., त्योंथर बाईपास मार्ग लंबाई 0.60 कि.मी., चाकघाट सी.एच.सी. मार्ग लंबाई 0.30 कि.मी., नसिंगवां काटी कंचनपुर मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी., लुक लोकेश्वर पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. एवं बरेली रिमारी मार्ग लंबाई 1.0 कि.मी. कुल लंबाई 21.90 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण का कार्य।	455.86	1. 455860/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. तीन माह वर्षाकाल छोड़कर
कुल योग			1335.65		

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 13.03.2024 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-25228/49571/2024 लोक निर्माण विभाग (भ./स.), संभाग क्रमांक-1, रीवा

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, इंदौर परिक्षेत्र इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर
E-mail ID:- cepwdwest@mp.nic.in, Phone : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 24/सा/40/निविदा/2023-24 इंदौर, दिनांक : 26.02.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है उल्लेखित कार्य को विस्तृत विवरण वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।
क्र. एवं कार्य का नाम - 1. बडगांवमाली सुन्दरबेल से सिहाडा मार्ग लम्बाई 3.00 किमी एवं बडगांव माली रूधी मार्ग लम्बाई 3.10 किमी मय एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।

पोर्टल क्र.	जिला	अनुमानित राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र राशि (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2024_PWDRB_336079_1	खण्डवा	588.20	588200/-	20.000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम - 2. पुराना राज्यमार्ग क्रमांक 15 से महतपुरा ग्राम लम्बाई 4.40 एवं पुराना राज्यमार्ग क्रमांक 15 से नवलपुरा हरसूद मार्ग लम्बाई 2.40 किमी मय एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_336080_1	खण्डवा	529.73	529730/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

क्र. एवं कार्य का नाम - 3. खालवा गौमुखढाना पहुंच मार्ग लम्बाई 3.50 किमी. एवं हरसूद से देवदली मार्ग लम्बाई 1.00 किमी एवं ब्रम्हदह हथनोरा मार्ग लंबाई 3.50 किमी मार्ग मय एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336081_1	खण्डवा	741.02	741020/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	--------	--------	----------	---------	----------------------

क्र. एवं कार्य का नाम - 4. शेखपुरा से खापरी मार्ग लम्बाई 1.90 किमी टाकली से पिपरहटी मार्ग लम्बाई 3.45 किमी कृषि अनुसंधान केन्द्र (अमरावती रोड) से भंडारिया ग्राम लम्बाई 1.45 किमी. एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336082_1	खण्डवा	646.41	646410/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	--------	--------	----------	---------	----------------------

क्र. एवं कार्य का नाम - 5. खारवा से संगमेश्वर मार्ग लम्बाई 1.25 किमी पोखर से खोदरी मार्ग लम्बाई 1.00 किमी. टाकलखेडा से विसरामपुर मार्ग लम्बाई 2.40 किमी. एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336083_1	खण्डवा	549.92	549920/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	--------	--------	----------	---------	----------------------

क्र. एवं कार्य का नाम - 6. मंडवाडा से मुण्डियपुरा होते हुए बांडीपुरा तक मार्ग लम्बाई 5.00 किमी एवं कोयडिया से बजड़ा तक मार्ग लम्बाई 2.50 कुल लम्बाई 7.00 किमी का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336084_1	बडवानी	586.16	586160/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	--------	--------	----------	---------	----------------------

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फेक्स : 0755-2552406
निविदा सूचना क्रमांक-1055/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक : 26.02.2024
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.03.2024 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_336039	टर्न की पद्धति पर :- नयाटोला जलाशय योजना का सम्पूर्ण निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	कटनी	445.76
2.	2024_WRD_336044	सीप कोलार लिंक परियोजना के जीणोंद्वार और सुदृढ़ीकरण कार्य जिसमें सीप वियर की ड्रिलिंग ग्राउटिंग कार्य, आर.डी. 156 मी. पर स्थित एक्वाडक्ट का पुनर्स्थापन, 5 लग एक्वाडक्ट पर उपचारात्मक कार्य, आर. डी. 90 मी. पर व्ही.आर.वी. का निर्माण, आर.डी. 4985 मी. पर क्रास ड्रेनेज का निर्माण, चैनल सुरक्षात्मक कार्य एवं आर.डी. 0 मी. से 6486 मी. तक सर्विस रोड पर सी.आर.एम. मटेरियल बिछाने का कार्य।	सीहोर	488.52
3.	2024_WRD_336047	टर्न की पद्धति पर :- दरगांवा लघु जलाशय की मुख्य नहर एवं उसकी उप नहरों एवं व्ही.आर.बी., स्पिल चैनल क्रासिंग का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	विदिशा	163.99
4.	2024_WRD_336051	झिरियानाला जलाशय योजना के बांध एवं नहर का शेष कार्य।	शहडोल	471.24
5.	2024_WRD_336054	टर्न की पद्धति पर :- सुहावा बैराज योजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	पन्ना	268.16

जी-25194/49567/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474011

विकास परिसर ठाढ़ीपुर ग्वालियर कार्यालय
फोन नं. - 0751-2232466, Email ID - ceeresgwalior@mp.gov.in
क्रमांक 445/ग्रायां/ई-निविदा/2024 ग्वालियर, दि. 27.02.2024

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना - 04/RES/DIV/GWL/2023-24

निम्नलिखित कार्यों हेतु म.प्र. सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष/समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकाश है -

कार्य क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम/स्थान	कार्य की अनु. लागत (लाख में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा का आमंत्रण
1.	2024_RES_337593_1	सी.सी. रोड निर्माण देवखो रोड से देवखो मंदिर की ओर ग्राम पंचायत तिघरा ज.प. घाटीगांव (बरई) ग्वालियर 475330 RES SOR enforced from date 11.04.2022 with upto date ammendment.	11.87	04 माह	प्रथम

रु. 11.87 लाख (रु. ग्यारह लाख सतासी हजार मात्र)
1. विस्तृत निविदा सूचना विवरण वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 04.03.2024 समय 10.30 AM से 13.03.2024 समय 5.30 PM तक केवल ऑनलाइन क्रय एवं सबमिट किये जा सकेंगे।
3. यदि निविदा में कोई संशोधन किया जाता है तो सिर्फ Web Portal <https://mptenders.gov.in> पर ही Publish किया जावेगा, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-25204/49568/2024 ग्रा.यां. सेवा संभाग ग्वालियर

क्र. एवं कार्य का नाम - 7. सोरवा प्रताप फलिया से दरवाडिया फलिया, सुरवी फलिया से ग्वालदगडा फलिया मार्ग लम्बाई 9.20 किमी का निर्माण।

2024_PWDRB_336088_1	अलीराजपुर	1369.25	1000000/-	30000/-	14 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	-----------	---------	-----------	---------	----------------------

क्र. एवं कार्य का नाम - 8. (1) कानाकाकड से गन्नाकुंआ पहुंच मार्ग लम्बाई 1.70 किमी (2) कट्टीवाडा च.शे.आ. नगर मेन रोड से छोटा खुटाजा कोरियापान मेन रोड तक लम्बाई 3.20. किमी का निर्माण कार्य। (3) रोलीगांव माल फलिया से बरझर छोटा खुटाजा मार्ग लम्बाई 4.50 किमी कुल लम्बाई 9.40 किमी का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336089_1	अलीराजपुर	649.64	649640/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	-----------	--------	----------	---------	----------------------

क्र. एवं कार्य का नाम - 9. डुडगांव रजूर काल्याखेडी मार्ग लम्बाई 5.50 किमी मोरधडी ग्राम से नर्मदा रिसोर्ट से श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम तक लम्बाई 1.30 किमी मय एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336718_1	खण्डवा	688.34	688340/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	--------	--------	----------	---------	----------------------

क्र. एवं कार्य का नाम - 10. मिर्जापुर भण्डलेन भोडवा मार्ग 3.60 किमी फिराड बिहारीपुरा मार्ग 2.00 किमी चिकढालिया नर्मदानगर मार्ग 1.50 किमी मय एच.टी.एल.टी लाइन्स, पोल एवं ट्रांसफार्मर सहित मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_336723_1	खण्डवा	703.30	703300/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
---------------------	--------	--------	----------	---------	----------------------

महायोग 7052.07 लाख

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 05.03.2024 17.30 तक निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जावेगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जावे।

मुख्य अभियंता
जी-25225/49570/2024 लो.नि.वि. इंदौर परिक्षेत्र, इंदौर



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

पद का नाम - चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, खेल अधिकारी, जूनियर सुपरिटेण्डेंट, सहायक सुरक्षा अधिकारी, कुक, ड्राइवर आदि

पदों की संख्या - 64

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 12 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://recruit.iitm.ac.in/>

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर

पद का नाम - जूनियर पर्सनल असिस्टेंट (हिन्दी)

पदों की संख्या - 30

योग्यता - मान्यता प्राप्त लॉ यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री। कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान।

अंतिम तिथि - 09 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://hcrj.nic.in/hcrj/>

राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान

पद का नाम - तकनीशियन (इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रुमेंटेशन, वेल्डर, मैकेनिकल, फिटर), वैज्ञानिक सहायक ग्रेड ए (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन, जीव विज्ञान), वैज्ञानिक सहायक ग्रेड बी/तकनीकी अधिकारी (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन)

पदों की संख्या - 13

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 11 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.niot.res.in/>

सैनिक स्कूल गोपालगंज

पद का नाम - पीजीटी (रसायन विज्ञान), काउंसलर, पुस्तकालय अध्यक्ष, पीईएम/पीटीआई-सह-मैट्रन, प्रवर श्रेणी लिपिक

पदों की संख्या - 05

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 09 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.ssgopal-ganj.in/>

बिहार लोक सेवा आयोग

पद का नाम - असिस्टेंट आर्किटेक्ट

पदों की संख्या - 106

योग्यता - उम्मीदवार ने बैचलर इन आर्किटेक्ट कोर्स किया हो। साथ ही काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन हो।

अंतिम तिथि - 11 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.bpsc.bih.nic.in/>

ऑर्निमेंस फैक्ट्री खमरिया, जबलपुर

पद का नाम - डेज़र बिल्डिंग वर्कर्स

पदों की संख्या - 161

योग्यता - आईटीआई पास हो। न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 35 वर्ष।

अंतिम तिथि - 11 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://ddpdoo.gov.in/units/OFK>

रामगुण्डम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर इंजीनियर सहायक ग्रेड-II (उत्पादन), इंजीनियरिंग सहायक ग्रेड-II (उत्पादन), जूनियर इंजीनियर

सहायक ग्रेड-II (मैकेनिकल), इंजीनियरिंग सहायक ग्रेड-II (इलेक्ट्रिकल), जूनियर इंजीनियर सहायक ग्रेड-II (इंस्ट्रुमेंटेशन), इंजीनियरिंग सहायक ग्रेड-II (इंस्ट्रुमेंटेशन), जूनियर इंजीनियर सहायक ग्रेड-II (रासायनिक लैबर), कार्यालय सहायक ग्रेड-II।

पदों की संख्या - 35

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 10 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.rfcl.co.in/>

सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - महिला स्थानिक चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

पदों की संख्या - 01

योग्यता - एमबीबीएस डिग्री में कम से कम 55% अंक (भारतीय चिकित्सा परिषद से पंजीकरण के साथ), आवेदक की अधिकतम आयु 35 वर्ष हो

अंतिम तिथि - 11 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.ngri.res.in/>

भारत की केंद्रीय प्रतिभूतिकरण परिसंपत्ति पुनर्निर्माण और प्रतिभूति व्याज पंजीकरण

पद का नाम - सहायक प्रबंधक (प्रशा. अधिकारी), वरिष्ठ प्रबंधक, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ), मुख्य सूचना प्रतिभूति अधिकारी (सीआईएसओ), मुख्य विधि अधिकारी (सीएलओ)

पदों की संख्या - 09

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 10 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.cersai.org.in/CERSAI/home.prg>

राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लिमिटेड

पद का नाम - अधिशासी निदेशक (वाणिज्य), उप महाप्रबंधक (वाणिज्य), अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा), उपप्रबंधक (मानव संसाधन), प्रबंधन प्रशिक्षु (मानव संसाधन), वरिष्ठ अधिकारी (राजभाषा)

पदों की संख्या - 07

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 10 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.nhdc.org.in/>

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)

पद का नाम - स्पेशलिस्ट (लीड ऑडिटर, रिस्क मैनेजर - क्रेडिट रिस्क, रिस्क मैनेजर - मार्केट रिस्क, रिस्क मैनेजर - ऑपरेशनल रिस्क, इकोनॉमिस्ट, क्रेडिट ऑफिसर, लीगल ऑफिसर, बिजनेस एनालिस्ट, डाटा कंसल्टेंट आदि पद)

पदों की संख्या - 31

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 10 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.nabard.org/>

पुरस्कार

एनआईसीसी फाउंडेशन नेशनल इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एग्जाम 2024

किनके लिए - कक्षा 5वीं से लेकर डिग्री/डिप्लोमा स्तर तक की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं।

योग्यता - योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा होगी।

क्या मिलेगा - चयनित उम्मीदवारों को लैपटॉप और टेक्नोलॉजी से जुड़े पुरस्कार

अंतिम तारीख - 31 मार्च 2024

वेबसाइट - <https://www.niceedu.org/index>

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

वित्त पोषण का लाभ देकर आत्मनिर्भर बना रही प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास रोजगार हो। यदि रोजगार संभव नहीं हो तो स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक उपार्जन कर सके, ताकि परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पूर्ण की जायें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने होकर को रोजगार से जोड़ने और गरीबी दूर करने के लिए कई रोजगार मूलक योजनाओं की शुरुआत की है। सरकार का प्रयास है कि देश के हर व्यक्ति को कार्य मिले। देश का युवा रोजगार मांगने वाला न होकर रोजगार देने वाला बने।

इसी दिशा में आधारभूत स्तर पर नागरिकों की आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। अंतिम पंक्ति का व्यक्ति स्वरोजगार से जुड़े विशेषकर महिलाएं इसका लाभ प्राप्त कर सकें। अंतिम छोर तक रोजगार पहुंचे और समग्र विकास संभव हो सके। इसके लिए जिस योजना की शुरुआत की गई है उसका नाम है प्रधानमंत्री मुद्रा योजना। 8 अप्रैल, 2015 से शुरू हुई इस योजना से सभी को व्यवसाय शुरू करने की संभावना प्राप्त हुई है। भारत का कोई भी नागरिक जिसके पास रोजगार नहीं है और अपना स्वरोजगार स्थापित करना चाहता है। वह इस योजना का लाभ ले सकता है।

इस योजना के तहत छोटे उद्योगों को लोन उपलब्ध कराया जाता है जिससे आर्थिक स्तर पर भी उद्योगों की शुरुआत की जा सकती है। इसके द्वारा सभी जरूरतमंद नागरिकों को बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। यह योजना उन लोगों के लिए मील का पथर साबित हो रही है, जिनके पास अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे नहीं हैं। वे मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह योजना, मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा संचालित है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य है जो लोग बेरोजगार हैं और वित्त बिहीन हैं उन्हें 10 लाख तक ऋण स्वीकृत करवाना। इसके द्वारा उन लोगों का वित्त पोषण किया जाता है जिनके पास विनिर्माण, प्रसंस्करण, व्यापार अथवा सेवा क्षेत्र से आय प्राप्त करने की व्यवसाय योजना है, लेकिन निवेश के लिए पूंजी नहीं है, उन्हें आवश्यक राशि का ऋण उपलब्ध करवाया जाता है।

योजना के अन्य उद्देश्यों में शामिल हैं, सूक्ष्म उद्योगों को ऋण सुविधाएं प्रदान करके रोजगार के स्रोत उत्पन्न करना और समग्र सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने में मदद करना। मुद्रा बैंक की मदद से माइक्रो फाइनेंस संस्थानों के नेटवर्क की निगरानी करना, नए पंजीकरण करना और वित्तीय समावेश को बढ़ावा देना।

मुद्रा लोन देने वाली वित्तीय संस्था

- सरकारी बैंक
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
- छोटे फाइनेंस बैंक
- माइक्रोफाइनेंस इन्स्टिट्यूशन
- एन.बी.एफ. सीज (नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां)

मुद्रा योजना की पात्रता और शामिल व्यवसाय

इस योजना का लाभ प्राप्त करने के



योजना का संक्षिप्त परिचय	
योजना का नाम	- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
किसने शुरू की	- केन्द्र सरकार
योजना कब से शुरू	- 8 अप्रैल, 2015
लाभार्थी	- छोटे व्यवसायी
ऋण राशि	- 50 हजार से 10 लाख तक
वेबसाइट	
https://www.mudra.org.in/	

लिए व्यक्ति को भारत का नागरिक होना आवश्यक है। योजना के तहत उत्पादन, प्रसंस्करण व्यापार, सेवा क्षेत्र या अन्य कोई भी क्षेत्र जो 10 लाख रुपये में शुरू किये जा सकते हैं।

मुद्रा योजना के अंतर्गत निम्न में से किसी भी व्यवसाय के लिए ऋण लिया जा सकता है-

कमर्शियल वाहन :- मशीनरी और उपकरणों के लिए मुद्रा फाइनेंस का उपयोग, ट्रैक्टर, ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ट्रॉली, टिलर, माल परिवहन वाहन, 3-व्हीलर, ई-रिक्शा जैसे कमर्शियल ट्रांसपोर्ट वाहनों को खरीदने के लिए किया जा सकता है।

सर्विस सेक्टर :- सैलून, जिम, सिलाई की दुकानों, मेडिकल शॉप, रिपेयर शॉप, ड्राई क्लीनिंग और फोटोकॉपी की दुकानों आदि का बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

फूड एंड टेक्सटाइल प्रोडक्ट सेक्टर की गतिविधियां :- संबंधित सेक्टर में शामिल विभिन्न गतिविधियों, जैसे- पापड़, अचार, आइसक्रीम, बिस्किट, जैम, जेली, और मिठाई बनाना, साथ ही साथ ग्रामीण स्तर पर खेती से संबंधित उत्पादों के संरक्षण के लिए।

व्यापारियों और दुकानदारों के लिए व्यावसायिक गतिविधियां :- दुकानों और सर्विस एंटरप्राइज स्थापित करना, व्यापारिक और व्यावसायिक गतिविधियां, और नॉन-फार्म गतिविधियां जिससे आय प्राप्त होती हो।

माइक्रो यूनिट्स के लिए इक्विपमेंट फाइनेंस स्कीम :- अधिकतम 10 लाख रु. तक का लोन।

कृषि से संबंधित गतिविधियां :- एग्री-क्लीनिंग और एग्री-बिजनेस सेंटर, फूड एंड एग्री-प्रोसेसिंग यूनिट, मुर्गी पालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, छंटाई, पशुधन-पालन, ग्रेडिंग, कृषि-उद्योगों, डेयरी, मत्स्य पालन, जैसे व्यवसाय से संबंधित गतिविधियां।

कितना ऋण मिलेगा इस योजना में:- इस योजना में तीन प्रकार के ऋण दिये जाते हैं :- 1. शिशु ऋण। 2. किशोर ऋण। 3. तरुण ऋण।

● **शिशु ऋण** - शिशु ऋण के तहत आवेदन करने पर 50 हजार तक का लोन प्राप्त कर सकते हैं।

● **किशोर ऋण** - किशोर ऋण के तहत

50 हजार से 5 लाख तक का ऋण प्राप्त हो सकता है।

- **तरुण ऋण** - अगर आप तरुण ऋण के तहत आवेदन करते हैं तो 5 लाख से लेकर 10 लाख तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

इस योजना में आवेदन कैसे किया जाये

यदि आप प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण प्राप्त करने के इच्छुक हैं तो आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा इस लोन हेतु आवेदन करने के लिए आपको अधिकारिक साइट <https://www.mudra.org.in/> पर जाना होगा।

जब आप इस वेबसाइट के होम पेज पर जायेंगे तो आपको शिशु, तरुण और किशोर के तीन विकल्प दिखेंगे। आप जिस भी श्रेणी में ऋण लेना चाहते हैं, उस विकल्प पर क्लिक करेंगे तो उस श्रेणी के तहत आवेदन करने के लिए आवेदन फार्म की लिंक खुल जाएगी। यहां से आप फार्म को डाउनलोड करके प्रिंट निकाल लें। इस आवेदन को ध्यान से पढ़कर चाही गयी जानकारी के साथ पूर्ण भरकर, आवश्यक दस्तावेज संलग्न करें।

इस आवेदन को आप अपनी किसी नजदीकी बैंक में जमा कर सकते हैं। इसके बाद बैंक के कर्मचारियों द्वारा आपके आवेदन की स्वीकृति की सूचना दी जायेगी। आवश्यक कार्यवाही के बाद राशि आपके खाते में प्रेषित की जायेगी। इसके लिए आपको कोई सिक्योरिटी जमा नहीं करना होता है।

भुगतान अवधि - 12 महीने से 5 साल तक।

मुद्रा योजना के लाभ

- कोलैटरल फ्री लोन- बैंकों अथवा एनबीएफसी में कोई कोलैटरल या सिक्योरिटी जमा कराने की जरूरत नहीं है।
- जीरो से नाम मात्र प्रोसेसिंग फीस और कम ब्याज दरें।
- महिला उद्यमियों के लिए ब्याज दरों में छूट।
- भारत सरकार से क्रेडिट गारंटी योजनाओं के तहत कवर किये गए लोन। यह टर्म लोन, वर्किंग कैपिटल लोन और ओवरड्राफ्ट सुविधाओं के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- सभी नॉन फार्म इंटरप्राइजेज, यानि स्मॉल या माइक्रो फर्म मुद्रा लोन प्राप्त कर सकते हैं।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग के लोग विशेष ब्याज दरों पर मुद्रा लोन ले सकते हैं।

- देवेन्द्र गोरे

(लेखक, सम-सामयिक विचारों पर लेखन करते हैं)

दस वर्ष बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जय विज्ञान उद्घोष के साथ भारतीय वैज्ञानिकों ने रचा इतिहास

पिछले दस वर्षों में भारत ने प्रगति के नये कीर्तिमान बनाये हैं। आर्थिक प्रगति में तो भारत विश्व के पांचवें क्रम पर आया ही है। इसके साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास में भी अनेक कीर्तिमान बने हैं। शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्र में विज्ञान का वातावरण बनाने में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर आया। इसमें एक ही बार में 104 उपग्रह प्रक्षेपित कर एक नया कीर्तिमान बनाया है।

भारत का इतिहास प्रगति और कीर्तिमानों से भरा है। दुनिया ने कभी भारत को सोने की चिड़िया और विश्व गुरु माना था। भारत का यह सम्मान सर्वांगीण विकास के आधार पर रहा है। भारत में उन दिनों भी विज्ञान और अंतरिक्ष पर अनुसंधान होते थे जब आधी दुनिया कपड़े पहनना भी नहीं सीखी थी। वेदों की ऋचाओं और पुराण कथाओं में अंतरिक्ष और अन्य ग्रहों, पृथ्वी और सूर्य के घूमने का पर्याप्त उल्लेख है। इस तथ्य को अपने समय के अप्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी स्वीकारा था और कहा था कि 'हम भारतीयों के प्रति बहुत आभारी हैं, जिन्होंने हमें अंका की कला प्रदान की, इस आधार के बिना, हमारे कई सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक रहस्योद्घाटन अबूझ पहेली बने रहते।' 'ऊर्जा के सापेक्षता सिद्धांत और परमाणु सिद्धांत' संसार के सामने लाकर अपने अंतिम साक्षात्कार में आइंस्टीन ने कहा था कि यह 'भारत के ग्रंथों में पहले से है।' उनके अतिरिक्त संसार के अनेक वैज्ञानिकों और शोध कर्ताओं ने भी स्वीकारा है कि पूरे संसार में समस्त ज्ञान, विज्ञान भारत से फैला। लेकिन समय के साथ भारत की न केवल प्रगति यात्रा बाधित हुई अपितु गहन अंधकार में डूब गया। जो भारत सबसे आगे था वह दासों का दास हो गया। स्वाधीनता के बाद कुछ परिस्थिति बदली, भारत में ज्ञान विज्ञान की दिशा में कुछ काम भी हुआ, पर गति न मिल सकी। भारतीय विज्ञान और अनुसंधान को गति मिली वर्ष 2014 के बाद, आज से दस वर्ष पहले जब श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत का नेतृत्व संभाला। अपना पदभार संभालते ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प व्यक्त किया और विभिन्न दिशाओं में कदम बढ़ाये। प्रधानमंत्री ने 'जय जवान जय किसान' नारे में 'जय विज्ञान' भी जोड़ा। उन्होंने विज्ञान और तकनीक के अनुसंधान को प्राथमिकता दी। अपने 'मन की बात' संबोधन में श्री मोदी जी ने अनेक बार भविष्य की दुनिया के लिये विज्ञान और तकनीक को ही आधार बताया और युवाओं से शोध अनुसंधान का आह्वान किया। मोदीजी ने विज्ञान के अनुसंधान को जीवन के सभी पक्षों के लिये आवश्यक बनाया और जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया। इन दस वर्षों में भारत ने केवल अंतरिक्ष या परमाणु विकास के क्षेत्र में ही कदम नहीं बढ़ाये अपितु आधुनिक रक्षा सामग्री और आयुधों के विकास, मौसम के अध्ययन, मानव रहित रेल्वे सूचना प्रणाली, कृषि को वैज्ञानिक आधार देने, चिकित्सीय अनुसंधान के साथ उद्योग स्थापना के लिये भी विज्ञान के अनुसंधान को आवश्यक बताया।

यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प और प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि भारत ने ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दिशा में चौमुखी प्रगति की और दुनिया में अपना अग्रणी स्थान बनाया। अपने पहले कार्यकाल में श्री मोदी ने विकसित भारत का संकल्प लेकर विकास और विज्ञान के आधारभूत कार्यों पर जोर दिया और दूसरे कार्यकाल में विश्व में अग्रणी भारत का संकल्प लिया। इन दस वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष अभियानों से लेकर गहरे समुद्र की खोज तक, राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटिंग मिशन से लेकर सेमीकंडक्टर मिशन तक, मिशन हाइड्रोजन से लेकर ड्रोन प्रौद्योगिकी तक, चिकित्सा विज्ञान से लेकर सुरक्षा प्रौद्योगिकी तक सभी दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। इसके लिये अनुसंधान कार्यों के साथ वैज्ञानिक संगोष्ठियों का आयोजन, वैज्ञानिक संस्था निर्माण, अनुसंधान में उत्कृष्टता प्रबंधन, प्रयोगशालाओं में वित्तीय प्रबंध पर जोर दिया।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की स्थापना

भारत को विज्ञान प्रगति में संसार में अग्रणी बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक संस्था का निर्माण किया। विज्ञान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए निर्मित इस संस्था का नाम भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) है। इस संस्था का उद्देश्य विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में समन्वय बनाकर विशेषज्ञता रखने वाले अपने एक हजार से अधिक सहयोगियों के सामूहिक ज्ञान के माध्यम से भारतीय विज्ञान के लिए एक समर्थकारी, एक थिंक टैंक और एक संरक्षक आधार का निर्माण करना। जिससे देश के वैज्ञानिक समुदाय के भीतर नेतृत्व क्षमता का विकास हो तथा एक प्रगतिशील वातावरण का निर्माण हो, वैज्ञानिक आधार पर नवाचार को बढ़ावा मिले और विज्ञान आधारित प्रगति में भारत दुनिया में अग्रणी बने। यही इस संस्था का उद्देश्य था।

निःसंदेह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह निर्णय दूरदर्शी साबित हुआ। इस संस्था ने विज्ञान की दिशा में जो मानसिक, वैचारिक और बौद्धिक वातावरण बनाया इससे भारत ने एक नई अंगड़ाई ली है।

चन्द्र अभियान पर मानव भेजने की तैयारी

चन्द्र अभियान की सफलता के साथ भारत ने मनुष्य को चन्द्रमा पर भेजने की तैयारी आरंभ की है। आशा की जा रही है कि भारत 2025 तक इस दिशा में पहल आरंभ कर देगा।

इन दस वर्षों में भारत चंद्रमा से भी कहीं आगे बढ़ा है। भारत के मंगलयान ने सफलतापूर्वक 23 सितंबर, 2014 को मंगल की कक्षा में प्रवेश किया, इससे इसरो पहली एशियाई एजेंसी बनी और भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। इस अभियान की भी यह विशेषता थी कि यह लागत की दृष्टि से बहुत किफायती रहा।

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के साथ इसरो ने सूर्य की ओर आदित्य एल-1 लॉन्च किया। यह पृथ्वी से सूर्य की ओर लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर तक पहुंचा। इससे सूर्य का निरंतर और निर्बाध अध्ययन संभव हो सका है।

सूर्य और चंद्रमा अभियान के साथ इसरो ने अपना ध्यान सौर मंडल के दूसरे सबसे गर्म ग्रह शुक्र पर केंद्रित किया है। आशा की जा रही है कि इसरो का अंतरिक्ष यान 'शुक्रयान-1' दिसंबर 2024 के अंत तक लॉन्च होने की संभावना है। इसके



साथ भारत तीन और उपग्रहों को पृथ्वी के अध्ययन एवं अंतरिक्ष में मौजूद कुछ अन्य गतिविधियों का अध्ययन करने की तैयारी कर रहा है।

दस वर्षों में विज्ञान प्रगति : एक दृष्टि
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अनुसार भारत में पिछले 10 सालों में वैज्ञानिक प्रकाशनों (SCI) की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। इस दिशा में चीन और अमेरिका के बाद भारत का स्थान विश्व में तीसरा है।

कोरोना संकट से उत्पन्न मंदी के अंधकार को चीरकर भारत ने 2022 में जनवरी से जुलाई के बीच स्टार्टअप यूनिकॉर्न में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में भारत ने 14 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बनाये। जबकि इस अवधि में चीन केवल 11 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बना सका। स्टार्टअप यूनिकॉर्न एक अरब डॉलर से ज्यादा मूल्यंकन वाले स्टार्टअप को कहा जाता है। भारत में कुल 108 यूनिकॉर्न हैं। इससे विश्व स्तरीय आकलन में भारत का तीसरा स्थान है। पहले स्थान पर अमेरिका, और दूसरे स्थान पर चीन है।

भारत ने साइंटिफिक पब्लिकेशन में नया कीर्तिमान रचा है। अमेरिका के 'नेशनल साइंस फाउंडेशन' के साइंस एंड इंजीनियरिंग इंडिकेटर 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत वैश्विक वैज्ञानिक प्रकाशन में सातवें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। 'वैज्ञानिक प्रकाशनों में विश्व स्तर पर भारत 2010 में सातवें स्थान पर था और 2020 में तीसरे स्थान पर आया।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2022 में भारत की रैंकिंग

40वें स्थान पर पहुंच गई। 2015 में यह रैंकिंग 81वें स्थान पर थी। इंडेक्स के अनुसार भारत में स्टार्टअप के लिए जो वातावरण बना इसी से स्तर में सुधार हुआ।

पिछले दस वर्षों में बाहरी शोध से जुड़ी परियोजनाओं में भारत की महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2018-19 में बाहरी शोध से परियोजनाओं में एक चौथाई से अधिक (28 प्रतिशत) महिलाएं रह गईं। जबकि 2000-01 में यह स्थिति केवल 13 प्रतिशत थी।

युवा वैज्ञानिकों को शोध गतिविधियों पर लोकप्रिय विज्ञान लेख लिखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'अवसर' योजना शुरू की गई। राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी संचार परिषद के अंतर्गत 'अवसर' योजना की शुरुआत इसी साल 24 जनवरी को की गई थी। इस योजना का उद्देश्य अखबारों, पत्रिकाओं, ब्लॉग्स, सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वैज्ञानिकों की क्षमता का विकास करना तथा समाज में विज्ञान को लोकप्रिय बनाना है। ताकि वैज्ञानिकता का वातावरण बन सके।

परमाणु क्षेत्र में मिसाइल की एक लंबी श्रृंखला

परमाणु क्षेत्र में भारत की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण है। भारत ने अपनी सबसे घातक और विकसित मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। अग्नि-5 परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) 5,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक ले जा सकती है।

भारत लंबे समय से अग्नि-5 के परीक्षण

की योजना बना रहा था क्योंकि यह भारत से विकसित मध्यम और लंबी दूरी की परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों की श्रृंखला में पांचवीं मिसाइल होगी। इस मिसाइल को पनडुब्बी से भी लॉन्च किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जनवरी में 'मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल' का परीक्षण भी किया गया। यह भारत में विकसित 'एंटी-टैंक' एक कम वजन वाली मिसाइल है। इसी काल-खंड में 'एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल' 'हेलीना' लॉन्च की गई। इस मिसाइल का अलग-अलग उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दो बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

भारत नये कीर्तिमानों की ओर

इन दस वर्षों में भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण संस्था इसरो द्वारा किये गये कार्य असाधारण हैं। अंतरिक्ष में अज्ञात क्षेत्रों तक पहुंचने में इसकी सफलता ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका की नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) जैसी कुछ प्रमुख वैश्विक अंतरिक्ष एजेंसियों की तुलना में, इसरो की लागत कम रही। इसे समझने के लिये पूरी दुनिया के वैज्ञानिक आकर्षित हुए। अब इसरो प्रमुख उपकरणों का निर्माण भारत में करने पर काम कर रहा है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। भारत के अंतरिक्ष अभियानों की सफलता ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय के बीच भारत की एक नई प्रतिष्ठा स्थापित की है।

भारत के वैज्ञानिकों ने संचार के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात ऑप्टिकल फाइबर की हो, वाईफाई अथवा 5जी की या फिर सुपर कम्प्यूटर, क्वांटम कम्प्यूटिंग की, आज सूचना-संचार के विकास से भारत ई-प्रशासन, डिजिटल इकोनॉमी, ई-लॉजिस्टिक्स, मौसम पूर्वानुमान में अव्वल है। संचार के विकास ने रोजगार सृजन के द्वार खोल दिए हैं। भारत का आईटी सेक्टर दुनिया को राह दिखा रहा है। सूचना संचार ने मनुष्य को आपस में जोड़ने के साथ सामाजिक, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया है।

- रमेश शर्मा

(लेखक-वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

गीता एवं रामायण महोत्सव पर चर्चा

देव स्थानों के प्रबंधन के लिए बनाएं योजना

भोपाल, प्रदेश में देव स्थानों के बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए। भगवान श्रीराम वन गमन पथ के स्थानों पर आवश्यक सुविधाओं के विकास के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण प्रदेश में जिन स्थानों पर भ्रमण हुए हैं, वहां भी तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक में कहा। उन्होंने पर्यटन, संस्कृति, धर्मस्व, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, नवकरणीय ऊर्जा और संबंधित विभाग की संयुक्त बैठक में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

मंदिर परिसर में विविध आयामों पर कार्य करें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मंदिरों से जुड़ी व्यवस्थाओं के बेहतर प्रबंधन के साथ ही अन्न क्षेत्र, सौर ऊर्जा

के उपयोग, स्वच्छता और सौन्दर्यीकरण से जुड़े आयामों पर कार्य किया जाए। विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व की गतिविधियों को आयोजित करने के लिए वार्षिक कैलेंडर बनाकर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों की भागीदारी और सहयोग से निकट भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय गीता एवं रामायण महोत्सव के आयोजन और भविष्य में देवी-देवताओं की लघु प्रतिमाओं के निर्माण के लिए इकाईयां प्रारंभ की जा सकती हैं, इससे स्थानीय निवासियों को आर्थिक उन्नयन के अवसर मिलेंगे।

अमझोरा और नारायण धाम में

विकसित करें सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण मथुरा से सांदीपनि आश्रम पहुंचे थे, जहां उन्होंने चौसठ दिन में चौसठ कलाएं सीखी थीं और वेद-पुराण का अध्ययन किया था। धार जिले के अमझोरा

और उज्जैन जिले के महिदपुर तहसील में नारायण धाम का महत्व है। अमझोरा में शैव और वैष्णव सम्प्रदाय के कई प्राचीन मंदिर हैं। इस स्थान का भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी से संबंध है। नारायण धाम में विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान श्रीकृष्ण मित्र सुदामा के साथ विराजते हैं। इन स्थानों पर आवश्यक सुविधाओं और अंधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं से पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ सकती है। इसी तरह जानापाव कुटी इंदौर-मुंबई राजमार्ग पर प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है, यह इंदौर से 45 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली है। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर यहां मेला भी लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन के पास दंगवाड़ा के प्रसिद्ध शिव मंदिर में बोरेखर महादेव विराजते हैं। यहां जलाधारी से कभी पानी खत्म नहीं होता। यह आम लोगों के लिए कौतुहल का केन्द्र है।

पीएम विश्वकर्मा योजना

पारंपरिक शिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की पहल

यह भारत के समग्र विकास और आधारभूत कल्याण का समय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वोक्ल फॉर लोकल मंत्र के साथ कई योजनाएं शुरू की जिसके परिणामस्वरूप भारत दुनिया की 5वीं अर्थव्यवस्था बना। अब देश को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए प्रधानमंत्री ने देश को आत्मनिर्भर भारत का संकल्प दिया है। यदि देश का हर व्यक्ति आत्मनिर्भर हो जायेगा तो निश्चित ही अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन संभव है। सरकार ने विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों और योजनाओं के क्रियान्वयन में एक ऐसी योजना लागू की है जिससे देश की संस्कृति और शिल्प को सहेजने के साथ अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति आत्मनिर्भर हो सकेगा। भगवान विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर 17 सितम्बर, 2023 को शुरू की गयी इस योजना का नाम सृष्टि के सर्वोच्च वास्तुकार भगवान श्री विश्वकर्मा के नाम पर रखा गया है। हमारे शिल्पकार और कारीगरों को हम वर्तमान विश्वकर्मा कह सकते हैं, जिनका शिल्प और कौशल समाज के विविध क्षेत्रों में बड़ा योगदान दे रहा है। सरकार द्वारा इन विश्वकर्माओं की क्षमता, सम्मान और समृद्धि बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। पीएम विश्वकर्मा योजना से जहां भारतीय पारंपरिक शिल्प का संरक्षण होगा वहीं इस क्षेत्र से जुड़े कारीगर और शिल्पी आधुनिक कौशल के साथ आत्मनिर्भर होंगे।

पीएम विश्वकर्मा योजना एक संपूर्ण योजना है। इसमें हितग्राही को आर्थिक उत्थान के लिए प्रशिक्षण, क्रेडिट सहायता ऋण के साथ टूल किट भी प्रदान किये जाते हैं। कौशल विकास और शिल्पियों, कारीगरों के आर्थिक उत्थान के लिए बनाई गई पीएम विश्वकर्मा योजना एक अभिनव योजना है। इसका क्रियान्वयन भी सहज है, एक बार जिला समिति से अनुमोदन हो जाने के बाद हितग्राहियों को कहीं भी चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

योजना का उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य है अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को पूर्ण सहायता प्रदान करना। इन शिल्पकारों को देश के पारंपरिक शिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

कौन ले सकता है योजना का लाभ
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 सितंबर 2023 को शुरू की गयी प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ लगभग 18

व्यवसायों से जुड़े लोग ले सकते हैं। इसमें (1) बड़ई (2) नाव निर्माता (3) हथियार निर्माता (4) लोहार (5) हथौड़ा और टूल किट निर्माता (6) ताला बनाने वाला (7) सुनार (8) कुम्हार (9) मूर्तिकार (मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाला), पत्थर तोड़ने वाला (10) मोची-जूता कारीगर (11) राजमिस्त्री (12) टोकरी, चटाई, झाड़ू निर्माता, कोंवर बुनकर (13) गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक) (14) नाई (15) माला बनाने वाला (16) धोबी (17) दर्जी और (18) मछली पकड़ने का जाल निर्माण में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को शामिल किया गया है।

क्या लाभ प्रदान किया जाता है योजना में

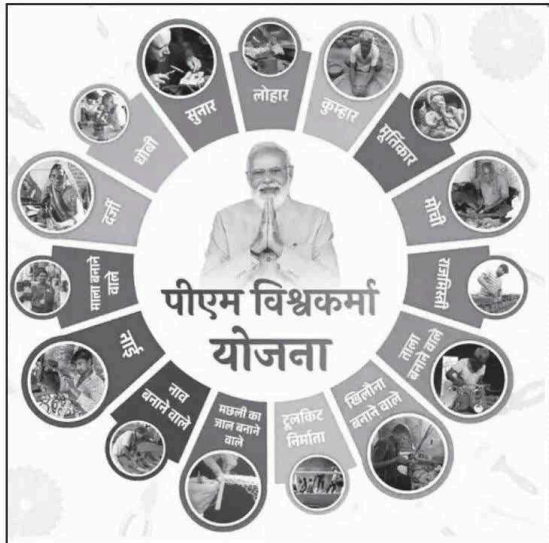
इस योजना में हितग्राहियों की पहचान, उन्नयन, प्रोत्साहन के साथ ऋण और टूल किट प्रदान की जाती है।

पहचान : पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड के माध्यम से कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल उन्नयन 500 रुपये प्रति दिन के वजीफे के साथ 5 से 7 दिनों का बुनियादी प्रशिक्षण और 15 दिनों या उससे अधिक का उन्नत प्रशिक्षण दिया जाता है।

टूलकिट प्रोत्साहन : बुनियादी कौशल प्रशिक्षण की शुरुआत में ई-वाउचर के रूप में 15 हजार रुपये तक का टूलकिट प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।

ऋण सहायता : बिना कुछ गिरवी रखे 'उद्यम विकास ऋण' के रूप में तीन लाख रुपये तक का ऋण एक लाख और दो लाख रुपये की दो किश्तों में क्रमशः 18 महीने और 30 महीने की अवधि के लिए 5 प्रतिशत निर्धारित रियायती ब्याज दर पर भारत सरकार द्वारा 8 प्रतिशत की सीमा तक छूट के साथ प्रदान किया जाता है। जिन लाभार्थियों ने बुनियादी प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, वे एक लाख रुपये तक की ऋण सहायता की पहली किश्त का लाभ उठाने के पात्र हैं। दूसरी ऋण किश्त उन लाभार्थियों के लिए उपलब्ध होगी जिनहोंने पहली किश्त का लाभ उठाया है और एक मानक ऋण खाता बनाए रखा है और अपने व्यवसाय में डिजिटल लेनदेन को अपनाया है या उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन : प्रत्येक डिजिटल भुगतान या रसीद के लिए प्रति डिजिटल लेनदेन एक रुपये की राशि के हिसाब से अधिकतम 100 लेनदेन मासिक तक लाभार्थी के खाते में जमा किया जाएगा।



विपणन सहायता : मूल्य श्रृंखला से जुड़ाव में सुधार के लिए कारीगरों और शिल्पकारों को गुणवत्ता प्रमाणन, ब्रांडिंग, जीईएम जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूदगी, विज्ञापन, प्रचार और अन्य विपणन गतिविधियों के रूप में विपणन सहायता प्रदान की जाती है। उर्वरुक्त के अलावा, यह योजना लाभार्थियों को औपचारिक लघु, सूक्ष्म, मध्यम, उद्यम परितंत्र में 'उद्यमियों' के रूप में उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर शामिल करेगी।

कैसे किया जाता है

लाभार्थियों का चयन

लाभार्थियों का नामांकन पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर आधार-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के साथ सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से किया जाता। लाभार्थियों के नामांकन के बाद तीन-चरणों में सत्यापन किया जाता है-

- (1) ग्राम पंचायत, यूएलबी स्तर पर सत्यापन।
- (2) जिला कार्यान्वयन समिति द्वारा जांच और सिफारिश।
- (3) स्क्रीनिंग समिति द्वारा अनुमोदन।

संपर्क : योजना से संबंधित कोई भी जानकारी पीएम विश्वकर्मा योजना के दिशानिर्देश pmvishwakarma.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। आवश्यकतानुसार कारीगर और शिल्पकार 18002677777 पर फोन कर सकते हैं या pm-vishwakarma@dcmsme.gov.in पर ईमेल कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के कर्मचारियों को नई संविदा नीति का लाभ

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) के कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों को अब प्रदेश की नई संविदा नीति का लाभ मिलेगा। इस संबंध में कम्पनी के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव ने आदेश जारी कर दिये हैं। आदेश जारी होने के बाद कम्पनी के कार्मिकों ने राज्य सरकार के प्रति आभार जताया है। संविदा नीति के लाभ के अंतर्गत कार्मिकों को नियमित पदों पर नियुक्ति के अवसर, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अनुसार वेतन वृद्धि, उनकी सेवाकाल में मृत्यु होने पर अनुकम्पा नियुक्ति, उपादान भुगतान, राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ और स्वास्थ्य बीमा लाभ जैसी सुविधाएं मिलने लगेगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना में प्रशिक्षण

कारीगरों और कुशल शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और पहुंच का विस्तार करने पर ध्यान देने के साथ प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना को विस्तारित करने के लिए मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। इस पहल का महत्वपूर्ण लक्ष्य कारीगरों और शिल्पकारों को व्यापक सहायता प्रदान करना है।

विगत 6 से 10 नवंबर, 2023 तक राष्ट्रीय उद्यमशीलता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली, गुजरात, हरियाणा मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ सहित 10 विभिन्न राज्यों के 41 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

मास्टर प्रशिक्षकों का पहला बैच नाई, दर्जी, राजमिस्त्री, बड़ई (सुतार, बड़ाई), गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), और लुहार व्यवसायों से संबद्ध है।

मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का लक्ष्य इन मास्टर ट्रेनर्स को आधुनिक प्रौद्योगिकी कौशल और उद्यमशीलता ज्ञान में निपुण बनाना। प्रतिभागियों को उद्यमशीलता दक्षताओं, व्यवसाय योजना की तैयारी, सरकारी सहायता परिस्थितिकी तंत्र, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर प्रशिक्षण दिया गया।

इसके अतिरिक्त, मास्टर प्रशिक्षकों को अपने कौशल को बढ़ाने और वर्तमान में चल रहे ट्रेड्स को अपनाने के लिए एक आधुनिक टूल किट प्रदान की गयी। ये मास्टर प्रशिक्षक, ज्ञान और नवाचार के पथ-प्रदर्शक के रूप में देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। इन शिल्पकारों का सम्पर्ण और विशेषज्ञता कार्यबल के कौशल को समृद्ध करने के साथ आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से उन्नत और समृद्ध भारत के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के दृष्टिकोण को साकार करने में बड़ा योगदान देगी। इन प्रशिक्षकों को विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें विशेष ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किये गये, उन्हें काम के दायरे को समझाया गया। इसके अलावा, मास्टर प्रशिक्षकों को कई सरकारी सहायता योजनाओं से परिचित कराया गया।

पीएम विश्वकर्मा योजना का महत्व

पीएम विश्वकर्मा योजना देश के लाखों शिल्पियों, कारीगरों के लिए आशा की किरण बनकर आयी है। इन करीगरों को दिया जाने वाला प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और उपकरण बदलते समय की प्रतिस्पर्धा में इनके लिए कारगर साबित होगा। इस योजना से जहां पारंपरिक शिल्प परम्परा समृद्ध होगी वहीं देश के कारीगरों शिल्पकारों के जीवन स्तर में बदलाव लाने में सफलता मिलेगी। इस योजना से हमारी संस्कृति से जुड़े कार्यों को आधार प्रदान किया है। साथ ही इनके उत्पादों के लिए बाजार भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। यदि हम मध्यप्रदेश के संदर्भ में देखें तो विगत दिनों प्रदेश के खालियर में व्यापार मेला का आयोजन किया गया था। एक मार्च, 2024 से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा उज्जैन में 40 दिनों के विक्रम उत्सव का आयोजन शुरू किया गया। इस आयोजन में छोटे कारीगरों, शिल्पियों को अपने उत्पाद बेचने के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म मिलेगा।

पीएम विश्वकर्मा योजना बदलाव की वह कड़ी है जिससे शिल्प संसार में अमूलचूल परिवर्तन होगा। यह आत्मनिर्भर भारत निर्माण की वह आधारभूत इकाई है जिससे विकास की अनन्त संभावनाएं निर्मित होंगी। उम्मीद है पीएम विश्वकर्मा योजना से प्रशिक्षित कुशल कारीगर ही सामूहिक रूप से एक कुशल भारत का निर्माण करेंगे।

- **हितेश शर्मा**

(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

भारतीय समाज की परम्पराओं पर शोध करने की आवश्यकता

भोपाल, भारतीय समाज की परम्परा एवं मान्यता विज्ञान आधारित थी। काल के प्रवाह में विभिन्न कालखंडों में परंपराओं को विकृत किया गया। भारतीय समाज की परम्पराओं पर विज्ञानपरक अनुसंधान करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल में 'विकसित भारत के लिए - स्वदेशी तकनीक' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कही।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारे समाज में सदियों से विदित है कि वनस्पति में जीव होता है इसलिए सूर्यास्त के बाद पेड़ की पत्तियां आदि नहीं तोड़ी जाती।

इस मान्यता आधारित ज्ञान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से शोध कर डॉ. जगदीश चंद्र बसु ने 'वनस्पति में जीव' का सिद्धांत दिया। भारतीय समाज में सूर्य पूजा का महत्व है, सूर्य की ऊर्जा में अनुसंधान कर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना जा सकता है। गांवों के कारीगरों में परंपरागत कौशल होता है, उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़कर नवाचार के साथ जीवन सरल बनाया जा सकता है।

श्री परमार ने भारत के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विश्वमंच पर स्थापित करने वाले भौतिकशास्त्री डॉ. सीवी रमन की कल्याणकारी खोज 'रमन प्रभाव' के सम्मान में मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' को सभी को बधाई दी।

समय पर होगा नहरों का सुधार कार्य

भोपाल, सभी मुख्य अभियंता अपने-अपने कक्षों का निरीक्षण करें और आगामी वर्षाकाल से पहले नहरों के सुधार कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। नहर के अंतिम छोर तक किसान को सिंचाई के लिए जल मिलना चाहिए। जल संरचनाओं के आस-पास से अतिक्रमण हटाए जाएं एवं वृक्षारोपण किया जाए। यह बात जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने प्रमुख अभियंता जल संसाधन कार्यालय में विभागीय समीक्षा में कही।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि वे विभिन्न परियोजनाओं के कार्यों का औचक निरीक्षण करेंगे। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत निर्मित परियोजनाओं में लगभग 39 हजार 240 किलोमीटर लंबाई की नहरें निर्मित हैं। जल संसाधन मंत्री ने निर्देश दिए कि नहरों के सुधार के लिए रिपेयर,

रेस्टोरेशन एवं रिनोवेशन (RRR) मद में प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार जल शक्ति मंत्रालय को आगामी 7 दिन में भिजवाए जाएं। साथ ही वृहद मध्यम परियोजनाओं की नहरों के सुधार के लिए एक्सटेंशन, रिनोवेशन और मॉडर्नाइजेशन (ERM) मद के अंतर्गत स्वीकृति प्राप्त की जाए।

श्री सिलावट ने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी वाली सरकार है। योजनाओं का पूरा लाभ आमजन को गारंटी के साथ दिया जाता है। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन सभी सिंचाई परियोजनाओं का कार्य तेज गति से हो, उच्च गुणवत्तायुक्त हो तथा समयवधि में पूर्ण हो, यह सुनिश्चित किया जाए। लाभार्थित होने वाले गांवों के नाम एवं किसानों की संख्या सहित जानकारी संकलित की जाए।



आईपीएल से बाहर हुए गेंदबाज मोहम्मद शमी

मुंबई, आईसीसी वन-डे विश्वकप के बाद से चोटिल चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र से भी बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने कहा कि शमी के बाएं टखने में चोट लगी है, जिसके कारण उन्हें ब्रिटेन में सर्जरी करवाई है। सर्जरी के कारण शमी का आईपीएल में खेल पाना संभव नहीं है। शमी की चोट की स्थिति को देखते हुए उनके आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में हिस्सा लेने पर भी संशय गहरा गया है। उल्लेखनीय है कि शमी आईपीएल में गुजरात जाइंट्स टीम के लिए खेलते हैं। शमी का फिट न होना गुजरात जाइंट्स टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। शमी ने आईसीसी वन-डे विश्वकप में सबसे ज्यादा 22 विकेट अपने नाम किए थे।

निकोल ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनाया सबसे तेज शतक

कीर्तिपुर, नामीबिया के युवा बल्लेबाज निकोल लॉफ्टी ईटन ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। निकोल ने नेपाल में खेले जा रही त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने का कारनामा किया। निकोल से पहले यह रिकॉर्ड नेपाल के बल्लेबाज कुशल मल्ला के नाम था। मैच में निकोल ने नेपाल के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए महज 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

निकोल ने इस मैच में 36 गेंदों में 101 रन बनाये। अपनी पारी के दौरान निकोल ने 11 चौके और 8 छक्के लगाए। निकोल की इस पारी की बदौलत नामीबिया ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 206 रन बनाये। निकोल के अलावा मलान ड्रुगर ने 59 रनों की पारी खेली। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरुआत खराब रही। टीम के 2 विकेट 20 रन के स्कोर पर गिर गए। इसके बाद रोहित पौडेल

पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप

पटया, थाईलैंड में आयोजित पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में 3 स्वर्ण, 4 रजत और 11 कांस्य सहित कुल 18 पदक जीते हैं।

प्रमोद ने तीसरी बार जीता स्वर्ण
भारत के पैरा खिलाड़ी प्रमोद भगत ने टूर्नामेंट में पुरुष एकल एसएल-3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। यह पैरा विश्व चैम्पियनशिप में प्रमोद का लगातार तीसरा और कुल पांचवां स्वर्ण पदक है। प्रमोद ने बैडमिंटन में पुरुष एकल वर्ग में सबसे ज्यादा पांच बार खिताब जीतने के मामले में चीन के लिन डेन की बराबरी की है। प्रमोद ने इससे पहले वर्ष 2009, 2015, 2019 और 2022 में भी स्वर्ण पदक जीता था। इस वर्ष प्रमोद ने स्पर्धा

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

भारत ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

रांची, युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के हाथों संभावित हार को जीत में तब्दील कर दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा मैच रांची में खेला गया। इस मैच में भारत ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया। मैच के हीरो युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल रहे। इस जीत के साथ भारत सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली है।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इंग्लैंड को मजबूत शुरुआत मिली, लेकिन टीम के बल्लेबाज इसे बयकारार नहीं रख पाये। इंग्लैंड के 5 विकेट 112 रन पर गिर गये। इसके बाद जो रूट और बेन फोक्स ने पारी को संभाला और 113 रनों की साझेदारी की। फोक्स (47) के आउट होने के बाद ओली रॉबिन्सन (58) ने रूट का साथ निभाया। रूट ने 122 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड ने पहली पारी में 353 रन बनाये।

पहली पारी में भारत की शुरुआत खराब रही। कप्तान रोहित शर्मा दो रन बनाकर जल्द पवेलियन लौट गए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल ने पारी को संभाला और 73 रन बनाये। 177 रन पर 7 विकेट गंवाने के बाद



- इस जीत के साथ भारत ने इस सीरीज पर कब्जा सुनिश्चित कर लिया है।
- ध्रुव जुरेल पर भारतीय टीम ने लगातार 17वीं टेस्ट सीरीज जीती है।
- भारत ने वर्ष 2012 से अब तक अपने घर में 56 टेस्ट मैच खेले हैं, इनमें से 42 मैच भारतीय टीम ने जीते हैं।

ध्रुव जुरेल ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर भारतीय पारी को आगे बढ़ाया। जुरेल ने 90 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने पहली पारी में 307 रन बनाये। दूसरी पारी में भारतीय स्पिनर अपने रंग में नजर आये। अश्विन, जडेजा और कुलदीप की तिकड़ी के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर टिक नहीं सके। दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 145 रन ही बना सकी।

आकर्षी कश्यप ने युगांडा में जीता बैडमिंटन खिताब

कंपाला, भारत की युवा महिला खिलाड़ी आकर्षी कश्यप ने युगांडा में आयोजित युगांडा अंतर्राष्ट्रीय चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। आकर्षी ने टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के फाइनल में अपनी हमवतन खिलाड़ी श्रुति मुंदादा को 25-23, 21-18 से हराया। मैच का पहला गेम बेहद रोमांचक रहा, आकर्षी ने यह गेम 25-23 से जीता। दूसरे गेम में आकर्षी के सामने श्रुति ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी।

नूर अहमद पर लगा एक वर्ष का प्रतिबंध

दुबई, अफगानिस्तान के लेग स्पिनर नूर अहमद पर यूएई में आयोजित इंटरनेशनल लीग टी-20 (आईएलटी-20) में एक वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। नूर अहमद पर यह प्रतिबंध उनकी फ्रेंचाइजी शांजाह वॉरियर्स के साथ अनुबंध उल्लंघन के कारण लगाया गया है। आईएलटी-20 की अनुशासनात्मक समिति ने नूर अहमद को 12 महीने के लिए प्रतिबंधित किया है। नूर इस टूर्नामेंट से प्रतिबंधित होने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, इससे पहले नवीन उल हक पर भी प्रतिबंध लगा है।



क्र.	खिलाड़ी	देश	गेंद
1.	निकोल लॉफ्टी ईटन	नामीबिया	33
2.	कुशल मल्ला	नेपाल	34
3.	रोहित शर्मा	भारत	35
4.	डेविड मिलर	द. अफ्रीका	35
5.	एस. विक्रमसेकरा	चेक गणराज्य	35

(42), कुशल मल्ला (32) और दीपेंद्र सिंह ऐरी (48) ने आक्रामक पारियां खेलकर टीम को लक्ष्य के नजदीक पहुंचाया, लेकिन वे नेपाल को जीत नहीं दिला सके। नामीबिया ने यह मैच 20 रन से जीता।

भारत ने जीते तीन स्वर्ण पदक



के फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल को 14-21, 21-15, 21-14 से हराया।
सुहास ने पहली बार जीता स्वर्ण पदक
टूर्नामेंट में भारत को दूसरा स्वर्ण पदक सुहास यथिराज ने दिलाया। सुहास ने पुरुष एकल वर्ग की एसएल-4 स्पर्धा में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को सीधे गेमों में 21-18, 21-18 से हराकर जीत दर्ज की। सुहास इससे पहले टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में रजत पदक जीत चुके हैं। पैरा विश्व चैम्पियनशिप में सुहास ने पहली बार स्वर्ण

पदक जीता है। इन दोनों के अलावा भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक कृष्णा नागर ने पुरुष एकल एसएल-6 स्पर्धा में जीता। कृष्णा ने चीन शटलर लिन नैली को हराया। पैरा विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भारत की मनीषा रामदास ने महिलाओं की एसयू-5 एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता, वहीं महिला युगल एसएल-6 वर्ग में रचना और नित्या की जोड़ी तथा एसएल-3 वर्ग में मानसी और तुलसीमति की जोड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया।

रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा मध्यप्रदेश

इंदौर, मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। मध्यप्रदेश ने क्वार्टर फाइनल में आंध्रप्रदेश को रोमांचक अंदाज में 4 रन से हराया। मैच में मध्यप्रदेश ने पहली पारी में यश दुबे के 64 रन और हिमांशु मंत्री की 49 रनों की पारी के बदौलत 234 रन बनाये, इसके जवाब में आंध्रप्रदेश की टीम पहली पारी में 172 रन ही बना सकी। दूसरी पारी में मध्यप्रदेश के बल्लेबाज भी संघर्ष करते हुए नजर आए और 107 रन ही बना सके। जीत के लिए मिले 170 रनों के लक्ष्य के जवाब में आंध्रप्रदेश की टीम 165 रन ही बना सकी।

अभय सिंह ने जीता गुड फेलो क्लासिक टूर्नामेंट

टोरंटो, भारत के उभरते खिलाड़ी अभय सिंह ने कनाडा में आयोजित गुडफेलो क्लासिक स्क्वैश टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में अभय ने वेल्स के इलियट मॉरिस डेवरेड को 3-0 (11-7, 11-9, 11-9) से हराया। मैच के पहले गेम में अभय ने आसानी से जीत दर्ज की, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में डेवरेड ने अभय को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अभय ने शानदार खेल दिखाते हुए तीनों गेमों में डेवरेड को हराकर खिताब अपने नाम किया।

ईएफएल कप

लिवरपूल 10वीं बार बना चैम्पियन

लंदन, फुटबॉल क्लब लिवरपूल ने एक बार फिर इंग्लिश फुटबॉल लीग (ईएफएल) कप में अपनी बादशाहत साबित करते हुए खिताब जीता है। लिवरपूल ने दसवीं बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है। लिवरपूल ने ईएफएल के फाइनल में चेलसी को 1-0 से मात दी। मैच में एकमात्र गोल लिवरपूल के वर्जिल वान डिक के अतिरिक्त समय में किया।

ईएफएल का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। फाइनल मैच में दोनों ही टीमें ने बीच के पहले हाफ में आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन वे गोल करने में असफल रही। दूसरे हाफ में भी स्कोर गोल रहित

रहा। मैच में निर्धारित समय तक गोल नहीं होने के कारण मैच अतिरिक्त समय में गया। अतिरिक्त समय (118वें मिनट) में लिवरपूल ने गोल करने का मौका बनाया। लिवरपूल के वान डिक ने इस अवसर का फायदा उठाते हुए शानदार गोल किया, जो मैच में निर्णायक साबित हुआ।

- लिवरपूल ने सबसे ज्यादा दस बार जीता है ईएफएल कप।
- लिवरपूल ने इससे पहले वर्ष 2022 में जीता था ईएफएल कप।
- मैनचेस्टर सिटी ने 7 और मैनचेस्टर यूनाइटेड ने 6 बार जीता है यह टूर्नामेंट।

वानिंदु हसरंगा पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध

कोलंबो, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) ने श्रीलंका की क्रिकेट टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। आईसीसी ने श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच खेले गई ट्वेंटी-20 सीरीज के तीसरे मैच में हसरंगा को आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.13 का उल्लंघन करने का दोषी पाया। मैच में हसरंगा ने एक फुल टॉस गेंद को नो बॉल नहीं दिए जाने को लेकर मैदानी अपायर लंडन हैनरिबल से बहस की। इसके बाद आईसीसी ने हसरंगा को 3 डिमेरिट अंक दिए। हसरंगा को पहले भी दो डिमेरिट अंक मिले थे, जिसके कारण वे अगले दो मैच नहीं खेल पायेंगे।

दुबई टेनिस चैम्पियनशिप

जैस्मीन पाओलिनी बनीं विजेता

दोहा, इटली की युवा महिला टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में महिला एकल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है। पाओलिनी ने टूर्नामेंट के फाइनल में ऐना कलिंस्काया को रोमांचक अंदाज में 4-6, 7-5, 7-5 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में कोको गॉफ और सेमीफाइनल में ईगा स्विटेक को हराते वाली कलिंस्काया को फाइनल में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। फाइनल में कलिंस्काया ने जबर्दस्त शुरुआत करते हुए पहले सेट में 6-4 से जीत दर्ज की। इसके बाद पाओलिनी ने शानदार वापसी की और दूसरे सेट में कलिंस्काया को 7-5 से मात दी। तीसरे सेट में भी इन दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। तीसरे सेट में भी पाओलिनी ने 7-5 से जीत



- जैस्मीन पाओलिनी के टेनिस करियर का यह दूसरा खिताब है।
- पाओलिनी दुबई टेनिस चैम्पियनशिप जीतने वाली दूसरी इटालियन महिला खिलाड़ी हैं।
- इससे पहले सारा इरानी वर्ष 2016 में विजेता बनी थीं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)



मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का फैन हूँ- जॉन

यूएस-इंडिया स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष जॉन चेंबर्स ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ नेता बताया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अप्रूवल रेटिंग 76 फीसदी है। मैं प्रधानमंत्री श्री मोदी का बहुत बड़ा फैन हूँ। मुझे लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नेता हैं। हमारे पास कोई ऐसा नेता नहीं है, जिन्हें 50 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली हो।

भारतवर्षी प्रोफेसर को यूएस में सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान

भारतीय मूल के अमेरिकी इंजीनियर और प्रोफेसर अशोक वीरराघवन को टेक्सास का सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान दिया गया है। वीरराघवन को इंजीनियरिंग में एडिथ और पीटर ओ'डोनेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। टामेस्ट के अनुसार, वीरराघवन राइस यूनिवर्सिटी के जॉर्ज आर. ब्राउन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हैं। यह पुरस्कार उन्हें इमेजिंग तकनीक के विकास के लिए दिया गया है, जो अदृश्य को दृश्यमान बनाने का प्रयास करती है।

विश्व व्यापार संगठन में डूंगन को मात, आईएफडी पर भारत की रोक भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समक्ष चीन की तरफ से पेश आईएफडी पर रोक लगा दी है। डब्ल्यूटीओ में चीन के नेतृत्व वाले निवेश सुविधा विकास समझौते (आईएफडी) पर रोक लगाने के बाद आई खबर के मुताबिक अब इस प्रस्ताव का उल्लेख अंतिम परिणाम में नहीं होगा। मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के अंतिम परिणाम दस्तावेज के बारे में आधिकारिक सूत्रों ने कहा, 'भारत और दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीओ में आईएफडी प्रस्ताव पर रोक लगा दी।' भारत ने कहा कि इस वैश्विक संगठन को केवल व्यापारिक मुद्दों से निपटने पर फोकस करना चाहिए।

समय से पहले ही आया वसंत, खिले फूल, यूरोप में छंटी बर्फ

जलवायु परिवर्तन की वजह से पिछला वर्ष जहां ऐतिहासिक रूप से सबसे गर्म साबित हुआ, वहीं इतिहास में यह फरवरी माह सबसे गर्म दर्ज हुआ है। दुनिया में ज्यादातर जगहों पर फरवरी में तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया। जलवायु परिवर्तन से हर जगह वसंत समय से पहले ही पहुंच गया है। जापान से मेक्सिको तक फूल जल्दी खिल गए हैं। यूरोप में स्की रिजोर्टों से बर्फ गायब हो चुकी है और टेक्सास में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है।

घटती जनसंख्या से बढ़ी पेशेवाजी

भारत में जहां बढ़ती जनसंख्या चिंता का विषय बनी हुई है, वहीं कुछ देश ऐसे भी हैं, जो घटती जनसंख्या से परेशान हैं। सिंगापुर भी अपनी घटती जनसंख्या से परेशान है। सिंगापुर की सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार उनके देश में कुल प्रजनन दर एक प्रतिशत से भी कम होकर 0.97 प्रतिशत हो गई है। यह सिंगापुर के इतिहास में सबसे निचले स्तर पर है।

प्रधानमंत्री ने केरल के तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र का किया दौरा, 1800 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, साहस, वीरता तथा अनुशासन का प्रतीक हैं नामित अंतरिक्ष यात्री

प्रत्येक राष्ट्र की विकास यात्रा के अपने विशेष क्षण होते हैं जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को परिभाषित करते हैं। आज भारत के लिए एक ऐसा अवसर है जब वर्तमान पीढ़ी धरती, वायु, जल और अंतरिक्ष में राष्ट्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर गर्व कर सकती है। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर कही।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 1800 करोड़ रुपये की तीन महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में एसएलवी एकीकरण सुविधा, महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में नई 'सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट सुविधा' और वीएसएससी, तिरुवनंतपुरम में 'ट्राइसोनिक विंड टनल' शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने अयोध्या से शुरु हुए 'काल चक्र' के बारे में कहा कि भारत वैश्विक पटल पर लगातार अपना विस्तार कर रहा है और इसकी झलक देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में देखी जा सकती है। अंतरिक्ष केंद्र के भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री ने गगनयान मिशन की प्रगति की समीक्षा की और नामित चार अंतरिक्ष यात्रियों ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को 'एस्ट्रोनाट विंग्स' प्रदान किये।

गगनयान की तैयारी सुखद संयोग

प्रधानमंत्री ने कहा कि गगनयान के अधिकांश उपकरण भारत में निर्मित हैं। उन्होंने दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में भारत के आसन प्रवेश के साथ गगनयान की तैयारी के सुखद संयोग का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जो परियोजनाएं लोकार्पित की गईं, उनसे



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम, केरल स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में परियोजनाओं का उद्घाटन किया

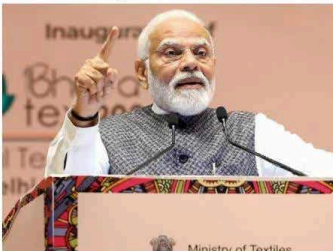
40 वर्ष बाद अंतरिक्ष में टाइम भी हमारा, काउंट-डाउन भी हमारा और रॉकेट भी हमारा

प्रधानमंत्री ने कहा शिव-शक्ति प्लॉट पूरी दुनिया को भारतीय शक्ति से परिचित करा रहा है। गगनयान के अंतरिक्ष यात्री, सिर्फ चार नाम या व्यक्ति नहीं हैं, वे 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को अंतरिक्ष में ले जाने वाली चार 'शक्तियां' हैं। 40 वर्ष बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा रहा है, लेकिन इस बार टाइम भी हमारा है, काउंट-डाउन भी हमारा है और रॉकेट भी हमारा है। नामित अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके नाम भारत की सफलता के साथ जुड़े हैं और वे भारत के विश्वास, साहस, वीरता और अनुशासन का प्रतीक हैं। उन्होंने प्रशिक्षण के प्रति उनके समर्पण और भावना की सराहना की और कहा कि वे भारत की अमृत पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं, जो कभी हार नहीं मानती और सभी प्रतिकूलताओं को चुनौती देने की ताकत रखती है।



भारत टेक्स-2024

भारत टेक्स का सूत्र परंपरा के गौरवशाली इतिहास को प्रतिभा, परंपरा व प्रौद्योगिकी से जोड़ता है - श्री मोदी



नई दिल्ली के भारत मंडप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक टेक्सटाइल कार्यक्रम भारत टेक्स-2024 का उद्घाटन कर सभी को संबोधित करते हुए 100 देशों के 3000 से अधिक प्रदर्शकों और व्यापारियों तथा करीब 40,000 आगंतुकों से कहा कि भारत टेक्स इन सभी को एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा यह कार्यक्रम कई आयामों को अंगीकार करता है, क्योंकि भारत टेक्स का यह सूत्र भारतीय परंपरा के गौरवशाली

इतिहास को आज की प्रतिभा से, परंपराओं के साथ प्रौद्योगिकी को जोड़ता है। यह स्टाइल, निरंतरता, दायरे और कोशल को एक साथ लाने का सूत्र है। उन्होंने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के एक महान उदाहरण के रूप में भी इस आयोजन का जिक्र किया, जिसमें पूरे भारत की असंख्य वस्त्र परंपराओं को शामिल किया गया है।

पीढ़ीगत अनुभव पर भी ध्यान दिलाया

प्रधानमंत्री ने बुनकरों की उपस्थिति और जमीनी स्तर पर उनके पीढ़ीगत अनुभव पर भी ध्यान दिलाया, जो मूल्य श्रृंखला के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विकसित भारत और उसके चार मुख्य स्तंभों के संकल्प पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का कपड़ा क्षेत्र गर्वों, युवाओं, किसानों और महिलाओं, सभी से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसीलिए भारत टेक्स 2024 जैसे आयोजन का महत्व और बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम परंपरा, प्रौद्योगिकी, प्रतिभा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

2024 में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत

क्वाड की गति रहेगी बरकरार

भारत 2024 में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसे लेकर अमेरिका काफी उत्साहित है। क्वाड हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जॉन पियरे ने ब्रीफिंग में कहा कि क्वाड ने पिछले तीन वर्षों में जो सफलता हासिल की है, इससे राष्ट्रपति जो बाइडेन काफी खुश हैं। हमें उम्मीद है कि भारत की अध्यक्षता में भी यह गति बरकरार रहेगी। क्वाड की सफलता सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं बल्कि भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बारे में है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र स्वतंत्र हो, खुले और समृद्ध हो यही क्वाड का साझा दृष्टिकोण है।

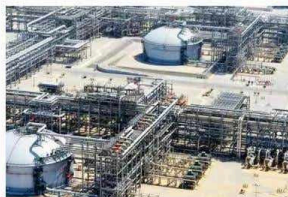
12U2 को लेकर भी जताई प्रतिबद्धता

पियरे ने 12U2 पर भी बात की। 12U2 का उद्देश्य विज्ञान आधारित समाधानों को आगे बढ़ाना है। इसके साथ ही ऊर्जा सुरक्षा, अंतरिक्ष संचालन, जल संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों की चुनौतियों का सामाधान करना है। उल्लेखनीय है कि 12U2 समूह में भारत, इस्राइल, यूएई और अमेरिका शामिल है।

एच।बी वीजा प्रक्रिया पर दी प्रतिबद्धता

एच।बी वीजा प्रक्रिया के बारे में उन्होंने कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने पिछले महीने वीजा से संबंधित एक अंतिम नियम प्रकाशित किया था। उन्होंने कहा कि यह नियम वीजा प्रक्रिया में सुधार करते हैं। इसका उद्देश्य हमारे आब्रजन प्रणाली की अखंडता को मजबूत करना और धोखाधड़ी की संभावना को कम करना है।

सऊदी अरब को मिला अरबों डॉलर का 15 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस भंडार



बैरल कंडेनसेट होने का अनुमान है।

पहले भी सऊदी अरब को मिला था खजाना

अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2023 में भी सऊदी अरब सरकार ने बताया

था कि पूर्वी प्रांत में भी प्राकृतिक गैस के दो क्षेत्रों की खोज की गई थी। बताया गया कि प्राकृतिक गैस की खोज अल-हिरन और अल-महाकैक दो कुओं में की गई थी। जाफुराह गैस क्षेत्र सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में घावर तेल क्षेत्र के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। रियाद ने इस क्षेत्र को विकसित करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। इसके लिए ऊर्जा कंपनी सऊदी आरामको ने 2021 में 10 बिलियन डॉलर के अनुबंध दिए थे। उस वक्त जाफुराह में पूंजीगत व्यय विकास के पहले 10 सालों में 68 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद थी।

खतम हो रहा खजाना

सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल-सऊद मेगा प्रोजेक्ट्स पर करोड़ों खर्च कर रहे हैं। इस कारण किंगडम के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड की नकदी और राजकोषीय संपत्ति में बड़ी गिरावट देखी गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार सऊदी अधिकारियों ने बताया कि उनके पास प्रोजेक्ट्स के लिए पैसे कम पड़ रहे हैं और तेल की कीमतों में बढ़ोतरी न होने की वजह से मुश्किलें और बढ़ गई हैं।